THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 94 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ शु.5 2082 सोमवार, 30 जून-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'जेल जाकर राजनीति में चमके नारायण राणे'

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री का चौंकाने वाला बयान

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री भारत गोगावाले ने भाजपा सांसद और राज्य के पूर्व सीएम नारायण राणे को लेकर ऐसा कुछ कह दिया है, जिस पर विवाद हो सकता है। दरअसल एक जनसभा को संबोधित करते हुए भारत गोगावाले ने कहा कि नारायण राणे आज जहां हैं, वहां वे आसानी से नहीं पहुंचे हैं और उसके लिए उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हुए। वे जेल गए और लड़ाई और हत्या की घटनाओं में शामिल रहे।

जगन्नाथ रथयात्रा में भगदड़

तीन की मौत, 50 लोग घायल, सीएम माझी ने माफी मांगी, दो अफसर सस्पेंड, पुरी कलेक्टर एसपी को हटाया

भुवनेश्वर, 29 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी में श्री गुंडिचा मंदिर के निकट रविवार को मची भगदड़ में कम से कम तीन व्यक्तियों की मौत हो गई और करीब 50 अन्य घायल हो गए। यह घटना तड़के करीब चार बजे हुई, जब सैकड़ों श्रद्धालु रथयात्रा उत्सव देखने के लिए मंदिर के पास एकत्रित हुए थे।

पुरी में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान हुई भगदड़ की घटना के बाद ओडिशा सरकार ने कड़ी कार्रवाई करते हुए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस हादसे को लेकर लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई करते हुए पुरी के जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित कर दिया है।

सीएमओ की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि, पुरी के जिला कलेक्टर सिद्धार्थ शंकर स्वैन और एसपी विनीत अग्रवाल का तबादला कर दिया गया है। वहीं डीसीपी विष्णु पति और कमांडेंट अजय पाधी को ड्यूटी में लापरवाही के लिए निलंबित कर दिया गया है। चंचल राणा को पुरी का नया जिला कलेक्टर नियुक्त किया गया है, जबकि पिनाक मिश्रा ने नए एसपी का कार्यभार दिया गया है। सीएम माझी ने विकास आयुक्त की देखरेख में मामले की प्रशासनिक जांच के भी आदेश दिए।

मृतकों के परिजनों को मुआवजा

ओडिशा के सीएम मोहन चरण माझी ने प्रत्येक मृतक श्रद्धालु के परिजनों को 25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। सीएम ने विकास आयुक्त की देखरेख में विस्तृत प्रशासनिक जांच के आदेश दिए हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं से इस घटना को लेकर क्षमा मांगी। उन्होंने कहा कि मैं और मेरी सरकार महाप्रभु जगन्नाथ के सभी भक्तों से क्षमा याचना करते हैं। जो श्रद्धालु इस हादसे में अपनी जान गंवा बैठे, उनके परिवारों के प्रति हमारी गहरी संवेदना है। हम प्रार्थना करते हैं कि भगवान उन्हें यह दुख सहने की शक्ति दें।

सुबह चार बजे के करीब हुआ हादसा

अधिकारियों ने बताया कि अनुष्ठान के लिए सामग्री ले जा रहे दो ट्रकों के भगवान जगन्नाथ और उनके भाई भगवान बलभद्र एवं देवी सुभद्रा के रथों के पास भीड़भाड़ वाले स्थान पर घुसने के बाद अफरा-तफरी मच गई। उन्होंने बताया कि घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और छह लोगों की हालत गंभीर है। मृतकों की पहचान बोलागढ़ निवासी बसंती साहू और बालीपटना निवासी प्रेमकांत मोहंती व प्रवती दास के रूप में हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

95 करोड़ लोगों को मिल रहा सामाजिक सुरक्षा का लाभ : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि देश में 95 करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा का लाभ ले रहे हैं, जबकि साल 2015 में यह आंकड़ा 25 करोड़ ही था। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 129वें एपिसोड को संबोधित किया। इसी में पीएम मोदी ने 95 करोड़ लोगों के सामाजिक सुरक्षा के दायरे में होने की बात कही।

आईएलओ की रिपोर्ट का दिया हवाला :

प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें बताया गया है कि भारत की 64 प्रतिशत आबादी किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ ले रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन आईएलओ की रिपोर्ट आई है, जिसमें बताया गया है कि भारत की 64 प्रतिशत से ज्यादा आबादी को अब कोई न कोई सामाजिक सुरक्षा लाभ मिल रहा है। आज देश के 95 करोड़ लोग किसी न किसी सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ ले रहे हैं। साल 2015 तक ये आंकड़ा 25 करोड़ था। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दुनिया में सामाजिक सुरक्षा का सबसे बड़ा दायरा है।

हर कदम के साथ मजबूत होगा भारत :

प्रधानमंत्री ने कहा कि सामाजिक न्याय की भी यह अच्छी तस्वीर है। ये सफलता इस विश्वास से आई है कि आने वाला समय और भी अच्छा होगा। भारत हर कदम के साथ मजबूत होगा। प्रधानमंत्री ने देश की एक और उपलब्धि की तारीफ की और कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत को ट्राकोमा मुक्त घोषित किया है। पीएम मोदी ने कहा कि यह देश के स्वास्थ्य कर्मियों की सफलता है। ट्राकोमा एक बेहद संक्रमणकारी बीमारी है।

तीर्थयात्राएं एक भारत-श्रेष्ठ भारत के भाव का प्रतिबिंब :

प्रधानमंत्री ने कैलाश मानसरोवर और अमरनाथ आदि तीर्थ यात्राओं को लेकर कहा कि जब कोई तीर्थयात्रा पर निकलता है, तो एक ही भाव सबसे पहले मन में आता है, 'चलो, बुलावा आया है'।

राहुल-खड़गे ने बताया प्रशासन की लापरवाही का नतीजा

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के पुरी स्थित श्री गुंडिचा मंदिर के पास रविवार सुबह हुई भगदड़ की घटना को लेकर कांग्रेस नेताओं ने राज्य सरकार पर सवाल उठाए हैं।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस हादसे को बेहद दुखद और दर्दनाक बताया। साथ ही पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। बता दें कि इस हादसे में अब तक तीन श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हादसा उस वक्त हुआ जब सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु सुबह करीब चार बजे रथ यात्रा के दर्शन के लिए जुटे थे।

हल्दी निर्यात को मिलेगा बढ़ावा : शाह

हैदराबाद, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार ने भारत से हल्दी का निर्यात एक अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने कहा कि देश में हल्दी की खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए यह कदम उठाया गया है।

तेलंगाना में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि भारत की हल्दी दुनियाभर में मशहूर है। अब समय आ गया है कि इसका लाभ हमारे किसानों को भी मिले। इसके लिए सरकार ने हल्दी निर्यात को 1 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का संकल्प लिया है।

शाह ने कहा कि आज 40 साल से लोगों की मांग थी कि हल्दी के लिए बोर्ड बनाया जाए। इस मांग को पूरा करते हुए मोदी सरकार ने देश में हल्दी बोर्ड बनाया, जिससे हल्दी के किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। बता दें कि सरकार पहले ही हल्दी बोर्ड का गठन कर चुकी है, जो किसानों को बेहतर बीज, मार्केटिंग और

एक्सपोर्ट में मदद करेगा। शाह ने यह भी कहा कि इससे न सिर्फ किसानों की आमदनी बढ़ेगी, बल्कि भारत की वैश्विक पहचान भी और मजबूत होगी।

अहमदाबाद विमान हादसा- साजिश समेत हर एंगल से जांच होगी

केंद्रीय मंत्री बोले- ब्लैक बॉक्स भारत के पास, इन्वेस्टिगेशन के लिए विदेश नहीं भेजेंगे

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद में 12 जून को हुए एअर इंडिया विमान हादसे की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है, जिसमें साजिश (सबोटाज) की संभावना को भी खंगाला जा रहा है। यह जानकारी केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने दी है। उन्होंने कहा कि विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) इस मामले की पूरी जांच कर रहा है। ब्लैक बॉक्स भारत में (एएआईबी के पास) है, उसे बाहर नहीं भेजा जाएगा।

केंद्रीय मंत्री मोहोल पुणे में 'एमर्जिंग बिजनेस कॉन्क्लेव' में बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण हादसा था। एएआईबी इसकी हर एंगल से जांच कर रहा है। सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं और कई एजेंसियां मिलकर जांच में जुटी हैं। अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट एआई 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।

रिपोर्ट तीन महीने में आने की संभावना

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हादसे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह इंजन फेलियर, फ्यूल सप्लाई की समस्या या कोई तकनीकी गड़बड़ी की वजह से हुआ। ब्लैक बॉक्स में मौजूद सीवीआर और एफडीआर की जांच की जा रही है।

अमरनाथ यात्रा को लेकर बीएसएफ की सुरक्षा तैयारी

कहा- 'कभी भी घुसपैठ कर सकता है दुश्मन'

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इस बार की अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर सरहद से शहर तक सुरक्षा आभूतपूर्व इंतजाम किए गए हैं। बॉडर सिक्योरिटी फोर्स ने जम्मू में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के चप्पे चप्पे पर गश्त बढ़ा दी है। बीएसएफ पहले ही यह साफ कर चुकी है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और पाकिस्तान कभी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ कर सकता है, जिससे निपटने के लिए बीएसएफ में पूरी तैयारी कर ली है।

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले बीएसएफ ने सीमा पर अपनी तैयारी को धार देना शुरू कर दिया है। बीएसएफ की अतिरिक्त और महिला कमांडो उसके साथ पूरे बॉर्डर को निगरानी में रखा गया है। बीएसएफ की है जवान सीमा की तारबंदी के साथ फॉरवर्ड ड्यूटी पॉइंट्स पर इन दोनों 24 घंटे अपनी पेट्रोलिंग कर रहे हैं। पेट्रोलिंग के साथ ही पाकिस्तान की हर नापाक हरकत पर नजर रखने के लिए उपकरणों का भी सहारा लिया जा रहा है।

पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देता है

गौरतलब है कि जम्मू में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के साथ सटे हुए पाकिस्तान के सियालकोट और शकरगढ़ के वह सेक्टर है, जिन्हें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सुरक्षा बलों को अपना निशाना बनाया था। ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने शकरगढ़ और सियालकोट पर डटे हुए थे। ये वह सेक्टर है जहां केवल पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देता है बल्कि यहां कहीं लॉन्चपैड भी मौजूद थे।

पाकिस्तान कर सकता है सीमा पर घुसपैठ की कोशिश :

ऑपरेशन सिंदूर के बाद बीएसएफ ने साफ किया था कि जम्मू में अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है और पाकिस्तान भविष्य में भी सीमा पर घुसपैठ की कोशिश कर सकता है, जिससे निपटने के लिए बीएसएफ के जवान और उपकरण सीमा पर पहले ही तैनात है।

केरल से दिल्ली तक तय समय से पहले पहुंचा मानसून

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। देशभर में झमाझम बारिश का सिलसिला समय से पहले शुरू हो गया है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के मुताबिक, इस बार मानसून ने दिल्ली में दस्तक तय तारीख से एक दिन पहले, यानी 29 जून को दे दी। यही नहीं, पूरे देश में मानसून ने नौ दिन पहले ही अपनी पकड़ बना ली। आमतौर पर मानसून 8 जुलाई तक पूरे भारत में फैल जाता है, लेकिन इस साल यह रिकॉर्ड समय से पहले पूरे देश में सक्रिय हो गया।

मानसून हर साल सबसे पहले केरल पहुंचता है, जिससे पूरे देश में बारिश की शुरूआत मानी जाती है। इस बार मानसून 24 मई को ही केरल पहुंच गया, जो 2009 के बाद सबसे जल्दी था। साल 2009 में भी मानसून 23 मई को केरल पहुंचा था। इस बार अरब सागर और बंगाल की खाड़ी पर बने मजबूत लो-प्रेशर सिस्टम ने मानसून को तेजी से आगे बढ़ाया, जिससे 29 मई तक मुंबई, महाराष्ट्र का बड़ा हिस्सा और पूर्वोत्तर भारत में बारिश का दौर शुरू हो गया।

18 दिन की रफ्तार पर लगी ब्रेक :

हालांकि, 29 मई के बाद मानसून की रफ्तार थम गई। पूरे 18 दिन यानी 16 जून तक मानसून आगे नहीं बढ़ पाया। इस दौरान खासतौर पर दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के बड़े हिस्सों में लोग गर्मी से बेहाल रहे। इसकी वजह रही एंटी-साइक्लोनिक हवाएं, जो मानसून की नमी वाली हवाओं के रास्ते में बाधा बनीं।

दिल्ली में भी समय से पहले पहुंचा मानसून

मानसून के रुकने के बाद धीरे-धीरे इसकी रफ्तार फिर तेज हुई और आखिरकार 29 जून को दिल्ली में मानसून ने दस्तक दे दी। आमतौर पर दिल्ली में 30 जून को मानसून पहुंचता है, लेकिन इस बार यह एक दिन पहले आ गया। इसके साथ ही पूरे देश में मानसून नौ दिन पहले ही सक्रिय हो गया। आईएमडी के आंकड़ों के मुताबिक, 2020 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है जब पूरे भारत में इतनी जल्दी मानसून फैल गया हो। साल 2020 में मानसून 26 जून तक पूरे देश में छा गया था।

कोरोना के नए वैरिएंट से एक महीने में 135 मौतें

24 घंटे में 3 मरीजों की जान गई, एक्टिव केस घटकर 2086 हुए

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। देशभर में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या बीते 2 हफ्तों से कम हो रही है। बीते 24 घंटे में 30 नए केस सामने आए, जबकि 252 मरीज ठीक हुए हैं। एक्टिव केसों की संख्या घटकर 2086 पहुंच गई है। 12 जून को देशभर में 7131 एक्टिव केस थे।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कोरोना के नए वैरिएंट से जनवरी 2025 से अब तक 142 की मौत हुई है। बीते दिन 3 लोगों ने जान गंवाई है, इनमें दिल्ली के 2 और हरियाणा का एक मरीज शामिल हैं। बीते एक महीने में करीब 135 मौतें हुई हैं।

भारत में बढ़ रहे सिंगापुर के निम्बस वैरिएंट के केस :

आईसीएमआर-एनआईवी (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी) के डायरेक्टर डॉ. नवीन कुमार कहा- सिंगापुर में फैल रहे निम्बस (एनबी.1.8.1) वैरिएंट के केस भारत में भी सामने आ रहे हैं। बीते 5-6 हफ्तों में इन केसों की संख्या तेजी से बढ़ी है। हमने टेस्टिंग बढ़ा दी है। इस वैरिएंट में फिलहाल ओमिक्रॉन जैसे लक्षण देखने को मिल रहे हैं।

भारत में मिले कोविड-19 के 4 नए वैरिएंट :

भारत के कई राज्यों में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच देश में चार नए वैरिएंट मिले हैं। आईसीएमआर के डायरेक्टर डॉ. राजीव बहल ने बताया कि दक्षिण और पश्चिम भारत से जिन वैरिएंट की सीक्वेंसिंग की गई है, वे एलएफ.7, एक्सएफजी , जेएन.1 और एनबी.1.8.1 सीरीज के हैं। बाकी जगहों से नमूने लेकर सीक्वेंसिंग की जा रही है, ताकि नए वैरिएंट की जांच की जा सके। मामले बहुत गंभीर नहीं हैं, लोगों को चिंता नहीं, बस सतर्क रहना चाहिए। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) ने भी इन्हें चिंताजनक नहीं माना है। हालांकि, निगरानी में रखे गए वैरिएंट के रूप में कैटेगराइज किया है। चीन सहित एशिया के दूसरे देशों में कोविड के बढ़ते मामलों में यही वैरिएंट दिख रहा है।

एनबी.1.8.1 के ए435एस, वी445एच, और टी478आई जैसे स्पाइक प्रोटीन म्यूटेशन अन्य वैरिएंट की तुलना में तेजी से फैलते हैं। इन पर कोविड के खिलाफ बनी इम्यूनिटी का भी असर नहीं होता। भारत में कोविड का जेएन.1 वैरिएंट सबसे आम है। टेस्टिंग में आधे से ज्यादा सैंपल में यह वैरिएंट मिलता है। इसके बाद बीए.2 (26 प्रतिशत) और ओमिक्रॉन सबलाइनेज (20 प्रतिशत) वैरिएंट के मामले भी मिलते हैं।

उसने परिवार तोड़ा, वह सबसे बड़ी महिला विरोधी

महुआ मोइत्रा पर खुलकर बरसे टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी

कोलकाता, 29 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस के 2 दिग्गज नेताओं के बीच आपसी संघर्ष जगजाहिर है। दोनों नेता आपस में उलझते रहे हैं। बात हो रही है कल्याण बनर्जी और महुआ मोइत्रा की, जिनके बीच सार्वजनिक विवाद के करीब 3 महीने बाद, दोनों सांसद एक बार फिर आमने-सामने आ गए। कोलकाता लॉ कॉलेज गैंगरेप केस को लेकर महुआ मोइत्रा ने कल्याण पर हमला बोला तो पलटवार करते हुए उन्होंने महिला नेता की निजी जिंदगी पर कटाक्ष कर दिया। इस बार सांसद कल्याण बनर्जी ने महुआ के निजी जीवन पर कटाक्ष करते हुए उनकी शादी को निशाना बनाते हुए कहा कि उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति का परिवार तोड़ दिया जो 40 साल से शादीशुदा था। वह ओडिशा के बीजू जनता दल के पूर्व सांसद पिनाकी मिश्रा के साथ महुआ की शादी का जिक्र कर रहे थे।

उन्होंने कहा, "महुआ अपने हनीमून के बाद भारत वापस आ गई और मुझसे लड़ने लगी। वह मुझ पर महिला विरोधी होने का आरोप लगा रही हैं, वह खुद क्या हैं? उसने 40 साल की शादी तोड़ दी और एक ऐसे व्यक्ति से शादी की है जो 65 साल का है। क्या उसने एक महिला को चोट नहीं पहुंचाई?"

कल्याण बनर्जी ने महुआ मोइत्रा पर हमला करते हुए कहा, "महुआ कहती हैं कि मैं महिलाओं से द्वेष करता हूं- अच्छा, यह उनका ट्वीट है। मेरा पहला सवाल है कि डेढ़ महीने के हनीमून के बाद वह भारत लौटीं और तुरंत मुझे निशाना बनाना शुरू कर दिया। मैं महिलाओं से द्वेष नहीं करता- मैं महिलाओं के मुद्दों पर सबसे ज्यादा बोलता हूं, लेकिन महुआ खुद महिलाओं से इतनी द्वेष रखती हैं कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र कृष्णनगर में किसी भी सक्षम महिला नेता को उभरने नहीं देतीं।" वह कहते हैं, "वह (महुआ) मुझे महिला विरोधी कहती हैं, लेकिन उसने अपनी 40 साल पुरानी शादी तुड़वा दी, उसने अपनी पत्नी को छोड़ दिया और खुद दूसरे आदमी से शादी कर ली। उसने अपने फायदे के लिए किसका दिल तोड़ा? तो, यहां महिला विरोधी कौन है- मैं या वह?"

वह यहीं तक नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा, "उसने उस महिला को तलाक दिलवाया। अब वह महिला कहां जाएगी? उसने राजनीति में कब प्रवेश किया? वह कृष्णानगर में राहुल गांधी के नाम से राजनीति करती थीं। फिर 2011 में तृणमूल कांग्रेस के स्वर्णिम दौर में वह विधायक बनीं, फिर सांसद बनीं। अब वह उसी सांसद की सीट को नुकसान पहुंचा रही हैं, जिस पर वह काबिज हैं।"

महुआ पर हमला करते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा, "एक महिला जिसने दूसरी महिला की शादी तोड़ दी और खुद 65 साल के उस आदमी से शादी कर ली, मैं ऐसे शख्स को मानसिक रूप से स्थिर नहीं मानता। मुझे उससे नारीवाद या स्त्री-द्वेष के बारे में सीखने की जरूरत नहीं है।"टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा, "मैं महिलाओं से कोई द्वेष नहीं करता, लेकिन भारत में मेरी एकमात्र महिला महुआ मइत्रा है।"

क्या कहा था महुआ मोइत्रा ने

कल्याण बनर्जी की ओर से यह बयान महुआ मोइत्रा द्वारा तृणमूल कांग्रेस पर अपने नेताओं की बेबुनियाद बातों की निंदा नहीं करने के लिए निशाना साधने के जवाब में आया है। कल्याण बनर्जी ने लॉ की छात्रा के साथ गैंगरेप के मामले में उनके 'बुरी संगत से बचें' वाले बयान पर अप्रत्यक्ष रूप से हमला किया था। पीड़िता को ही नसीहत देते हुए टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा था कि महिलाओं को यह पता होना चाहिए कि वे किसके साथ बाहर जा रही हैं। उन्होंने कहा, "जो लोग ऐसे लोगों के साथ घूम रहे हैं, उन्हें समझना चाहिए कि वे किसके साथ जा रहे हैं।"

इस बयान से पार्टी ने किनारा कर लिया और इसे उनका निजी बयान बता दिया। इस पर महुआ ने एक्स पोस्ट कर कहा, "महिलाओं के प्रति घृणा पार्टी लाइन से परे है। टीएमसी को अलग करने वाली बात यही है कि हम ऐसी घृणित टिप्पणियों की निंदा करते हैं।" कल्याण के अलावा विधायक मदन मित्रा ने भी कहा था कि लॉ छात्रा अगर अकेले कॉलेज नहीं जाती तो वह इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से बच सकती थी।

आप विधायक कुंवर विजय प्रताप सिंह 5 साल के लिए निलंबित

चंडीगढ़, 29 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी ने अमृतसर उत्तरी से विधायक और पूर्व आईपीएस अधिकारी कुंवर विजय प्रताप सिंह को 5 साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति ने यह कठोर कदम कुंवर विजय प्रताप की पार्टी विरोधी गतिविधियों और पंजाब सरकार की ड्रग्स के खिलाफ मुहिम में बाधा डालने के आरोपों के चलते उठाया है। हाल ही में कुंवर विजय प्रताप ने शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ विजिलेंस कार्रवाई और उनकी गिरफ्तारी पर सवाल उठाए थे। उन्होंने सार्वजनिक मंचों पर मजीठिया की पत्नी के साथ विजिलेंस टीम की बहस का वीडियो साझा करते हुए सरकार की कार्रवाई को अनुचित बताया था। उन्होंने कहा था कि मजीठिया जेल में थे तब पंजाब सरकार ने कोई पूछताछ नहीं की और उनकी जमानत में सहायता की, लेकिन अब अचानक कार्रवाई शुरू करना सवाल उठाता है। इस बयान को आप ने अपनी विचारधारा और ड्रग्स के खिलाफ अभियान के खिलाफ माना।

'माफ कीजिए! हम नहीं पाल सकते,फुटपाथ पर मिली दुधमुंही बच्ची

राजगढ़, 29 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के राजगढ़ जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां पनवेल के तक्का गांव में सुबह फुटपाथ पर रखी बॉस्केट में दो से तीन दिन की दुधमुंही बच्ची मिली है। उसके साथ एक चिट्ठी भी मिली है, जिसमें लिखा था कि हम इस बच्ची को नहीं पाल सकते, इसलिए इसे छोड़ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने बच्ची को अपने कब्जे में लेकर तुरंत पनवेल के उपजिला अस्पताल भेजा है। जहां डॉक्टरों ने उसकी जांच कर उसे स्वस्थ बताया है। पुलिस ने रायगढ़ जिला प्रशासन को बच्ची को सौंपने की तैयारी कर ली है। दुधमुंही बच्ची को अब अलीबाग स्थित अनाथाश्रम में ले जाया जा सकता है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि शनिवार सुबह यहां से गुजर रहे लोगों की नजर एक बॉस्केट पर गई, जिसमें से एक बच्चे के रोने की आवाज आ रही थी। लोगों ने बॉस्केट खोलकर देखा तो उसमें एक बच्ची पड़ी थी। पुलिस को मामले की सूचना दी गई। पुलिस ने बच्चे को तुरंत पनवेल के उपजिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां बच्ची की स्थिती ठीक बताई जा रही है। पुलिस ने बच्चे के अज्ञात माता-पिता पर मामला दर्ज कर उनकी खोज शुरू कर दी है।

हाजी अली के पास हुआ हादसा अस्थि विसर्जन के लिए गए तीन लोग समुद्र में डूबे, दो की मौत

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई में अस्थि विसर्जन के लिए पहुंचे तीन लोग समुद्र में डूब गए। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति को जिंदा बाहर निकाल लिया गया है। जीवित व्यक्ति को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि मछुआरों ने इस हादसे के बारे में पुलिस को जानकारी दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मछुआरों के साथ मिलकर तीनों को बाहर निकाला और आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया। यहां डॉक्टरों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। एक व्यक्ति का अस्पताल में इलाज चल रहा है। दरअसल, पूरा मामला मुंबई के वर्ली इलाके का है। यहां समुद्र में अस्थि विसर्जन करने के लिए तीन लोग आए हुए थे। इसी दौरान वह समुद्र में डूब गए। पुलिस अधिकारियों ने मामले के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना हाजी अली स्थित 'लोटस जेट्टी' के पास की है।

बिक्रम मजीठिया की गिरफ्तारी पर हमलावर आप बलतेज पन्नू बोले- 'सुखबीर बादल डर गए हैं'

चंडीगढ़, 29 जून (एजेंसियां)। बिक्रम मजीठिया की गिरफ्तारी पर अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल के बयान पर आम आदमी पार्टी के नेता बलतेज पन्नू ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। पन्नू ने कहा कि सुखबीर बादल की बातों से बिल्कुल साफ लग रहा है कि उन्हें अपनी और अपने परिवार की चिंता हो रही है कि कहीं अगला नंबर उनका न आ जाए, क्योंकि उन्हें उन कंपनियों से डर लगने लगा है, जिनकी डिटेल्स सामने आई हैं।

बलतेज पन्नू ने कहा कि आज की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुखबीर बादल की बातों में घबराहट स्पष्ट रूप से झलक रही थी क्योंकि उनको पता है कि गलत कामों का नतीजा गलत ही होता है। जिस तरह से इन लोगों ने पंजाब में 2007 से लेकर 2017 तक गुंडागर्दी मचाई और भ्रष्टाचार किया, वह आज तक लोग भूल नहीं पाए हैं। इन लोगों ने कोटकपूरा में निहत्थे और शांतिप्रिय ढंग से प्रदर्शन कर रहे संगतों पर गोलियां चलवाई।

उन पर पानी की बौछारें और आंसू गैस के गोले चलवाएं। पन्नू ने कहा कि सुखबीर बादल कहते हैं कि इतनी सुबह पुलिस छापे मारने नहीं जाती है, पर उन्हें याद होना चाहिए कि कोटकपूरा में सुबह में ही पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे संगतों पर गंदे पानी की बौछारें और लाठियां बरसाई थी। पन्नू ने कहा कि सत्ता के दौरान सुखबीर बादल इतने अहंकारी हो गए थे कि 25 साल तक बिना चुनाव के राज करने की बात करते थे। वह यह भी भूल भूल गए कि चुनाव हर पांच साल बाद होता हैं, 25 साल बाद नहीं। लेकिन तब वह अहंकार में थे। उस अहंकार में ही उन्होंने पंजाब को बर्बाद किया। लेकिन उनके और उनके आस-पास के सभी लोगों का असली चेहरा अब पूरी तरह से उजागर हो गया है। इसलिए वह हर चीज से घबरा रहे हैं।

पति की आंखों में मिर्च पाउडर झोंक डंडे से पीटा फिर कुचल दिया गला, अवैध संबंध का विरोध करने पर दी दर्दनाक मौत

तुमकुरु, 29 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के तुमकुरु में एक महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी। इसके बाद उसकी लाश घर से 30 किलोमीटर दूर एक कुएं में फेंक दी। पुलिस को जब मृतक के लापता होने की जानकारी मिली तो तलाश शुरू की गई। इस दौरान मृतक के घर में मिर्च पाउडर मिला और संघर्ष के सबूत भी मिले। संदेह होने पर पुलिस ने गुमशुदा व्यक्ति की पत्नी के कॉल रिकॉर्ड चेक किए तो पूरा मामला सामने आ गया। पूछताछ में आरोपी महिला ने हत्या की बात स्वीकार कर ली और बताया कि अवैध संबंध के चलते उसने यह कदम उठाया। मामला टिपटूर तालुक के कडाशेट्टीहल्ली गांव का है। यहां एक महिला ने कथित तौर पर अपने प्रेमी की मदद से अपने पति की हत्या कर दी और शव को करीब 30 किलोमीटर दूर फेंक दिया।

आरएसएस आगे बढ़ चुका है संघ पर नरम हुए शशि थरूर

संविधान बनाम मनुस्मृति पर कही ये बात

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने मनुस्मृति बनाम संविधान पर चल रही बहस के बीच बड़ा बयान दिया है। शशि थरूर ने कहा है कि आरएसएस और बीजेपी अब बदल चुके हैं। थरूर का बीजेपी और आरएसएस के प्रति ऐसा नरम बयान देश की राजनीति में चर्चा का केंद्र बन गया है। थरूर ने यह भी स्पष्ट किया कि वर्तमान में आरएसएस संभवतः उन पुराने विचारों से आगे बढ़ चुका है और आज वो क्या सोचते हैं, वह खुद आरएसएस बेहतर बता सकती है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबले ने संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द हटाने की बात का समर्थन किया था। इसके बाद ही इस पर विवाद शुरू हो गया। होसबले के बयान पर राहुल गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर ट्वीट कर कहा था कि संविधान समानता, धर्मनिरपेक्षता और न्याय की बात करता है। ये इन्हें चुभता है आरएसएस का नकाब उतर गया है। राहुल ने कहा कि आरएसएस -बीजेपी को संविधान नहीं, मनुस्मृति चाहिए। ये बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनकर उन्हें दोबारा गुलाम बनाना चाहते हैं। संविधान जैसा ताकतवर हथियार उनसे छीनना इनका असली एजेंडा है। आरएसएस ये सपना देखना बंद करे। हम उन्हें कभी सफल नहीं होने देंगे। हर देशभक्त भारतीय आखिरी दम तक संविधान की रक्षा करेगा। इस पर शशि थरूर ने कहा, 'ऐतिहासिक रूप से वे (राहुल गांधी) इस तथ्य का उल्लेख कर रहे हैं कि संविधान को अपनाने के समय यह आलोचना व्यक्त की गई थी। श्री गोलवलकर ने संविधान में मनुस्मृति का उल्लेख न करने को कमी बताया था, लेकिन, मुझे लगता है कि अब आरएसएस उन दिनों से आगे बढ़ चुका है। आज वो क्या सोचते हैं, वह खुद आरएसएस बेहतर बता सकती है। शशि थरूर का ऐसा बयान तब आया जब कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल बीजेपी और संघ पर संविधान से छेड़छाड़ के आरोप लगा रहे हैं। 1976 में इमरजेंसी के दौरान समाजवादी और धर्मनिरपेक्ष जैसे शब्द संविधान में जोड़े गए थे जिसे आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबले ने जबरन जोड़ा गया कहा।

रिहा हुए सुकांत मजूमदार, बोले- बंगाल के लिए हजार बार गिरफ्तारी के लिए तैयार

कोलकाता, 29 जून (एजेंसियां)। कोलकाता सामूहिक दुष्कर्म मामले के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को कल शाम को हिरासत में लिया गया था। सुकांत मजूमदार को आज सुबह कोलकाता के लाल बाजार पुलिस थाने से रिहा किया गया। रिहाई के बाद सुकांत मजूमदार ने कहा कि 'मुझे विरोध प्रदर्शन करने के लिए गिरफ्तार किया गया। इसके बाद पुलिस ने मुझे बेल बॉन्ड पर साइन करने के बाद रिहा करने की बात कही, लेकिन मैंने साइन करने से मना कर दिया और मैं 32 कार्यकर्ताओं के साथ लालबाजार थाने में ही रहा। जब सरकार की पुलिस सो रही हो तो किसी को तो जागना पड़ेगा। भाजपा ये काम कर रही है।

अगर मुझे बंगाल के लिए हजार बार भी गिरफ्तार होना पड़े तो मैं इसके लिए तैयार हूं।' कोलकाता के एक कॉलेज में छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले को लेकर बंगाल की राजनीति का पारा चढ़ा हुआ है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज की घटना के बाद अब एक बार फिर महिला सुरक्षा के मुद्दे पर सत्ताधारी ममता बनर्जी सरकार विपक्षी पार्टियों के निशाने पर है। वहीं टीएमसी नेताओं के बिगड़े बोल पार्टी के लिए और मुश्किल खड़ी कर रहे हैं। कल्याण बनर्जी के बाद पार्टी के विधायक मदन मित्रा ने भी घटना को लेकर संवेदनहीन बयान दिया है और दुष्कर्म की घटना के लिए पीड़िता को ही जिम्मेदार ठहरा दिया है। मित्रा ने इस वारदात पर शनिवार को कहा कि 'छात्रा ने यदि किसी को बताया होता कि वह कहां जा रही है, अपने साथ कुछ दोस्तों को ले गई होती, तो यह घटना नहीं होती। अपराध करने वाले लोगों ने स्थिति का फायदा उठाया।'

कहां गए सोनम रघुवंशी के बैग में रखे सोने-चांदी के जेवरात? राजा हत्याकांड में प्रॉपर्टी ब्रोकर का बड़ा खुलासा

इंदौर, 29 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड के मामले में शिलांग पुलिस इंदौर में लगातार जांच कर रही है। पिछले 6 दिनों की जांच में शिलांग पुलिस ने इंदौर से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया और अपने साथ इंदौर से शिलांग लेकर पहुंची। अब एक बार फिर शिलांग पुलिस इंदौर पहुंची।

इस बार पुलिस अपने साथ आरोपी प्रॉपर्टी ब्रोकर शिलोम जेम्स को भी लेकर पहुंची। प्रॉपर्टी ब्रोकर शिलोम जेम्स पर आरोप है कि उसी ने फ्लैट मालिक के कहने पर सोनम के बैग को फ्लैट से ठिकाने लगाया था और उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात समेत 50000 रुपये भी अपने पास रख लिए थे। जांच करते हुए पुलिस ने बैग में रखी पिस्तौल और 5 लाख रुपए तो जब्त कर लिए थे। लेकिन बैग में रखे हुए सोने-चांदी के जेवरात गायब थे। इसको लेकर जब शिलांग पुलिस ने प्रॉपर्टी ब्रोकर से सख्ती से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह जेवरात उसके घर में रखे हुए हैं। इसी के चलते शिलांग पुलिस प्रॉपर्टी ब्रोकर को एक बार फिर इंदौर लेकर पहुंची और आते ही सबसे पहले उसके घर पर दस्तक दी। इस दौरान घर में मौजूद महिलाओं से भी शिलांग पुलिस ने पूछताछ की। हालांकि पूछताछ में किसी तरह की कोई जानकारी सामने नहीं आई। अब अंदाजा लगाया जा रहा है कि प्रॉपर्टी ब्रोकर ने बैग में रखे हुए सोने-चांदी के जेवरात को रतलाम के किसी ज्वैलर्स को बेच दिए हैं। जेवरात में सोनम के कुछ सोने-चांदी के आभूषण और राजा रघुवंशी की चेन समेत बाकी चीजें थीं, जिन्हें बेचे जाने की बात सामने आ रही है। इसी के चलते अब शिलांग पुलिस प्रॉपर्टी ब्रोकर को रतलाम भी ले जा सकती है। इस घटना में जिस तरह से शिलांग पुलिस एक के बाद एक इंदौर में आकर जांच पड़ताल कर रही है। ऐसे में माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कुछ और आरोपियों को भी इंदौर से गिरफ्तार किया जा सकता है।

'सितंबर के बाद कर्नाटक की राजनीति में हो सकते हैं बड़े बदलाव'

मंत्री के बयान के बाद चर्चाएं शुरू

बंगलूरू, 29 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक के एक मंत्री ने कहा है कि सितंबर के बाद राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव हो सकते हैं। मंत्री के इस बयान के बाद चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। जब इस बारे में सीएम सिद्धारमैया से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इस बयान पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है।

गौरतलब है कि कर्नाटक में जब कांग्रेस की सरकार बनी थी, तब सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल सीएम बनने के फार्मूले पर सहमति बनने की खबरें सामने आईं थी। यही वजह है कि मंत्री के ताजा बयान ने फिर से इस बदलाव को हवा दे दी है। कर्नाटक सरकार में मंत्री केएन राजन्ना ने कहा कि 'जहां तक कर्नाटक और राष्ट्रीय राजनीति का सवाल है, सितंबर के बाद इनमें बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। हम कर्नाटक के लोग सिर्फ सीएम, राष्ट्रपति और कैबिनेट में बदलाव के बारे में ही सोचते हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर, ये भी ध्यान रखना चाहिए कि जो 75 साल के हो गए हैं, वे सार्वजनिक पद पर नहीं हो सकते। यह भाजपा और संघ की नीति है। इस नीति के तहत देश को नया प्रधानमंत्री भी मिल सकता है।'

महाराष्ट्र में हिंदी पर छिड़ी रार

कांग्रेस सांसद ने तीन भाषा नीति पर लगे आरोपों को नकारा

मुंबई, 29 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में तीन भाषा नीति को लेकर हंगामा जारी है। अब कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने महायुति सरकार के उन आरोपों को खारिज कर दिया है, जिनमें महायुति सरकार ने दावा किया है कि पूर्व की महाविकास अघाड़ी सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तीन भाषा नीति को स्वीकार किया था।

वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि महाराष्ट्र पर जबरन हिंदी थोपने को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

'हम हिंदी के खिलाफ नहीं

महाराष्ट्र की पूर्व स्कूल शिक्षा मंत्री और कांग्रेस सांसद वर्षा गायकवाड़ ने कहा कि 'हम हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हम महाराष्ट्र में इसे जबरन थोपने को स्वीकार नहीं करेंगे।' महाराष्ट्र में विपक्षी पार्टियां सरकार पर कक्षा एक से ही बच्चों पर हिंदी थोपने का आरोप लगा रही हैं।

दरअसल सरकार ने हाल ही में एक आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया कि राज्य के स्कूलों में अंग्रेजी और मराठी के साथ ही हिंदी भी तीसरी भाषा होगी, जो पहली कक्षा से पांचवीं तक पढ़ाई जाएगी।

शिवसेना यूबीटी ने अपने कार्यकर्ताओं से सरकार के इस प्रस्ताव का विरोध करने को कहा है। महाराष्ट्र में कल से विधानसभा सत्र शुरू होने जा रहा है, जिसमें भाषा के मुद्दे पर हंगामे के आसार हैं।

कांग्रेस ने सरकार के आरोपों को खारिज किया

हिंदी के बढ़ते विरोध के बीच महाराष्ट्र सरकार के मंत्री उदय सामंत ने शुक्रवार को कहा कि पहली कक्षा से हिंदी की पढ़ाई अनिवार्य करने की मंजूरी उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महाविकास अघाड़ी सरकार ने मंजूर की थी। इस पर पूर्व शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़ ने सफाई देते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी और उनके सहयोगी झूठ फैला रहे हैं। झूठ फैलाने की भी सीमा होती है। भाजपा व्यवस्थागत तरीके से मराठी भाषा को अपनी ही जमीन पर कमजोर करने में जुटी है।' गायकवाड़ ने ये भी दावा किया गया कि 'पूर्व की शिंदे सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को स्वीकार किया और इसके जरिए पीएम-श्री योजना के तहत केंद्र से फंड लिया, लेकिन अब राज्य में इसके असर दिखने लगे हैं।'

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, दो उग्रवादी गिरफ्तार गोला-बारूद बरामद

इंफाल, 29 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने एक बार फिर बड़ा ऑपरेशन चलाकर उग्रवादियों पर बड़ी कार्रवाई की है। राज्य के बिष्णुपुर और तेंगनौपाल जिलों से प्रतिबंधित संगठनों के दो सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा इंफाल ईस्ट जिले में एक बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। साथ ही तेंगनौपाल में भारत-म्यांमार सीमा के पास एक जिंदा बम को भी निष्क्रिय किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को बिष्णुपुर जिले के ओइनाम उषाखांगदाबी इलाके में छापेमारी कर कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबंगनबा गुट) का एक सक्रिय उग्रवादी पकड़ा गया। यह उग्रवादी लंबे समय से इलाके में संगठन के लिए काम कर रहा था। वहीं, तेंगनौपाल जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का एक सदस्य भी गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा, शुक्रवार को इंफाल ईस्ट जिले के नगारियान हिल के पास तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने हथियारों का जखीरा बरामद किया। इसमें एक राइफल, कई बंदूकें, जिंदा कारतूस और एक हैंड ग्रेनेड शामिल है।

'पर्यावरण के लिए विनाशकारी होगा'

सरिस्का टाइगर रिजर्व को लेकर केंद्र की योजना पर भड़के जयराम रमेश

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने राजस्थान के सरिस्का टाइगर रिजर्व की सीमाओं का फिर से पुनर्निधार्रण करने का प्रस्ताव पेश किया है। बाघ संरक्षण केंद्र की सीमाओं के पुनर्निर्धारण से सरिस्का में खनन का काम फिर से शुरू हो सकेगा। इसे लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की तीखी आलोचना की और चेताया कि यह कदम पर्यावरण के लिहाज से विनाशकारी साबित हो सकता है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में जयराम रमेश ने लिखा कि 'अलवर के निकट सरिस्का टाइगर रिजर्व पुनरुद्धार का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। अवैध शिकार नेटवर्क के कारण दिसंबर 2004 तक सरिस्का में बाघों की संख्या शून्य हो गई थी। इसने पूरे देश में हलचल मचा दी और अप्रैल 2005 में टाइगर टास्क फोर्स का गठन किया गया तथा मई 2005 में रणथंभौर टाइगर रिजर्व में विभिन्न राज्यों के मुख्य वन्यजीव वार्डनों के साथ डॉ। मनमोहन सिंह की बैठक हुई। इसके बाद दिसंबर 2005 में राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण तथा जून 2007 में वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो अस्तित्व में आया।'

'खनन का बाघों के आवास पर पड़ेगा प्रतिकूल असर'

कांग्रेस नेता ने लिखा कि 'इसके बाद पन्ना टाइगर रिजर्व के साथ-साथ सरिस्का में भी बाघों को स्थानांतरित करने की पहल की गई। कुछ विशेषज्ञों की ओर से संदेह जताने के बावजूद- और आज सरिस्का में बाघों की संख्या 48 के ऐतिहासिक उच्च स्तर पर है। लेकिन अब सरिस्का टाइगर रिजर्व की सीमा का फिर से निर्धारण होने वाला है। इससे बंद हो चुकी 50 खनन कंपनियां अपना परिचालन फिर से शुरू कर सकेंगी। बाघ अभयारण्यों में स्थानीय समुदायों की भागीदारी जरूरी है, लेकिन 50 खदानों (संगमरमर, डोलोमाइट, चूना पत्थर और मेसोनिक पत्थर) को फिर से खोलने का यह कदम बाघों के आवास पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा।' जयराम रमेश ने चेताया कि 'बाघों के महत्वपूर्ण आवास को नष्ट कर दिया जाएगा।

बफर क्षेत्र में उस नुकसान की भरपाई करना, सिर्फ कागजी समाधान है। यह विशेष रूप से बाघों की आबादी के लिए पारिस्थितिक रूप से विनाशकारी होगा। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री अलवर से हैं। राजस्थान के पर्यावरण मंत्री भी अलवर से हैं। सुप्रीम कोर्ट को ही इसमें दखल देना होगा क्योंकि उसके अपने निर्देशों का उल्लंघन किया जा रहा है।'

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
सोमवार, 30 जून, 2025 3

सुविचार
इंसान कहता है कि पैसा आये तो कुछ करूं, पैसा कहता है कि तू कुछ कर मैं आऊंगा...

तुम्मला ने केंद्र से हल्दी किसानों के कल्याण के लिए और कदम उठाने का आग्रह किया

निजामाबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने केंद्र सरकार से तेलंगाना में हल्दी किसानों के लाभ के लिए अतिरिक्त उपाय लागू करने का आग्रह किया है।

रविवार को निजामाबाद में हल्दी बोर्ड कार्यालय के शुभारंभ के बाद एक कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने कीमतों को स्थिर करने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि हल्दी किसान अपनी फसल न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेच सकें।

उन्होंने प्रस्ताव दिया कि हल्दी के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य स्थापित किया जाना चाहिए और मार्कफेड और नेफेड जैसे संगठनों के माध्यम से प्रत्यक्ष खरीद समाधान का सुझाव दिया। तुम्मला नागेश्वर राव ने प्रमुख हल्दी उत्पादक क्षेत्रों में सुखाने के प्लेटफॉर्म बनाने के लिए केंद्रीय निधि के आवंटन की भी वकालत की।

मंत्री ने कहा कि हल्दी किसानों को पॉलिशिंग और ग्रेडिंग मशीनें उपलब्ध कराने से उनका बाजार मूल्य बढ़ेगा। उन्होंने कहा, हल्दी क्षेत्र में विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए कृषि मंत्रालय के तहत एक उच्च स्तरीय समिति के साथ एक राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड की स्थापना की जानी चाहिए। इसके अलावा, हल्दी की खेती की मौजूदा स्थितियों का आकलन करने के लिए एक आधारभूत सर्वेक्षण आवश्यक है, और अगले पांच वर्षों के लिए एक रणनीतिक योजना विकसित की जानी चाहिए। मंत्री ने आंध्र प्रदेश की चार ग्राम पंचायतों को तेलंगाना में विलय करने की भी वकालत की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को संबोधित एक पत्र में, तुम्मला नागेश्वर राव ने भद्राचलम, यतापका, कन्नैगुडम, पिचुकलापडु और पुरुषोत्तमपट्टनम के आसपास के गांवों को फिर से तेलंगाना में शामिल करने का अनुरोध किया, जिन्हें 2014 के एपी पुनर्गठन अधिनियम के तहत आंध्र प्रदेश में शामिल किया गया था।

मेदक सांसद को संदिग्ध माओवादियों से दूसरी बार धमकी भरा फोन

संगारेड्डी, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक के सांसद एम रघुनंदन राव को रविवार को संदिग्ध माओवादियों की ओर से एक और धमकी भरा फोन आया, जबकि वह पैर की सर्जरी के बाद एक निजी अस्पताल में इलाज करा रहे थे। बताया जाता है कि सांसद को दो अलग-अलग फोन नंबरों से कॉल आए थे। माओवादी कार्यकर्ता होने का संदेह रखने वाले कॉल करने वाले ने चेतावनी दी कि रघुनंदन का पता लगाने और उसकी हत्या करने के लिए पांच टीमें तैनात की गई हैं। उन्होंने दावा किया कि टीमें आंध्र प्रदेश समिति के नेतृत्व के निर्देश पर काम कर रही हैं। कॉल करने वाले ने यह भी कहा कि पुलिस इन नंबरों का पता लगा सकती है क्योंकि इंटरनेट आधारित कॉलिंग सेवाओं का इस्तेमाल किया जा रहा है।

हाल के दिनों में रघुनंदन राव को मिली यह दूसरी ऐसी धमकी है। 23 जून को भी उन्हें इसी तरह की धमकी मिली थी, जिसके बाद उन्होंने संगारेड्डी के एसपी परितोष पंकज, मेदक के एसपी डॉ.एवी श्रीनिवास राव और पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेंद्र के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। रविवार की घटना के बाद रघुनंदन राव ने एक बार फिर पुलिस को सतर्क किया और नवीनतम कॉलों का विवरण उपलब्ध कराया।

हमारा विजन 'मेक इन इंडिया' से कहीं आगे : श्रीधर बाबू

मंत्री ने आईआईटीईएक्स 2025 के समापन सत्र में भाग लिया

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री श्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने कहा कि हमारा विजन 'मेक इन इंडिया' से कहीं आगे जाता है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, तेलंगाना की जनता की सरकार 'तेलंगाना में आविष्कार' पर केंद्रित है- एक साहसिक मिशन जो नवाचार-संचालित विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) द्वारा रविवार को एचआईटीईएक्स में आयोजित औद्योगिक नवाचार और प्रौद्योगिकी एक्सपो (आईआईटीईएक्स) 2025 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए, मंत्री ने वैश्विक नवाचार केंद्र में बदलने के लिए तेलंगाना के केंद्रित प्रयासों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में, तेलंगाना के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) ने 2.9 प्रतिशत की चक्रवृद्धि मासिक वृद्धि दर (सीएमजीआर) दर्ज की, जो राष्ट्रीय औसत 0.52 प्रतिशत से कहीं ज़्यादा है। उद्योग से राज्य का सकल राज्य मूल्य वर्धित (जीएसवीए) 2024-25 में 2.77 लाख करोड़ तक पहुंच गया। हमने बिजली की खपत में 15.6 प्रतिशत, जीएसटी संग्रह में 9.8 प्रतिशत और पेरोल नामांकन में 13.9 प्रतिशत की वृद्धि देखी- ये सभी मज़बूत औद्योगिक गति की ओर इशारा करते हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले 18 महीनों में, हमने 3 लाख करोड़ से अधिक का निवेश आकर्षित किया है, जिसमें अकेले जीवन विज्ञान क्षेत्र में 40,000 करोड़ शामिल हैं। हमने

150 नई परियोजनाएं शुरू की हैं, जिससे 51,000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और 1.5 लाख लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है, मंत्री ने कहा। औद्योगिक विकास को विकेंद्रीकृत और संतुलित करने के लिए, तेलंगाना भविष्य के शहर, एआई शहर, जीवन विज्ञान शहर और हरित औद्योगिक गलियारे विकसित कर रहा है, जो सभी अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन करते हैं।

विशेष ज़ोनिंग रणनीतियाँ भी चल रही हैं। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ़ पांच साल के लिए नीतियाँ नहीं बना रहे हैं- हम आने वाली पीढ़ियों के लिए भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। हमारा आर्थिक दृष्टिकोण तेलंगाना की अर्थव्यवस्था को 2035 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाना है, मंत्री ने घोषणा की। उन्होंने तेलंगाना राइजिंग 2047 विज़न में भागीदारी के लिए टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट का आभार व्यक्त किया, और कहा, राज्य के समावेशी विकास के लिए सहयोग करने के इच्छुक सभी हितधारकों के लिए हमारे दरवाज़े खुले हैं। मंत्री श्रीधर बाबू ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को मज़बूत करने के लिए सरकार के केंद्रित प्रयासों पर ज़ोर दिया, जो भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। पिछले 18 महीनों में ही तेलंगाना में 15,000 से ज़्यादा नए एमएसएमई स्थापित किए गए हैं। हमारा लक्ष्य तेलंगाना के जीएसडीपी में एमएसएमई के योगदान को 10 प्रतिशत तक बढ़ाना है, उन्होंने कहा। इसे हासिल करने के लिए, एक समर्पित एमएसएमई नीति तैयार की गई है और इसे सक्रिय रूप से लागू किया जा रहा है।

सरकार हर जिले में एमएसएमई पार्क भी विकसित कर रही है, जिसमें महिलाओं, एससी और एसटी उद्यमियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इस कार्यक्रम में एफटीसीसीआई के अध्यक्ष डॉ. सुरेश कुमार सिंघल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष आर. रवि कुमार, उपाध्यक्ष के.के. माहेश्वरी और आईआईटीईएक्स 2025 के संयोजक विमलेश गुप्ता समेत अन्य प्रमुख उद्योग जगत के नेता शामिल हुए।

हमें आप पर शासन करने का अवसर दें : केंद्रीय मंत्री बंडी संजय

निजामाबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के लोगों ने सभी राजनीतिक दलों को अपने ऊपर शासन करने का अवसर दिया है, इस बात को ध्यान में रखते हुए भाजपा नेता और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने राज्य के लोगों से अनुरोध किया है कि वे अपनी पार्टी को राज्य पर शासन करने का अवसर दें।

बंडी संजय ने कहा कि निजामाबाद जिले के लोग महान हैं और उन्होंने अपने अथक संघर्ष से हल्दी बोर्ड हासिल किया है। उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार किसानों की सरकार है और कहा कि उनका नारा किसान को राजा बनाना है।

प्रवेश में बाधा डालने के लिए बीआरएस नेताओं के खिलाफ मुकदमा

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स पुलिस ने रविवार को कई बीआरएस नेताओं के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए मामला दर्ज किया है। आरोप है कि शनिवार रात तेलंगाना भवन में बीआरएसवी अध्यक्ष गेलू श्रीनिवास यादव की गिरफ्तारी के दौरान पुलिसकर्मियों को उनके कर्तव्यों का निर्वहन करने से कथित तौर पर रोका गया। पुलिस कार्रवाई के दौरान कथित तौर पर हस्तक्षेप करने वालों में विधान परिषद में विपक्ष के नेता एस मधुसूदन चारी और पूर्व विधायक बाल्का सुमन सहित बीआरएस के वरिष्ठ नेता शामिल थे। रविवार को पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के बीच नए विधायक आवास में श्रीनिवास यादव के आवास पर तलाशी ली। बीआरएस लीगल सेल के सदस्यों और श्रीनिवास यादव का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत विभिन्न प्रावधानों का हवाला देते हुए आपत्ति जताई।

कांग्रेस देश में फोन टैप करने वाली पहली पार्टी है : आरएस प्रवीण कुमार

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के वरिष्ठ नेता आरएस प्रवीण कुमार ने सनसनीखेज टिप्पणी करते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस पार्टी देश में फोन टैपिंग शुरू करने वाली पहली पार्टी है। उन्होंने कहा कि यह अजीब है कि कांग्रेस के मंत्री और नेता आज बेशर्मी से फोन टैपिंग के मुद्दे पर बात कर रहे हैं। आरएस प्रवीण कुमार ने यहां तेलंगाना भवन में मीडियाकर्मियों से बात की। भाजपा सांसद कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी पर निशाना साधते हुए, जिन्होंने दावा किया कि उनका फोन भी बीआरएस सरकार द्वारा टैप किया गया था, उन्होंने आश्चर्य जताया कि उनका फोन कौन टैप करेगा? उन्होंने पुलिस से हैदराबाद पुलिस आयुक्तालय में एक प्रेस वार्ता आयोजित करने और लोगों को फोन टैपिंग मामले के बारे में जानकारी देने को कहा। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम रेवंत, जो राज्य के गृह मंत्री के रूप में एक जिम्मेदार पद पर हैं, व्यक्तिगत रूप से मीडिया के एक हिस्से को झूठे लेखन, पागल अफवाहों और केसीआर और केटीआर जैसे बीआरएस पार्टी नेताओं के खिलाफ फर्जी लीक के साथ भड़का रहे हैं और फोन टैपिंग मामले में उनका नाम बदनाम कर रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ नए चैनल, कुछ अन्य समाचार संगठनों और यूट्यूब चैनलों के साथ मिलकर अपने पार्टी नेताओं के खिलाफ अंधाधुंध झूठ फैला रहे हैं। आरएस प्रवीण कुमार ने मांग की कि पुलिस उन सभी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि पुलिस, जिसने रेवंत के आदेश पर बीआरएसवी नेता गेलू श्रीनिवास के खिलाफ अवैध मामले बनाए हैं, उसके खिलाफ स्वत: संज्ञान मामला दर्ज करना चाहिए, जिसने तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री केसीआर और उनकी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर के खिलाफ अंधाधुंध, अश्लील और घृणित खबरें फैलाई हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि जब शनिवार को उनकी पार्टी के नेता पुलिस के पास गए तो पुलिस उसके खिलाफ उनकी शिकायत लेने में अनिच्छुक थी। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस को संवैधानिक तरीके से और राजनीति से परे जाकर कार्रवाई करनी चाहिए और कहा कि पुलिस को जनता के मुद्दों की रक्षा करनी चाहिए। आर.एस. प्रवीण कुमार ने पूछा, आज पुलिस एक चोर की बातें सुनकर घिनौनी भूमिका निभा रही है, जो वोट के बदले पैसे के मामले में कैमरे के सामने रंगे हाथों पकड़ा गया और जिसका आपराधिक इतिहास 80-90 मामलों का है। क्या यह सच नहीं है कि रेवंत रेड्डी सरकार अपने ही सरकार के मंत्रियों पोंगुलेटी और कोंडा सुरेखा के साथ-साथ विधायकों के फोन भी टैप कर रही है।

21वीं क्षेत्रीय एसआईपी प्रोडिजी प्रतियोगिता में 3,100 बच्चों ने हिस्सा लिया

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद के पास क्लासिक कन्वेंशन-3 में रविवार सुबह आयोजित 21वीं तेलंगाना क्षेत्रीय एसआईपी प्रोडिजी प्रतियोगिता 2025 में 6 से 12 वर्ष की आयु के रिकॉर्ड 3,100 बच्चों ने हिस्सा लिया।

बाल कौशल विकास संगठन एसआईपी एबैकस द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मानसिक चपलता और शैक्षणिक उत्कृष्टता का जश्न मनाया गया। एसआईपी प्रोडिजी एक वार्षिक एबैकस और मानसिक अंकगणित प्रतियोगिता है। प्रत्याशा और उत्साह से भरे माहौल में, बच्चों ने अपने एबैकस-संचालित मानसिक गणित कौशल का प्रदर्शन करते हुए केवल 11 मिनट में 200 से अधिक अंकगणितीय समस्याओं को हल करने का प्रयास किया। प्रतियोगिता दो राउंड में आयोजित की गई थी, जिसमें प्रत्येक सत्र में 1,550 छात्र प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

इस प्रतियोगिता के क्षेत्रीय विजेता नवंबर 2025 में चेन्नई में आयोजित होने वाली अंतर्राष्ट्रीय प्रोडिजी चैंपियनशिप में तेलंगाना का प्रतिनिधित्व करेंगे, जहां 23 भारतीय राज्यों और 11 देशों के 5,000 से अधिक बच्चों के प्रतिस्पर्धा करने की उम्मीद है। 300 छात्रों के लिए एक दीक्षांत समारोह भी आयोजित किया गया, जिन्होंने प्रतिष्ठित ग्रैंड मास्टर स्तर को पूरा किया, जो एसआईपी एबैकस प्रशिक्षण का सबसे उन्नत चरण है।

मृतक अकाउंटेंट के परिवार को सौंपी गई आर्थिक सहायता

कुमराम भीम आसिफाबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर (टी) के पूर्व विधायक कोनेरू कोनप्पा के समर्थकों और अनुयायियों ने थुम्मिडी राजशेखर (23) के परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए दान के माध्यम से 2.75 लाख रुपये जुटाए, जो एक अकाउंटेंट थे, जिन्होंने कथित तौर पर अपने नियोक्ता द्वारा उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर ली थी। राजशेखर पेंचिकलपेट मंडल के अगरगुडा गांव के रहने वाले थे। पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष कोनेरू कृष्ण राव और कोनेरू चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कोनेरू वामशी ने रविवार को आगरगुडा में शोक संतप्त परिवार को अतिरिक्त 1 लाख रुपये के साथ वित्तीय सहायता सौंपी।

राजशेखर के लिए न्याय की मांग को लेकर हुए प्रदर्शन के दौरान कोनप्पा ने परिवार को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की थी। उन्होंने राजशेखर को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में व्यापारी राचकोंडा कृष्णा और उनकी पत्नी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की। बताया जाता है कि कृष्णा द्वारा मौखिक रूप से दुर्व्यवहार किये जाने के बाद राजशेखर ने अपमानित महसूस करते हुए 23 जून की शाम को अपने गांव में कीटनाशक पी लिया। पहले उसे कागजनगर के एक अस्पताल में ले जाया गया और बाद में करीमनगर के एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां 24 जून की शाम को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

25 जून को पेंचिकलपेट मंडल मुख्यालय के निवासी राचकोंडा कृष्णा को राजशेखर को 10,000 रुपये के कर्ज की अदायगी को लेकर परेशान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। राजशेखर के परिवार की शिकायत के आधार पर कृष्णा के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया।

सोमशिला नदी में एक इंजीनियर की डूबने से मौत

नागर कर्नूल, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार को सोमसिला में कृष्णा नदी में एक सॉफ्टवेयर कर्मचारी डूब गया। मृतक की पहचान आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले के मूल निवासी भरत के रूप में हुई है। हैदराबाद में रहने वाले और आईटी सेक्टर में काम करने वाले भरत सोमशिला घूमने आए थे और नदी में लापरवाही से उतरे। हालांकि, शुरूआती रिपोर्टों के मुताबिक, माना जा रहा है कि वह दुर्घटनावश डूब गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किशन रेड्डी ने रेवंत रेड्डी से पीएम मोदी से विकास के बारे में सीखने को कहा

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और सिकंदराबाद के सांसद जी. किशन रेड्डी ने सीएम रेवंत रेड्डी के इस आरोप पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है कि केंद्र की मोदी सरकार तेलंगाना राज्य के विकास के लिए बिल्कुल भी सहयोग नहीं कर रही है।

रविवार को मीडियाकर्मियों से बात करते हुए किशन रेड्डी ने सुझाव दिया कि सीएम रेवंत रेड्डी को प्रधानमंत्री मोदी से मिलना चाहिए और पता लगाना चाहिए कि विकास का क्या मतलब है? उन्होंने स्पष्ट किया कि वे केंद्र सरकार द्वारा तेलंगाना के लिए किए गए विकास पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं और सीएम से पूछा कि क्या वे इसके लिए तैयार हैं?

उन्होंने सीएम रेवंत रेड्डी से राजनीति के लिए निराधार

टिप्पणियां न करने को कहा। उन्होंने दावा किया कि मेट्रो रेल डीपीआर पिछले सप्ताह ही केंद्र को दी गई थी और कहा कि केंद्र मेट्रो रेल परियोजना की व्यवहार्यता की जांच करेगा। रेड्डी ने कहा कि वे केवल तेलंगाना के लोगों के लिए काम करेंगे, सीएम रेवंत रेड्डी और कांग्रेस पार्टी के लिए नहीं।

रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष पद के बारे में मंगलवार को स्पष्टता आएगी। उन्होंने कहा कि सोमवार को नामांकन दाखिल किए जाएंगे और मंगलवार को नए अध्यक्ष पद की घोषणा की जाएगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि वे चाहते हैं कि प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव सर्वसम्मति से हो।

केसीआर, केटीआर के खिलाफ झूठी मीडिया रिपोर्ट बर्दाश्त नहीं करेंगे : जगदीश रेड्डी

सूर्यपेट, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी ने आज इस बात पर नाराजगी जताई कि कुछ लोग समाचार मीडिया की आड़ में बूचड़खाने चला रहे हैं। उन्हें इस बात पर गुस्सा है कि बीआरएस पार्टी के अध्यक्ष केसीआर और पूर्व मंत्री केटीआर की शख्सियत को नुकसान पहुंचाने के लिए हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मीडिया की आड़ में केसीआर के समर्थकों पर हमला किया गया तो वे चुप नहीं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि वे मीडिया के हमलों को अब और बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सूर्यपेट में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने कांग्रेस पार्टी पर मीडिया की आड़ में केसीआर और केटीआर के खिलाफ झूठा प्रचार करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे डेढ़ साल से मीडिया को बाधित करके पूर्व सीएम केसीआर के खिलाफ साजिश रच रहे थे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें परेशान करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा और कहा कि भविष्य में चंद्रबाबू और रेवंत रेड्डी को देखकर मुस्कुराने वालों को कोई नहीं बचा पाएगा और कहा कि वे अपनी योजना के अनुसार बीआरएस पार्टी के खिलाफ बुरे काम कर रहे हैं। उन्होंने मीडिया पर केसीआर के खिलाफ द्वेष रखने का आरोप लगाया क्योंकि वे तेलंगाना को आंध्र प्रदेश से अलग करने के लिए जिम्मेदार थे।

रेलवे पुलिस ने नाकाम की विशाखा एक्सप्रेस में डकैती की कोशिश

अमरावती, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे पुलिस ने रविवार तड़के आंध्र प्रदेश के पालनाडु जिले में विशाखा सुपर-फास्ट एक्सप्रेस में डकैती को नाकाम करने के लिए हवा में गोलियां चलाईं। यह घटना पिदुगुराल्ला मंडल के तम्मुलाचेरवु के पास सुबह करीब 3 बजे हुई। अज्ञात लुटेरों के एक गिरोह ने ट्रेन के कई डिब्बों को निशाना बनाने की कोशिश की, जो भुवनेश्वर से सिकंदराबाद जा रही थी। ट्रेन में सवार राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के सतर्क कर्मियों ने लुटेरों को पकड़ने की कोशिश की लेकिन लुटेरों ने पुलिस कर्मियों पर पत्थरों से हमला कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने गोलियां चलानी शुरू कर दीं। पुलिस ने हवा में कम से कम 10 राउंड फायरिंग की, जिससे लुटेरों को ट्रेन से कूदकर अंधेरे में भागना पड़ा।

जीआरपी, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जिला पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है। एस1 कोच में दो लुटेरों ने ट्रेन रोकने के लिए चेन खींची। उन्हें देखकर जीआरपी कर्मियों ने उन्हें काबू करने की कोशिश की लेकिन, पटरियों के पास इंतजार कर रहे गिरोह के अन्य सदस्यों ने पथराव किया, जिसके बाद जीआरपी कर्मियों को फायरिंग करनी पड़ी। यात्रियों ने रेलवे पुलिस के समय पर हस्तक्षेप पर राहत व्यक्त की, जिससे एक बड़ी डकैती टल गई। पुलिस को संदेह है कि करीब 7 लुटेरों ने यात्रियों को लूटने का प्रयास किया। माना जा रहा है कि वे इस क्षेत्र में ट्रेन डकैती करने वाले गिरोह का हिस्सा हैं। अधिकारियों का कहना है कि बिहार और महाराष्ट्र के गिरोह इस क्षेत्र में सक्रिय हैं।

एक हफ़्ते में यह तीसरी ट्रेन डकैती है। लगातार हो रही डकैती ने इस क्षेत्र में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। दो दिन पहले, चोरों ने पिदुगुराल्ला के पास चेन खींचकर विशाखा-चारलापल्ली स्पेशल ट्रेन की एस4 बोगी में यात्रियों को लूटने की कोशिश की थी। रेलवे पुलिस ने चेतावनी देते हुए गोलियां चलाईं, जिससे लुटेरे भागने पर मजबूर हो गए। 26 जून को एक हथियारबंद गिरोह ने रेलवे सिग्नल सिस्टम में छेड़छाड़ करके चामराजनगर-तिरुपति एक्सप्रेस को रोक दिया और दो डिब्बों में यात्रियों से लूटपाट की। यह लूट चित्तूर जिले के सिद्दमपल्ली रेलवे स्टेशन के पास की गई थी।

हालांकि मार्ग साफ हो चुका था, लेकिन सिग्नल सिद्दमपल्ली स्टेशन से 350 मीटर आगे रुकने का संकेत दे रहा था। रेलवे अधिकारियों द्वारा की गई जांच से पता चला कि लुटेरों ने तार काट दिए थे और सिस्टम में हेराफेरी करके लाल सिग्नल दिखा दिया था।

गिरोह ने एस-7 और एस-10 स्लीपर कोच में प्रवेश किया, आभूषण पहने महिला यात्रियों की पहचान करने के लिए टॉर्च का इस्तेमाल किया और फिर एक दूसरे के ऊपर चढ़कर खिड़कियों तक पहुंच गए और चार सो रही महिलाओं से सोने की चेन छीन ली। चोरी किए गए आभूषणों का वजन करीब 65 ग्राम था। ट्रेन में मौजूद रेलवे पुलिस कर्मियों ने अलार्म बजाया, लेकिन लुटेरे यात्रियों को लूटने के बाद अंधेरे में भाग गए।

राहुल को आरएसएस की शाखा में जाना चाहिए

हम इसकी व्यवस्था कर देंगे- प्रमोद कृष्णम का तंज

संभल, 29 जून (एजेंसियां)। संभल में आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा, कुछ कांग्रेसी कहते हैं कि राहुल गांधी को कांग्रेस की कमान सौंपना भी एक साजिश का हिस्सा है। विदेशी ताकतों के प्रभाव में आकर यह फैसला लिया गया था। यह कांग्रेस के नेता मानते हैं। जहां तक आरएसएस का सवाल है तो राहुल गांधी जी को एक महीने आरएसएस की शाखा में जाना चाहिए। उन्हें अगर यह बात छिपानी है तो हम लोग व्यवस्था कर देंगे। जो राहुल गांधी महात्मा गांधी को नहीं समझते, पंडित नेहरू को नहीं समझते, इंदिरा गांधी को नहीं समझते, यहां तक कि राजीव गांधी को नहीं समझ पाए वह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को क्या समझेंगे। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पूरे राष्ट्र की बात करता है किसी जाति, राज्य, वर्ग और धर्म की बात नहीं करता। आरएसएस राष्ट्र के निर्माण में लगा है। इसकी सराहना पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भी की थी। दुर्भाग्य की बात है कि राहुल के नेतृत्व में कांग्रेस नेहरू और इंदिरा गांधी के रास्ते से भटक गई है।

राष्ट्रपति आज आयुष यूनिवर्सिटी का करेंगी उद्घाटन

गोरखपुर, 29 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 30 जून सोमवार को दो दिवसीय दौरे पर गोरखपुर आ रही हैं। अनुमानतः वह 30 घंटे तक शहर में रहेंगी। इस दौरान तीन मुख्य कार्यक्रमों में शामिल होंगी। सोमवार की रात राष्ट्रपति के डिनर और मंगलवार की दोपहर लंच का इंतजाम गोरखनाथ मंदिर में होगा। भोजन पूर्णतः शाकाहारी रहेगा।

एम्स में एमबीबीएस के पहले बैच के दीक्षांत समारोह में होंगी शामिल

राष्ट्रपति सोमवार को दोपहर लगभग 12:30 बजे बरेली से आकर गोरखपुर में लैंड करेंगी। उनके साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी होंगे। राष्ट्रपति का काफिला एयरपोर्ट से सर्किट हाउस पहुंचेगा। यहीं से वह दोपहर बाद अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जाएंगी। वहां एमबीबीएस पहले बैच के दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। यह कार्यक्रम 4:30 से 5:30 बजे होगा। एम्स से सर्किट हाउस आने के बाद वह शाम 7 बजे वापस गोरखनाथ मंदिर पहुंचेंगी। वहां डिनर करने के बाद वापस सर्किट हाउस आएंगी। इसके बाद वह सर्किट हाउस में ही रात्रि विश्राम करेंगी।

कल करेंगी यूपी के पहले आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण

राष्ट्रपति 1 जुलाई को सर्किट हाउस से लगभग 10 बजे आयुष विश्वविद्यालय के लिए रवाना होंगी। सर्किट हाउस से उसकी दूरी लगभग 31 किलोमीटर है। राष्ट्रपति का काफिला सड़क मार्ग से वहां पहुंचेगा।

आयुष विश्वविद्यालय में सुबह 11:30 से दोपहर 12:30 बजे तक लोकार्पण कार्यक्रम रखा गया है। लोकार्पण करने के बाद वह लोगों से बात करेंगी। कार्यक्रम खत्म होने के बाद वह बांसस्थान, मलंगस्थान, महराजगंज, सरहरी होते हुए बालापार के रास्ते गोरखनाथ मंदिर पहुंचेंगी।

गोरखनाथ मंदिर में करेंगी लंच, शाम छह बजे दिल्ली के लिए रवाना

राष्ट्रपति एक जुलाई की दोपहर में गोरखनाथ मंदिर में ही लंच करेंगी। लंच करने के बाद वह सर्किट हाउस पहुंचेंगी। यहां थोड़ी देर आराम करने के बाद महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय सोनबरसा के लिए रवाना होंगी। यहां 4:30 से 5:30 बजे के बीच आडिटोरियम का लोकार्पण करेंगी। कुछ परियोजनाओं का शिलान्यास भी होगा। राष्ट्रपति एक जुलाई को शाम 6 बजे के बाद दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद वह सर्किट हाउस आएंगी। यहां से एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगी।

पथ निर्माण विभाग की गाड़ी ने बुजुर्ग को कुचला, मौत

नालंदा, 29 जून (एजेंसियां)। नालंदा में रविवार की सुबह सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मामला हरनौत थाना क्षेत्र अंतर्गत अलीपुर गांव के पास का है। मृतक की पहचान अलीपुर के रहने वालेव रामचंद्र प्रसाद (65) के रूप में की गई है। हादसा हरनौत-गोनावां मुख्य रास्ते पर हुआ है। रामचंद्र प्रसाद पोआरी गांव साइकिल से दूध देने गए थे। जहां से लौटकर वह घर आ रहें थे। तभी सड़क पार करने के दौरान हरनौत की तरफ से आ रही पथ निर्माण विभाग की गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। इस हादसे में बुजुर्ग की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि, गाड़ी बेकाबू होकर सड़क किनारे खाई में चली गई। हादसे के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने ब्रेकर और मुआवजे की मांग को लेकर सड़क को जाम कर दिया। जिससे आवाजाही बाधित हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि अलीपुर गांव के पास सड़क ढलान लेती है।

'अच्छी क्वालिटी की बनानी है रील'

दो लड़कों ने युवक का छीना आईफोन, फिर रेत दिया गला; मौत

बहराइच, 29 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले से हत्या का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जिले के नगौर गांव में दो नाबालिगों ने एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी। फिर उसके सिर को ईंट से कुचल दिया। मृतक युवक नाम शादाब बताया जा रहा है। उसकी आयु 19 साल थी। आरोपियों ने शादाब की हत्या इसलिए कि ताकि वो उसका आईफोन चुराकर उच्च गुणवत्ता वाली रील बना सकें। पुलिस ने दोनों नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया और जांच शुरू कर दी है। दोनों को शनिवार को हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए दोनों नाबालिग 14 और 16 साल के हैं। जानकारी के अनुसार, ये घटना 20 जून की रात की है। 20 जून की रात शादाब अचानक लापता हो गया था। अगले दिन उसका शव गांव के बाहर मिला। शादाब का गला चाकू से रेता गया था और उसके सिर पर ईंट से वार किया गया था।

बिहार में फिर लौट आएगा जंगलराज

आरजेडी पर चिराग पासवान का तंज, कहा- लालू राज की सच्चाई

पटना, 29 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता 1990 के दशक के जंगलराज को दोबारा नहीं लाएगी। हाजीपुर में पासवान ने कहा कि उस दौर की यादें आज भी बिहारियों के जेहन में ताजा हैं, जब आरजेडी और उनके परिवार ने बिहार को प्रताड़ित किया था।

उन्होंने युवा और पहली बार मतदान करने वाले वोटरों से उस दौर की सच्चाई को समझने की अपील की। पासवान ने कहा, '1990 का वो दशक, जब आरजेडी और उनके परिवार ने बिहार को बर्बाद किया, वो यादें हर उस बिहारी के जेहन में हैं, जिन्होंने उस प्रताड़ना को झेला।' उन्होंने 2005 के बाद जन्मे युवाओं को उस समय की स्थिति के बारे में बताने की जरूरत पर बल दिया। पासवान ने आरजेडी पर बिहारियों को पलायन के लिए मजबूर करने और राज्य को तबाह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पहली बार वोट देने वाले युवाओं को यह जानना जरूरी है कि उस दौर में बिहार की क्या हालत थी।

आरजेडी के मुख्यमंत्री उम्मीदवार की घोषणा पर तंज कसते हुए पासवान ने कहा कि यह उनके गठबंधन की आंतरिक बात है, लेकिन अंत में बिहार की जनता ही तय करेगी कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा। उन्होंने दावा किया कि जनता आरजेडी को चुनकर जंगलराज की वापसी नहीं होने देगी। पासवान ने आपातकाल की तुलना करते हुए कहा कि जैसे देश को इमरजेंसी की सच्चाई बताना जरूरी है, वैसे ही बिहार के जंगलराज का इतिहास भी युवाओं को बताना जरूरी है। वोटर लिस्ट को अपडेट करने की प्रक्रिया पर विपक्ष के सवालों को खारिज करते हुए पासवान ने कहा कि यह एक नियमित प्रक्रिया है, जिसे समय-समय पर अपनाया जाता है। उन्होंने विपक्ष पर हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देने का आरोप लगाया। पासवान ने कहा, 'विपक्ष का किसी भी व्यवस्था या संस्थान पर भरोसा नहीं बचा। यह एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसमें कोई फर्जीवाड़ा नहीं होता।' उन्होंने विपक्ष पर देश को अराजकता की ओर ले जाने का भी आरोप लगाया। पासवान ने महागठबंधन की हार का दावा करते हुए कहा कि विपक्ष अब हार के बहाने ढूंढ रहा है। 'अगर विपक्ष सामान्य प्रक्रियाओं को भी संदेह की नजर से देखता है, तो यह साफ है कि उन्होंने अपनी हार मान ली है।' पासवान ने जोर देकर कहा कि बिहार की जनता जंगलराज को दोबारा नहीं लाएगी।

बीजेपी नेता को सपाइयों ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

बदायूं, 29 जून (एजेंसियां)। बदायूं में भाजपा नेता को सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा गया है। आरोप है कि भाजपा नेता सैलून में बाल कटवा रहे थे, तभी सपाई वहां पहुंचे। उन्होंने पहले गाली-गलौज की, फिर कॉलर पकड़कर खींचते हुए सैलून से बाहर ले आए और दौड़ा-दौड़ाकर पीटने लगे। सपाइयों से खुद को छुड़ाने में भाजपा नेता गिर पड़े।

फिर सपाइयों ने उनका पैर पकड़कर 20 मीटर घसीटा। सिर को सड़क में भिड़ा दिया। गला दबाकर मारने का भी प्रयास किया। किसी तरह वहां मौजूद लोगों ने उनकी जान बचाई। पूरा मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव सिद्धपुर कैथोली का है। यहां के निवासी चेतेनंद्र भाजपा के बूथ अध्यक्ष हैं। घटना 21 जून की है, लेकिन वीडियो शनिवार देर शाम सामने आया। भाजपा नेता का कहना है- 21 जून को गांव में भाजपा की एक बैठक आयोजित हुई थी, जिसमें उन्होंने भाजपा की रीति-नीति के बारे में लोगों को अवगत कराया था। इससे सपाई चिढ़ गए थे। इसके बाद उन्होंने मुझे पीटा। पुलिस ने दबंग सपाइयों के खिलाफ सिर्फ शांतिभंग में कार्रवाई कर मामले को रफा-दफा कर दिया।

बागमती नदी के कटाव से 30 परिवार में दहशत

समस्तीपुर, 29 जून (एजेंसियां)। मानसून शुरू होते ही नेपाल से निकलकर सीतामढ़ी के रास्ते समस्तीपुर पहुंचने वाली बागमती नदी ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। कल्याणपुर प्रखंड के नामापुर गांव में पिछले 12 दिनों के दौरान नदी की धारा ने करीब 30 फीट भूमि का कटाव किया है।

नापापुर पंचायत के वार्ड-7 के घरों से मात्र 20 मीटर की दूरी पर नदी का बहाव पहुंच गया है। अगर जल्द प्रोटेक्शन काम शुरू नहीं हो पाया तो इस वार्ड के दर्जनों घर व मुख्य सड़क नदी में विलीन हो जाएंगे। गांव के छेदी सहनी नदी की ओर इशारा करने हुए बताते हैं कि करीब 10 साल पहले बागमती की धारा में उनका पुस्तैनी घर विलीन हो गया था। जहां घर में बच्चे खेलते थे, घर का खाना बनता था, वो जगह अब नदी में समा गई है। पुस्तैनी घर विलीन होने के बाद ढाई लाख रुपए में एक कठ्ठा जमीन खरीद का मकान बनाया। अब एक बार फिर से नदी की धारा कटाव करती हुई घर से महज 20 मीटर दूर पहुंच गई है।

अब कटाव हुआ तो गांव ही छोड़ना पड़ेगा। नामापुर के छेदी सहनी ही एक अकेले नहीं है जिनके घर पर कटाव का खतरा मंडरा रहा है। इनके अलावा निवास राय, शंभू राय, कैलाश राय, अमरेश ठाकुर, चंचल राय जैसे 30 से अधिक घर नदी के निशाने पर हैं, जो कभी भी नदी में कटाव की भेंट चढ़ सकती है।

बीजेपी नेता ने खुद ही तोड़ी अपनी 70 साल पुरानी 5 पैतृक दुकानें

संभल, 29 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के संभल में बीजेपी नेता ने खुद ही अपनी पांच दुकानों को तोड़ दिया। बीजेपी नेता का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह खुद हथौड़ा लेकर एक दुकान तोड़ते दिखाई दे रहे हैं। संभल में इन दिनों लोक निर्माण विभाग अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहा है और सभी अवैध निर्माण नोटिफाई कर गिराए जा रहे हैं। हयात नगर-बहजोई मार्ग पर बीजेपी के जिला मंत्री जयप्रकाश गुप्ता की पांच दुकानें भी अवैध तरीके से बनी थीं।

ऐसे में उन्होंने नोटिस मिलने के बाद प्रशासन की कार्रवाई से पहले ही अपनी दुकानें तोड़ दीं। लोक निर्माण विभाग ने हयात नगर-बहजोई मार्ग पर 22 दुकानों और भवनों को पहले ही अतिक्रमण की सूची में डालकर नोटिस जारी कर दिया था। इनमें पांच दुकानें बीजेपी नेता की थीं, जिन्हें उन्होंने तोड़ दिया है। बीजेपी के जिला मंत्री जयप्रकाश गुप्ता की पांच दुकानें थी। ये पैतृक दुकानें 70 साल पुरानी थीं। हालांकि, जब पीडब्ल्यूडी विभाग ने इन दुकानों को अवैध निर्माण के रूप में सूचित किया तो बीजेपी नेता ने प्रशासनिक कार्रवाई से पहले खुद ही मजदूरों की मदद से अपनी करीब 70 साल पुरानी पैतृक दुकानों को तोड़ना शुरू कर दिया। ऐसे में सवाल यह उठ रहा है कि अगर ये दुकानें अवैध निर्माण थीं तो प्रशासन ने 70 सालों में इन दुकानों के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की।

बीजेपी नेता ने बताया कि उनकी दुकानों को छह फीट तक तोड़ने के आदेश थे। पांचों दुकानें 12-12 फीट तक थीं। अब सड़क चौड़ी करने के लिए सभी दुकानों से 6-6 फीट जमीन चली गई है। उन्होंने प्रशासन के आदेश का पालन करते हुए दुकानें तोड़ दी हैं। इससे पहले यूपी सरकार की माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने संभल जिले के चंदौसी में घर के बाहर अपने पिता की दुकान तोड़कर संदेश दिया था कि भले ही वह सरकार का हिस्सा हैं, लेकिन नियमों से बंधी हुई हैं और प्रशासन के आदेश का पालन कर रही हैं।

विश्वविद्यालय के दलित छात्रों के लिए चिंतित हैं मायावती, सीएम योगी से की खास अपील

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अलीगढ़ के राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय से संबद्ध कई जिलों के हजारों एससी/एसटी वर्ग के छात्रों और छात्राओं की लंबित छात्रवृत्ति को लेकर गंभीर चिंता जाहिर की है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सरकारी स्तर पर छात्रवृत्ति का समय पर निपटारा न होने से इन छात्रों का भविष्य खतरे में पड़ गया है, जिससे लोगों में भारी बेचैनी और आक्रोश व्याप्त है। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा-राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़ से सम्बद्ध कई जिलों के दर्जनों कालेजों के हजारों एससी/एसटी वर्ग के छात्र व छात्राओं की छात्रवृत्ति का सरकारी स्तर पर अब तक सही से समय पर निपटारा नहीं होने के कारण उनके भविष्य के अधर में लटकने के खतरे से लोगों में भारी बेचैनी व आक्रोश व्याप्त है। पूर्व सीएम मायावती ने लिखा- प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय व जिला प्रशासन द्वारा भी इस सम्बंध में बार-बार पत्राचार के बावजूद लखनऊ स्थित समाज कल्याण विभाग स्तर पर असंवेदनशीलता व लापरवाही बरतने का परिणाम है कि लगभग 3,500 दलित छात्र व छात्राओं के शिक्षण जीवन पर भारी खतरा मंडरा रहा है। चूँकि मुख्यमंत्री के विशेष प्रयासों से ही अलीगढ़ का उक्त विश्वविद्यालय स्थापित हुआ है,

इसके सुचारु संचालन में भी सही रूचि लेकर खासकर हजारों दलित छात्र/छात्राओं की इस गंभीर समस्या का समाधान वे तत्काल जरूर निकालेंगे, ऐसी उम्मीद। हाल ही में मायावती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में साफ तौर पर कहा था कि आरक्षण संबंन्धी अनेकों मामले देश के दलितों, आदिवासियों व अन्य पिछड़े वर्गों के लोगों के सामने अभी भी ताजा हैं। जिससे स्पष्ट तौर पर इन वर्गों के साथ-साथ जन व देशहित भी प्रभावित होता है और देश की ज्वलन्त समस्यायें जनता को दुखी एवं त्रस्त व उनके जीवन को लगातार लाचार और कष्टदायी बनाती रहती हैं।

मासूम भतीजी के साथ रेप के बाद मर्डर, बगीचे से आम लाने गई थी

गोंडा, 29 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के कौड़िया क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक आठ वर्षीय मासूम बच्ची, जो सुबह-सुबह आम बीनने के लिए बगीचे गई थी, अपने ही सगे चाचा की हैवानियत का शिकार हो गई। बच्ची के साथ न केवल रेप किया गया, बल्कि उसकी बेरहमी से हत्या कर शव को टेढ़ी नदी के किनारे झाड़ियों में फेंक दिया गया। इस घटना से गांव में आक्रोश है। सुबह, करीब आठ बजे, मासूम अपनी मां से आम बीनने की बात कहकर घर से निकली थी। उसकी मासूमियत भरी हंसी और नन्हे कदम गांव के बगीचे की ओर बढ़े, लेकिन वह नहीं जानती थी कि यह उसकी आखिरी सैर होगी।

जब घंटों बीत गए और बच्ची घर नहीं लौटी, तो मां का दिल बेचैन हो उठा। परिवार और पड़ोसियों ने मिलकर उसकी तलाश शुरू की। करीब डेढ़ किलोमीटर दूर टेढ़ी नदी के किनारे झाड़ियों में बच्ची का खून से लथपथ शव मिला। उसके नन्हे शरीर पर गहरे चोट के निशान थे, जो उसकी पीड़ा और हैवानियत की कहानी बयां कर रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही गोंडा पुलिस हरकत में आ गई।

सीएम योगी की घोषणा

प्रदेश के हर पौधे की होगी जियो टैगिंग एक्सप्रेववे के किनारे बनेगी ग्रीन लैंड

लखनऊ, 29 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में जुलाई में आयोजित होने जा रहे वन महोत्सव को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। सीएम ने निर्देश दिए कि इस अभियान को प्रदेशव्यापी जनांदोलन का रूप दिया जाए। वृक्षारोपण महाभियान-2025 का लोगो जारी करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार हम एक दिन में प्रदेश की कुल जनसंख्या से भी अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। एक पेड़ मां के नाम थीम पर आधारित यह वृक्षारोपण महाअभियान प्रदेश को हीटवेव से ग्रीनवेव की ओर ले जा रहा है। योगी ने कहा कि 2017 से 2024 के बीच प्रदेश में 204.92 करोड़ से अधिक पौधे रोपे जा चुके हैं और भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून की रिपोर्ट के अनुसार 2017 से 2023 के बीच उत्तर प्रदेश के हरित आवरण में ऐतिहासिक रूप से तीन लाख एकड़ की वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन महोत्सव की अवधि में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात शिशु को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट प्रदान किया जाए। शिशु के अभिभावकों को एक पौधा भी भेंट किया जाए। उन्होंने कहा कि इस बार वन महोत्सव में कुल 35 करोड़ पौधे रोपे जाने हैं, जो प्रदेश की कुल आबादी से भी अधिक होगी। पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाए। सीएम ने कहा कि प्रत्येक रोपे गए पौधे की जियो टैगिंग कराई जाए और उनकी फेंसिंग की समुचित व्यवस्था हो। इस बार वन विभाग 12 करोड़ 60 लाख पौधे और अन्य विभाग 22 करोड़ 40 लाख पौधे लगाएंगे। समन्वय के लिए सभी विभागों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति हो चुकी है। पौधों की आपूर्ति के लिए 1901 वन विभागीय पौधशालाओं, 146 उद्यान विभाग की पौधशालाओं, 55 रेशम विभाग की पौधशालाओं और 484 निजी पौधशालाओं में कुल 52 करोड़ 43 लाख पौधों की नर्सरी तैयार की गई है।

बिजनौर में सड़कें तालाब बनीं, 24 घंटे में बाढ़-बिजली गिरने से 10 की मौत

बिजनौर, 29 जून (एजेंसियां)। यूपी में मानसून सक्रिय हो गया है। बिजनौर, संभल, बदायूं समेत 10 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। लखनऊ में बादल छाए हैं। बिजनौर में इतनी बारिश हुई है कि सड़कों पर पानी भर गया है और वे तालाब बन गई हैं। फतेहपुर में बारिश के चलते यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से पीपा पुल बह गया। 26 पीपे बहकर सात किलोमीटर दूर पक्के पुल में जाकर फंस गए। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी उफना गई है। नदी 95 मीटर के पॉइंट पर बह रही है। यहां 126 मीटर पर खतरे का निशान है।

अगर 31 मीटर पानी और बढ़ा तो नदी खतरे के निशान के ऊपर चली जाएगी। रामघाट क्षेत्र की करीब 25 दुकानों में पानी घुस गया है। पिछले 24 घंटे में बाढ़ और बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत हो गई है। सहारनपुर में मां की दवा लेने जा रहे दो सगे भाइयों की सहंश्रा नदी में डूबने से मौत हो गई। दोनों भाई नदी पार कर रहे थे, तभी तेज बहाव के कारण डूब गए। चीख सुनकर ग्रामीणों ने उन्हें बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी। 36 जिलों में भारी, जबकि 39 जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। शनिवार को लखनऊ, वाराणसी, अलीगढ़ समेत 35 जिलों में रुक-रुक कर बारिश होती रही। 24 घंटे में 3.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। इस दौरान सोनभद्र में सबसे ज्यादा 43 मिमी बारिश हुई। 1 से 28 जून तक यूपी में कुल 79.7 मिमी बारिश हुई, जबकि मौसम विभाग का अनुमान 82 मिमी था। इस सीजन अब तक यूपी में 3 मिमी कम बारिश हुई है।

शिकारी की गोली से घायल नीलगाय घर में घुसी

गुस्से में किसान की आंख में घुसाया सींग, तड़प-तड़प कर मर गया किसान

बांदा, 29 जून (एजेंसियां)। कहते हैं न कि मौत का कोई समय नहीं होता। यह कहीं भी कभी भी और कैसे भी आ सकती है। उत्तर प्रदेश के बांदा में एक किसान के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। यहां एक किसान बड़े ही आराम से अपने घर पर बैठ आराम फरमा रहा था। तभी एक नीलगाय वहां आ धमकी। उसने किसान की आंख पर सींग घुसेड़कर उसे पटक दिया।

इससे किसान की तड़प-तड़पकर मौत हो गई। दरअसल, नीलगाय को किसी शिकारी ने गोली मारी थी। वो घायल होकर यहां वहां भाग रही थी। तभी वो गांव में आ घुसी और गुस्से में किसान पर हमला कर दिया। किसान की बैठे बैठाए इस तरह मौत हो गई। बताया जा रहा है कि पैलानी थाना क्षेत्र के परेड़ी गांव के जंगल में नील गायों के झुंड रहते हैं। शुक्रवार शाम शिकारियों ने एक नील गाय को गोली मार दी। गोली से घायल नीलगाय खेत से भागते हुए गांव में घुस आई। दरवाजे पर बैठे 52 वर्षीय मूलचंद्र प्रजापति उसे भगाने लगे। दर्द से तड़पती नीलगाय ने मूलचंद्र पर हमला कर दिया। उनकी आंख में सींग घुसेड़कर पटक दिया। उनका सिर फट गया। गंभीर चोट से वह अचेत हो गए।

डॉक्टरों ने किया किसान को मृत घोषित

शोरगुल सुनकर ग्रामीण दौड़ पड़े। किसी तरह नीलगाय को घेर कर भगाया। घायल को सीएचसी जसपुरा ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बैन के बावजूद किया जा रहा शिकार

मृतक के भतीजे सुरेश ने बताया कि मूलचंद्र खेती व मजदूरी करते थे। उनके तीन पुत्र व तीन पुत्रियां हैं। किसान की मौत से परिवार में कोहराम है। गांव वालों को भी अब नीलगाय से सावधानी बरतने की जरूरत है। नीलगाय का शिकार प्रतिबंधित है। इसके बाद भी जनपद में जगह-जगह शिकारी नीलगाय का शिकार कर रहे हैं। सबसे अधिक पैलानी और मटौंध क्षेत्र में नीलगाय का शिकार किया जाता है। वन विभाग के इस ओर ध्यान न देने से शिकारियों के हौसले बढ़े हैं।

ये शब्द हटे तो फिर से मनुवाद आ जाएगा

दत्तात्रेय होसबोले के बयान पर बोले सपा नेता एसटी हसन

मुरादाबाद, 29 जून (एजेंसियां)। बीजेपी और संघ नेताओं की संविधान से समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्द हटाये जाने की मांग पर पूर्व सांसद और समाजवादी पार्टी के नेता डॉ एस टी हसन ने अपनी प्रतिक्रिया दी है जिसमें उन्होंने कहा है कि अगर संविधान से ये शब्द हटे तो फिर से मनुवाद आ जाएगा। इस बीच उन्होंने बिहार में वोटर लिस्टों में गड़बड़ी को लेकर भी अपनी बात रखी है और बताया है कि वोटर लिस्टों में गड़बड़ी का सिलसिला रामपुर से शुरू हुआ था जहां उन्होंने लिस्टों में हेरफेर कर चुनाव को जीत लिया था। समाजवादी पार्टी के नेता डॉ एस टी हसन ने कहा कि ये देश पिछले दस सालों से साम्प्रदायिक देश हो रहा है और मुसलमानों के साथ भेदभाव हो रहा है अब अगर संविधान से समाजवाद और धर्मनिरपेक्षता शब्द हटा देंगे तो यहां फिर से मनु वाद आ जायेगा, श्रवण जाति के लोग शूद्रों को परेशान करेंगे और वही सब कुछ होगा जो पिछले दिनों आपने इटावा में देखा फिर हर बड़ा इन्सान छोटे इन्सान को दबाएगा और हर बड़ी जाति वाला छोटी जाति वालों का खून खराबा करेगा किसी का सर मुंडाया जायेगा किसी की चोटी काटी जाएगी।

डॉ एसटी हसन ने कहा आखिर ये लोग चाहते क्या हैं? देश की आज़ादी में इनका कोई योगदान नहीं था ये तो अंग्रेजों के साथ मिल कर काम रहे हैं और आज़ादी की लड़ाई नहीं लड़ी लेकिन अब देश आज़ाद हो गया है तो इन्हें वो भी बर्दाश्त नहीं है। अगर समाजवाद खत्म हुआ तो छुआ छूत और मनुवादी सोच फिर वापस आ जाएगी। ये लोग जातियों में बांट कर और छुआछूत कर के हिंदुस्तान को कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बोले- विकास के हर मोर्चे पर 'मोदी की गारंटी' को पूरा कर रहा छत्तीसगढ़

रायपुर, 29 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के तपकरा में तहसीलदार एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी कार्यालय का शुभारंभ किया। विदित हो कि 14 जनवरी को जशपुर जिले के प्रवास पर मुख्यमंत्री ने तपकरा को पूर्ण तहसील बनाने की घोषणा की थी। तहसील बनने से इसका लाभ 33 ग्रामों के किसानों, छात्रों और नागरिकों को मिलेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने तपकरा को नगर पंचायत बनाने, तपकरा स्थित खेल स्टेडियम के सौंदर्यीकरण के लिए 50 लाख रुपए स्वीकृत करने और फरसाबहार में विश्राम गृह निर्माण करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारी सरकार विकास के हर मोर्चे पर मोदी की गारंटी को तेजी से लागू कर रही है।

सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए। महिलाओं को सशक्त बनाने महतारी वंदन योजना के माध्यम से 70 लाख महिलाओं को प्रति माह एक हजार रुपए दिए जा रहे हैं। तेंदूपत्ता संग्राहकों की आय में वृद्धि के लिए तेंदूपत्ता का समर्थन मूल्य प्रति मानक बोरा 5,500 रुपए किया गया है। गांव में ही बैंकिंग की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए अटल डिजिटल सेवा केंद्र खोले जा रहे हैं।आगामी पंचायत दिवस पर सभी ग्राम पंचायतों में इसे शुरू करने की योजना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आम नागरिकों की सुविधा के लिए रजिस्ट्री में 10 नई क्रांतियों के तहत नवाचारों का बेहतर उपयोग कर पंजीयन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल, डिजिटल और नागरिक केंद्रित बनाया गया है। कार्यक्रम में कलेक्टर रोहित व्यास ने बताया कि यहां तहसील कार्यालय खुलने से किसानों, भूस्वामियों, छात्रों और नागरिकों को विशेष सुविधा होगी। उन्होंने बताया कि एसडीएम फरसाबहार का लिंक कोर्ट भी आगामी सोमवार से प्रारंभ हो जाएगा।

एससी-एसटी के नव उद्यमियों को आगे बढ़ने के लिए 'डिक्की' बना सशक्त माध्यम

रायपुर, 29 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों के फलस्वरूप कृषि के साथ-साथ उद्योग-धंधों के लिए भी एससी-एसटी सहित सभी वर्गों के लिए अनुकूल वातावरण पूरे प्रदेश में बना हुआ है। यही वजह है कि अब तक प्रदेश में लगभग साढ़े पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। उक्त बातें मुख्यमंत्री साय ने रायपुर में आयोजित डॉ. बिजनेस कॉन्क्लेव एवं एक्सिलेंस अवॉड्र्स समारोह में कही। उन्होंने दलित चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) द्वारा आयोजित इस कॉन्क्लेव को नव उद्यमियों को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया एवं छत्तीसगढ़ में आयोजन के लिए बधाई दी।

इस दौरान सीएम साय ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के नव उद्यमियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया। कॉन्क्लेव में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लगभग 800 से अधिक नव उद्यमियों ने हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने यहां नई औद्योगिक नीति को अपनाया है, जिसे बहुत परिश्रम से हमारी सरकार ने तैयार कर प्रदेश में उद्योग के क्षेत्र में नई संभावनाओं को पंख देने का कार्य किया है। इसके तहत देश के बड़े मेट्रो शहरों में इंडस्ट्रियल समिट का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत इतने कम समय में ही 5.50 लाख करोड़ रुपये का निवेश विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त हुआ है। अकेले पावर सेक्टर में ही 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश हुआ है। हमारी औद्योगिक नीति का ही परिणाम है कि आज रायपुर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा सेंटर सहित सेमीकंडक्टर निर्माण इकाइयों की स्थापना हो रही है। सीएम साय ने कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समाज के लोगों को उद्यमिता के क्षेत्र में बढ़ावा देने से ही देश विकसित राष्ट्र की ओर अग्रसर होगा।

इस अवसर पर दलित चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (डिक्की) के फाउंडर चेयरमैन पद्मश्री डॉ. मिलिंद कांबले ने वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ राज्य के लिए 360 डिग्री अप्रोच वाली योजना की आवश्यकता बताई, जिससे उद्यमिता के क्षेत्र में बढ़ रहे अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के हितग्राहियों को उद्योग से संबंधित उच्चस्तरीय प्रबंधन, टेक्नोलॉजी, वित्तीय प्रबंधन, सब्सिडी, मार्केट लिंकेज तथा मार्केटिंग जैसे अन्य महत्वपूर्ण विषयों की त्वरित जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। इस दौरान उन्होंने डिक्की के उद्देश्यों के बारे में भी विस्तार से जानकारी साझा की।

कार्यक्रम में डिक्की के नेशनल प्रेसिडेंट रवि कुमार नर्रा ने कार्यक्रम की भूमिका संबंधी जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, डिक्की पश्चिमी क्षेत्र प्रमुख संतोष कांबले, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजीव डांगी, स्टेट प्रेसिडेंट अभिनव सत्यवंशी सहित बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के उद्यमी उपस्थित थे।

एसपी कार्यालय के सामने चाय की गुमटी पर युवक ने की आत्महत्या

दुकान में फंदे पर लटका मिला शव

जगदलपुर, 29 जून (एजेंसियां)। जगदलपुर में पुराना बस स्टैंड स्थित एसपी कार्यालय के सामने बने गुमटी में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना की जानकारी लगते ही कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। वहीं, शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सुबह घूमने निकले लोगों ने शव को लटकते देखा। जिसके बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

बताया जा रहा है कि मृतक कवारास का रहने वाला था। और वह शायद ग्राम पंचायत कावापाल सरपंच के पति कमलोचन बघेल है। मृतक ने आत्महत्या एसपी कार्यालय के सामने चाय की गुमटी पर की है।

मृतक का उपचार डिमरापाल अस्पताल में चल रहा था। वहीं ,आज सुबह डिमरापाल अस्पताल से 5.30 बजे निकला था।

उसका बेटा डिमरापाल में ही है ऐसा बताया जा रहा है। वही मृतक का एक भाई पुलिस आरक्षक है।

रिटायरमेंट से पांच दिन पहले निलंबित हुए पटवारी ने दी जान, सुसाइड नोट में खुद को बताया निर्दोष

बिलासपुर, 29 जून (एजेंसियां)। भारतमाला परियोजना में गड़बड़ी के आरोप में निलंबित पटवारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई कर रही है। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमे उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है।

बिलासपुर के निलंबित पटवारी सुरेश मिश्रा ने सकरी थाना क्षेत्र स्थित जोकी गांव में अपनी बहन के फार्म हाउस में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट भी मिला है जिसमें उन्होंने खुद को निर्दोष बताया है और कोटवार एवं एक अन्य व्यक्ति पर फंसाने का आरोप लगाया है।

बताया जा रहा है की भारतमाला परियोजना के अंतर्गत बिलासपुर उरगा राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए भूमि के अधिग्रहण में फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने के मामले में आरोप लगा था। जांच के बाद सुरेश मिश्रा को 25 जून को निलंबित किया गया था। इसपर तोरवा थाने में एफआईआर दर्ज की गई। जांच के दौरान ढेका गांव के कुछ भूमि मालिकों के नाम फर्जी तरीके से राजस्व रिकॉर्ड में जोड़कर गलत मुआवजा प्रकरण तैयार करने की आरोप लगा था।

एफआईआर दर्ज होने के बाद सुरेश मिश्रा मानसिक तनाव में थे जो 30 जून को रिटायर्ड होने वाले थे। फिलहाल सुसाइड नोट और मामले की जांच के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा होगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है

पीएम आवास योजना के हितग्राहियों से पैसे लेने पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, रोजगार सहायक बर्खास्त

रायपुर, 29 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिला प्रशासन की ओर से कदाचरण और कार्य में लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कठोर करवाई की जा रही है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से जिओ टैगिंग और मस्टर रोल प्रस्तुत करने के एवज में राशि लेने की शिकायत जांच में पुष्टि होने पर रोजगार सहायक को बर्खास्त कर दिया गया है।

विकासखंड कसडोल अंतर्गत ग्राम पंचायत बिलारी (क) में पदस्थ ग्राम रोजगार सहायक गौरीशंकर पैकरा के विरुद्ध प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से जिओ टैगिंग व मस्टर रोल प्रस्तुत करने के एवज में राशि लेने एवं अभद्र व्यवहार करने की शिकायत प्राप्त हुई थी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कसडोल द्वारा शिकायत जांच कराई गई। जांच में रोजगार सहायक गौरीशंकर पैकरा के विरुद्ध शिकायत सही पाए जाने तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत के अनुमोदन उपरांत मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कसडोल द्वारा ग्राम पंचायत बिलारी (क) के रोजगार सहायक गौरीशंकर पैकरा को संविदा पद से पृथक कर दिया गया है।

मंत्री केदार कश्यप बोले- रासायनिक खादों की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं, किसानों को मांग के अनुरूप मिले

रायपुर, 29 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सहकारिता मंत्री केदार कश्यप ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में डीएपी खाद की कमी को देखते हुए प्रदेश में डीएपी खाद की पर्याप्त सप्लाई नहीं हो पा रही है तो डीएपी के वैकल्पिक खादों के प्रति किसानों को जागरूक करें और जो वैकल्पिक खाद उपलब्ध है किसानों को दिया जाए। उन्होंने बैठक में कहा कि किसानों को सहुलियतें प्रदान करना हमारी सरकार की पहली प्राथमिकता है।

सहकारिता मंत्री कश्यप ने कहा कि रासायनिक खाद की कालाबाजारी बर्दास्त नहीं की जाएगी। ऐसे गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों व केन्द्र संचालकों के ऊपर कड़ी कार्यवाही की जाए। उन्होंने सहकारिता विभाग के अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में 2058 सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद का भण्डारण हो और किसानों की मांग के अनुरूप खाद मिले यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने नैनो यूरिया, नैनी डीएपी के छिड़काव के प्रति भी किसानों को जागरूक करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

बैठक में सहकारिता विभाग के अधिकारियों ने बताया कि डीएपी खाद की आपूर्ति के संबंध में कंपनी के प्रतिनिधियों से समन्वय कर खाद सप्लाई के लिए विभागीय स्तर पर लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आने वाले समय में डीएपी खाद सप्लाई की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि खरीफ विपणन वर्ष 2025 के लिए किसानों के मांग के अनुरूप विभाग 10.73 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद का लक्ष्य निर्धारित किया है। लक्ष्य के विरूद्ध 5.85 लाख मीट्रिक टन का भण्डारण किया जा चुका है। किसानों को 4.37 लाख मीट्रिक टन खाद वितरित किए जा चुके हैं। वर्तमान में समितियों में 1.18 लाख मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है।

अधिकारियों ने बताया कि डीएपी का लक्ष्य 78 हजार 331 मीट्रिक टन है। इसके विरूद्ध अब तक 75 हजार 428 मीट्रिक टन डीएपी का भण्डारण किया जाकर किसानों को 61 हजार 137 मीट्रिक टन खाद वितरण किया जा चुका है। समितियों में 14 हजार 291 मीट्रिक टन डीएपी खाद शेष है। डीएपी खाद की कमी के कारण एनपीके का लक्ष्य बढ़कर 3 लाख 16 हजार मीट्रिक टन हो गया है। लक्ष्य के विरूद्ध 93 हजार 467 मीट्रिक टन एनपीके का भण्डारण किया जाकर किसानों को 74 हजार 545 मीट्रिक टन एनपीके खाद का वितरण किया जा चुका है। समितियों में 18 हजार 922 मीट्रिक टन एनपीके शेष है। ज्यादा से ज्यादा एनपीके के सप्लाई के लिए कंपनियों के साथ निरंतर समन्वय किया जा रहा है।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि खरीफ सीजन 2025 के लिए मांग के अनुरूप यूरिया का लक्ष्य 4.54 लाख मीट्रिक टन है। लक्ष्य के विरूद्ध 2.88 लाख मीट्रिक टन का भण्डारण कर 1.91 लाख मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किसानों को किया जा चुका है, इसी प्रकार एमओपी का लक्ष्य 46 हजार 360 मीट्रिक टन है। लक्ष्य के विरूद्ध 55 हजार 611 मीट्रिक टन एमओपी का भण्डारण कर किसानों को 29 हजार 851 मीट्रिक टन एमओपी का वितरण किया जा चुका है। इसी प्रकार एसएसपी (समस्त) का लक्ष्य 1.76 लाख मीट्रिक टन निर्धारित है। लक्ष्य के विरूद्ध 1.28 लाख मीट्रिक भण्डारण कर किसानों को 65 हजार 878 मीट्रिक टन एसएसपी का वितरण किए जा चुके हैं।

चतरा में सड़क पर गुंडागर्दी करने वाला पुलिस जवान सस्पेंड

चतरा, 29 जून (एजेंसियां)। चतरा जिले में कल शनिवार को बीच सड़क पर एक बेहद ही शर्मनाक घटना हुई. घटना जिले के गंदौरी मंदिर स्थित पवन होटल के पास की है. यहां कल शनिवार की शाम सिविल ड्रेस में एक जवान ने मजदूर को बीच सड़क पर खुलेआम बेरहमी से पीटा. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ. इसके बाद एसपी ने मामले की जांच करा कर जवान को सस्पेंड कर दिया. मामले की जानकारी देते हुए एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने बताया कि इस पूरे मामले के संबंध में सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार को जांच करने का निर्देश दिया गया. जांच प्रतिवेदन के आधार पर जवान को सस्पेंड किया गया. एसपी ने कहा कि पुलिस का एक मर्यादित व्यवहार होता है. इसका उल्लंघन करने वालों पर अवश्य कार्रवाई होगी. खासकर इस तरह के व्यवहार बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जायेगा. सभी पुलिस पदाधिकारी व जवानों को साफ संदेश है कि जनता के साथ अच्छा व्यवहार करें, पुलिस की छवि धूमिल करने वाले पुलिस पदाधिकारी व जवानों पर कार्रवाई की जाएगी.

पानी भर जाने से बोर्डिंग स्कूल के 162 फंसे बच्चे एस्बेस्टस की छत पर चढ़कर बचाई जान

रस्सियों के सहारे रेस्क्यू

अजमशेदपुर, 29 जून (एजेंसियां)। झारखंड के कई हिस्सों में भारी से अति भारी बारिश से जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त है। पूर्वी सिंहभूम जिला के कोवाली थाना अंतर्गत लव कुश आवासीय विद्यालय में भारी वर्षा के कारण फसे 162 बच्चों को जमशेदपुर पुलिस की ओर से रेस्क्यू कर सफलतापूर्वक निकाल कर सभी के परिजनों को सौंपा गया।

बच्चों को स्कूल की छत पर लेनी पड़ी शरण

पोटका प्रखंड अंतर्गत कोवाली थाना क्षेत्र के हरिणा गांव में स्थित गुड़रा नदी में अचानक जलस्तर बढ़ने से बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। लव कुश आवासीय विद्यालय पूरी तरह से पानी में डूब गया, जहां पढ़ाई कर रहे छोटे-छोटे बच्चों को स्कूल की छत पर शरण लेनी पड़ी।

खतरे का एहसास होने पर एस्बेस्टस की छत पर चढ़े

स्थानीय लोगों और प्रशासन के अनुसार, बीती रात से लगातार भारी बारिश हो रही है, जिससे गुड़रा नदी का जलस्तर खतरनाक रूप से ऊपर पहुंच गया है। यही कारण है कि नदी के किनारे स्थित लव कुश विद्यालय अचानक जलमग्न हो गया। स्कूल में रह रहे छोटे बच्चों को जैसे ही खतरे का एहसास हुआ, वे तेजी से स्कूल की छत पर चढ़ गए।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए कोवाली थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करवाया। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से रस्सियों के सहारे एक-एक कर बच्चों को छत से बाहर निकाला गया। प्रशासन की तत्परता और ग्रामीणों की सक्रियता से बड़ी अनहोनी टल गई।

ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में पिछले 24 घंटे से लगातार तेज बारिश हो रही है। गुड़रा नदी ने अब तक का सबसे ऊंचा जलस्तर पार कर लिया है। एक ग्रामीण ने कहा- 'पानी बहुत तेज़ी से चढ़ा। बच्चों को छत पर देख हम सब भागे और रस्सी लेकर पहुंचे। प्रशासन भी आया और मिलकर सबको बचाया।'

रेस्क्यू के बाद बच्चों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक चिकित्सा, गर्म भोजन और सूखे कपड़े उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

हालांकि, इस घटना ने एक बार फिर से ग्रामीण क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। विद्यालय प्रशासन ने मांग की है कि ऐसे जोखिम भरे इलाकों में बने स्कूलों के लिए स्थायी समाधान और आपातकालीन इंतजाम किए जाएं। फिलहाल सभी बच्चे सुरक्षित हैं और प्रशासन स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

खूंटी जिले में ग्राम प्रधान की हत्या

पुलिस ने 10 संदिग्धों को हिरासत में लिया

खूंटी, 29 जून (एजेंसियां)। झारखंड में खूंटी जिले के लांदुप पंचायत के काड़ेतुबिद गांव में बीती रात ग्राम प्रधान की हत्या कर दी गई। अपराधियों ने पहले ग्राम प्रधान को लाठी-डंडे से पीटा फिर गोली मारकर हत्या कर दी। ग्राम प्रधान पर हो रहे हमले को देखकर उसका भांजा आचू मुंडा भी बचाव करने निकला लेकिन अपराधियों ने उसपर भी जानलेवा हमला किया जिससे वो घायल हो गया।

तेज बारिश के दौरान घटना को दिया अंजाम

मिली जानकारी के अनुसार, तेज बारिश हो रही थी और बलराम मुंडा अपने घर में थे। इसी दौरान दर्जनों हथियारबंद अपराधी उनके घर घुसे और बलराम मुंडा पर सभी टूट पड़े. लाठी डंडे से पीटा और गोली मारकर उसकी बेरहमी हत्या कर दी।

घर के सामान को क्षतिग्रस्त किया

बताया जा रहा है कि अपराधी लगभग आधा घंटा तक घर में रहे और इस दौरान न केवल हमला किया, बल्कि घर में रखे धान के बोरे फाड़ दिए और अन्य सामानों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। वारदात की जानकारी पुलिस को देर रात ग्रामीणों ने दी। सूचना पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची।

पुलिस ने 10 लोगों को हिरासत में लिया

वारदात की सूचना पर पुलिस ने पूरे सड़क मार्ग पर चेकिंग शुरू कर दी। 10 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। डीएसपी वरुण रजक ने बताया कि मामला गंभीर है और जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि ग्राम प्रधान की ठेकेदारी से संबंधित विवाद के कारण हत्या की गई है।

वहीं एसपी मनीष टोप्पो ने बताया कि हत्याकांड जांच के लिए डीएसपी वरुण रजक के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित की गई है। एसआईटी की टीम लगातार छापेमारी कर रही है।

चतरा पुलिस ने अवैध ब्राउन शुगर तस्करों को गिरफ्तार, 60 लाख रुपये की ड्रग्स बरामद

चतरा, 29 जून (एजेंसियां)। चतरा पुलिस ने अवैध ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करने वाले दो तस्करों को गिद्धौर फुटबॉल मैदान के पास से रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 60 लाख रुपये मूल्य की 286 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है। पुलिस मादक पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है और करोड़ों के मादक पदार्थ को जप्त भी किया गया है। लगातार कई तस्कर भी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। इसी कड़ी में एक बार फिर पुलिस को सफलता मिली है।

फुटबॉल मैदान के पास खरीद-बिक्री की मिली थी सूचना

जिले के एसपी सुमित अग्रवाल की इस कार्रवाई से मादक पदार्थ तस्करों में हड़कंप मच गया है। दरअसल एसपी सुमित अग्रवाल को गुप्त सूचना मिली थी कि गिद्धौर फुटबॉल मैदान के पास दो से तीन लोग ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की फिराक में हैं। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसपी के निर्देश पर सीडीपीओ शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

दो तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार

इस गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिद्धौर फुटबॉल मैदान के पास छापेमारी की। इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने 286 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर , एक इलेक्ट्रॉनिक माप तौल मशीन और विभिन्न कंपनियों के पांच एंड्रॉयड फोन बरामद किए। वहीं दो तस्करों को दबोच लिया गया। जब्त की गई ब्राउन शुगर की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 60 लाख रुपये आंकी जा रही है। पुलिस गिरफ्त में आए तस्करों की पहचान हो गई है। इनमें से एक अभिमन्यु कुमार साव है। जो राजेश कुमार साव का पुत्र और गिद्धौर थाना क्षेत्र के गिद्धौर तेली टोला का निवासी है। दूसरा तस्कर नितेश कुमार उर्फ त्रिवेणी है। जो सुनील साव का पुत्र और प्रतापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नैकाडीह का रहने वाला है। इस सफल कार्रवाई से जिले में नशीले पदार्थों के कारोबार से जुड़े तस्करों में भय का माहौल है। चतरा पुलिस नशे के खिलाफ लगातार अभियान चला रही है और भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई जारी रखने का संकल्प लिया है।

मंत्री ने की घोषणाओं की बारिश- गिरिडीह में खुलेंगे यूनिवर्सिटी, स्टेट ऑफ आर्ट सेंटर, इंजीनियरिंग कॉलेज

रांची, 29 जून (एजेंसियां)। झारखंड सरकार के मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि 3 साल में सर जेसी बोस यूनिवर्सिटी बनकर तैयार हो जायेगा और गिरिडीह के बच्चे उस विश्वविद्यालय में पढ़ाई शुरू कर देंगे. उन्होंने कहा कि गिरिडीह जिला शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी जिला बनेगा. उनका भी सीना चौड़ा होगा, जब कोई रांची में कहे कि गिरिडीह का बच्चा स्टेट टॉपर बना है. झारखंड के उच्च शिक्षा मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने रविवार 29 जून 2025 को गिरिडीह में आयोजित प्रभात खबर प्रतिभा सम्मान समारोह में जिले के लिए की बड़ी घोषणाएं कीं. उन्होंने सर जेसी बोस यूनिवर्सिटी, महिला शिक्षा के लिए स्टेट ऑफ आर्ट सेंटर और इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने की घोषणा की. सुदिव्य कुमार ने अलग-अलग बोर्ड से परीक्षा देने वाले अपने-अपने स्कूल के 10वीं और 12वीं के टॉपर्स को प्रभात खबर प्रतिभा सम्मान 2025 से नवाजा. इसी दौरान उन्होंने घोषणा की कि गिरिडीह जिले के बच्चों को अब उच्च शिक्षा के लिए राजधानी रांची या हजारीबाग नहीं जाना होगा.

3 साल में जेसी बोस यूनिवर्सिटी में शुरू होगी पढ़ाई

झारखंड सरकार के मंत्री ने कहा कि 3 साल में सर जेसी बोस यूनिवर्सिटी बनकर तैयार हो जायेगा और गिरिडीह के बच्चे उस विश्वविद्यालय में पढ़ाई शुरू कर देंगे. उन्होंने कहा कि गिरिडीह जिला शिक्षा के क्षेत्र में एक अग्रणी जिला बनेगा. उनका भी सीना चौड़ा होगा, जब कोई रांची में कहे कि गिरिडीह का बच्चा स्टेट टॉपर बना है. मंत्री ने यह भी कहा कि महिलाओं के लिए जोगीटांड़ में 20 एकड़ के कैंपस में स्टेट ऑफ आर्ट सेंटर का निर्माण होगा, जिसमें बेटियां पढ़ाई कर पायेंगी. इतना ही नहीं, मंत्री ने कहा कि 3 साल में गिरिडीह जिले में एक इंजीनियरिंग कॉलेज भी बनकर तैयार हो जायेगा. उन्होंने गिरिडीह में स्टेट ऑफ आर्ट लाइब्रेरी बनाने की भी बात कही. कहा कि साल-डेढ़ साल में इसका निर्माण पूरा हो जायेगा और बच्चे यहां से निःशुल्क किताबें ले सकेंगे.

रांची समेत झारखंड के 9 जिलों में 2 घंटे में जोरदार बारिश, आईएमडी का रेड अलर्ट

रांची, 29 जून (एजेंसियां)। झारखंड के रांची समेत नौ जिले में अगले दो घंटे में जोरदार बारिश होगी. गरज के साथ वज्रपात भी हो सकता है. राज्य के दक्षिणी एवं निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं पर अत्यंत भारी बारिश हो सकती है. इस बाबत मौसम विभाग ने रेड अलर्ट जारी किया है. रविवार की सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला हुआ है. रुक-रुक कर बारिश हो रही है. बादल गरज रहे हैं. इस बीच मौसम विभाग ने चेतावनी जारी की है. मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों से सावधान रहने की अपील की है. झारखंड के जिन नौ जिलों में अगले दो घंटे में जोरदार बारिश होगी, उन जिलों में रांची, बोकारो, पूर्वी सिंहभूम, हजारीबाग, खूंटी, लातेहार, रामगढ़, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम शामिल हैं. इन जिलों में मेघ गर्जन के साथ वज्रपात की आशंका जतायी गयी है. मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि पांच जुलाई तक भारी बारिश हो सकती है. 30 जून को राज्य के दक्षिण-पश्चिम एवं निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं पर अत्यंत भारी बारिश हो सकती है. इस बाबत रेड अलर्ट जारी किया गया है. एक जुलाई को उत्तर-पश्चिमी एवं निकटवर्ती उत्तर-पूर्वी भागों में कहीं-कहीं पर बहुत भारी बारिश हो सकती है. इसे लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. खराब मौसम रहने पर सुरक्षित रहने की अपील की है.

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 30 जून - 2025

महिलाओं के प्रति सम्मान के बिना कैसे आयेगी समानता?

रघु ठाकुर

अभी कुछ समय पूर्व संयुक्त राष्ट्र संघ के निर्णयानुसार समूची दुनिया ने विश्व महिला दिवस मनाया। भारत में भी यह दिवस बड़े पैमाने पर मनाया गया। दुनिया और देश में किस प्रकार महिलाएं आगे जा रही है इसका भी चित्रण किया गया। इसमें कोई दो मत नहीं है कि अवसर मिलने से महिलाओं की प्रतिभा में निखार आता है। उनकी छिपी प्रतिभाएं सामने आई हैं। हाल ही में एक अंतरिक्ष यात्री जिन्होंने 8 माह से अधिक अंतरिक्ष में गुजारे उन सुनीता विलियम्स के साहस और पराक्रम का क्या मुकाबला हो सकता है? यद्यपि पूंजीपतियों में महिलाओं की संख्या अभी कम है।

पहलगाम के बाद ऑपरेशन सिंदूर में श्रीमती सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह ने भी महिलाओं की शक्ति और योग्यता का एहसास कराया है। 1960 के दशक में डॉक्टर लोहिया ने लिखा था कि हमारे देश में जाति और योनि के दो कटघरे में देश की बड़ी संख्या को कैद कर दिया गया और निर्जीव बना दिया गया है। जिस जमाने में किसी ने नारी सशक्तिकरण जैसा शब्द सुनना तो दूर सोचा भी नहीं होगा, उस जमाने में लोहिया न केवल नारियों को जाति व परंपरा के बंधन से मुक्त कर पुरुष के समकक्ष खड़े करने के लिए संघर्षरत थे। उन्होंने द्रौपदी बनाम सावित्री की बहस को प्रतीकात्मक स्वरूप देकर द्रौपदी के संघर्षशील पक्ष को उभारा। नारी की क्षमता, योग्यता संघर्ष की प्रतिभा को एक नए ढंग से प्रस्तुत किया। लोहिया के जीवन काल में इन सवालों पर हलचल तो शुरू हुई परंतु वह शुरुआत भर थी। लोहिया कहते भी थे कि लोग मेरी बात सुनेंगे शायद मेरे मरने के बाद, पर सुनेंगे जरूर। आज जब सुनीता विलियम्स से लेकर सोफिया कुरैशी विभिन्न क्षेत्रों में नारियों के उपलब्धियों के किस्से छपते हैं तब लगता है लोहिया की बात सुनी जा रही है। जहां एक तरफ नारियां आगे बढ़ रही है दूसरी तरफ महिलाओं के साथ अन्याय अत्याचार भेदभाव की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। यदि आप किसी भी दिन के अखबार को देखें या टीवी चौनल के समाचारों को देखें तो आपको प्रतिदिन ऐसी घटनाएं सुर्खियों में मिलती हैं जहां नारी शाब्दिक और शारीरिक अन्याय का शिकार होती है। ऐसी घटनाएं पहले भी होती रही हैं। आज आजादी के सात दशक के बाद भी घट रही हैं। कई बार ऐसा लगता है जैसे प्रगतिशील मानस और पीछे देखू मानस में एक सतत संघर्ष चल रहा है। उत्तर प्रदेश के एक विधायक ने एक लड़की को न केवल हवस का शिकार बनाया बल्कि बाद में उसकी हत्या भी कर दी, ताकि कोई प्रमाण न रहे। तंदूर कांड से लेकर हत्याकांड तक ऐसी घटनाएं निरंतर सामने आ रही हैं। अब पिछले एक डेढ़ दशक से केंद्र और कई सूबे में एक दल की सरकार के बाद ऐसी घटनाओं को पंख लग गए हैं। कुछ दिन पहले एक भाजपा नेता ने टीवी चौनल पर किसी को मां की गालियां दीं। आज भी जो गालियां है वह अमूमन नारियों को लेकर हैं। कहीं ना कहीं मस्तिष्क में नारी को कमजोर और छोटा समझने का भाव है। जिन पार्टियों के नेता नारियों के प्रति ऐसे शब्दों का इस्तेमाल करते हैं उनकी पार्टियां उनके बचाव में खड़ी हो जाती हैं। मध्यप्रदेश के एक पूर्व-मुख्यमंत्री ने एक बार एक महिला का उल्लेख करते हुए टंचमाल कहा था। सरकारी पार्टी की महिलाएं भी निजी बातचीत में अपने आप को असुरक्षित मानती हैं और असम्मान का शिकार होती हैं। हाल में मध्य प्रदेश के एक मंत्री ने अपने भाषण में कहा कि लड़कियां कम वस्त्र पहनती हैं जो उन्हें पसंद नहीं। ऐसा एक जुमला वे पहले भी कह चुके हैं। बच्चियां क्या पहनें, उनकी क्या आवश्यकता है, यह निर्णय भी पुरुष समाज लेना चाहता है।

मुझे याद है जब श्रीमती सानिया मिर्जा का नाम टेनिस खिलाड़ी के रूप में उभरा था तो कई मौलवियों ने उनके खिलाफ टिप्पणियां की थीं। एक प्रकार का घोषित अघोषित फतवा जारी किया था। नारियों के प्रति ऐसी घटनाएं आमतौर पर सभी धर्म में हो रही हैं। जहां भी नारियां प्रतिकार में खड़ी होती हैं, जुल्म का शिकार होती हैं। ईरान में हिजाब के खिलाफ लड़ने वाली हजारों बच्चियों को जेल में रहना पड़ा। पाकिस्तान अफगानिस्तान में पढ़ाई और पढ़ाई की वकालत करने वाली बच्चियों को गोली तक खानी पड़ी। यूरोप के देशों में भी महिलाएं कुछ मुक्त तो हुई हैं परंतु बराबरी पर आज भी नहीं हैं। अगर नर-नारी की समता सही मायने में कहीं देखने मिलती है तो वह आदिवासी समाज में। समाज के मानस की जकड़न कितनी गहरी है उसे हाल में अखबार में आई एक घटना से समझा जा सकता है। कटनी में पुलिस विभाग में डीएसपी के पद पर कार्यरत श्रीमति ख्याति मिश्रा ने अपने अधिकारियों से कहा है कि उन्हें अपने पति से खतरा है। कुछ दिनों पूर्व पुलिस ने उनके घर में घुसकर उनके माता-पिता आदि से मारपीट की। इसके पीछे उनके पति को बताया जा रहा है जो तहसीलदार हैं। कटनी की घटना के बाद श्रीमती मिश्रा का तबादला मैहर किया गया। उन्होंने अधिकारियों को पत्र लिखकर मैहर में अपनी जान को खतरा बताया है क्योंकि उनके पति वहां रह चुके हैं। श्रीमति ख्याति मिश्रा के अनुसार उनके पति यह बर्दाश्त नहीं कर कर पा रहे कि पत्नी बड़े पद पर पहुंच गई और वे खुद अभी तहसीलदार ही हैं। अपने मन में यह स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं कि कोई पद पुरुष से बड़ा होता है। उनके बयान के बाद पति ने पत्नी के पुलिस अधीक्षक से संबंध होने का आरोप लगाया। इस आरोप में कितनी सच्चाई है यह कहना कठिन है। सच्चाई भी है तो इस आधार पर न्यायिक अलगाव की मांग कर सकते थे। पत्नी से अलग रह सकते थे, परंतु उन्होंने यह नहीं किया। आज भी ज्यादातर यही भाव काम कर रहा है कि महिलाओं को पुरुष से नीचे रहना चाहिए। सरकार इसे किस रूप में ले रही है यह अभी स्पष्ट नहीं है। लड़कियों के छोटे कपड़ों के प्रति चिंतित मंत्री की भावनाओं को भी प्रदेश सरकार किस भाव से ले रही है कहना कठिन है। कुछ लोगों का यह भी मानना है की मंत्री का बयान उनके संगठन के इशारे पर दिया गया है जो भारत को सनातन में ले जाना चाहता है। परंपराओं में महिलाओं का पतिव होना, उनका दासी होना, पर्दे में रहना सभी घोषित सामाजिक परंपराएं हैं। कुछ साल पहले भी मंत्री ने एक प्रसंग में कुछ महिलाओं की तुलना शुर्पणखा से की थी। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री रावत ने भी महिलाओं के जींस पहनने की निंदा की थी। उसे संस्द्धति विरोधी बताया था कई बड़े तथाकथित जनप्रतिनिधि या सत्ताधारी नेता कपड़ों को ही बलात्कार का कारण बताते हैं। ऐसी और भी बहुत सी घटनाएं हैं जिसमें कोलकाता की डॉक्टर लड़की के बलात्कार से लेकर निर्भया तक आए दिन घट रहे अपराधों को उद्धृत किया जा सकता है। यह बड़ा विचित्र और दुखद है कि हाल की घटनाओं के बाद देश के महिला संगठनों द्वारा इस प्रकार की घटनाओं को लेकर कोई विशेष भूमिका दिखाई नहीं दी। मेरा यह कहना नहीं है कि महिलाओं के सम्मान की रक्षा करना केवल महिला का दायित्व है। समूचा पुरुष समाज राजनीति वोट के लिए असहाय है। मध्य प्रदेश के वन मंत्री के द्वारा सुश्री सोफिया कुरैशी के बारे में दिए गए बयान के बाद भी न मंत्री जी का इस्तीफा हुआ, न उन्हें हटाया गया, न उन पर मुकदमा दर्ज हुआ। ऐसा लगता है कि संघ व संगठन मामले के शांत होने की प्रतीक्षा कर रहा है। प्रधानमंत्री जी भी 3 जून 2025 को भोपाल आए थे जहां मीडिया के अनुसार उन्होंने कई लाख महिलाओं को संबोधित किया था। इस सम्मेलन में वे सरकार की उपलब्धियां को गिनाते रहे। पर एक शब्द भी उन्होंने अपने मंत्रियों के खिलाफ बोलने का साहस नहीं किया। यानी वे भी यह जानते मानते हैं कि देश में आम मानस अभी भी पुरुष सत्तात्मक का है। इसलिए वे अपने वोट के खेल में कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। प्रधानमंत्री की इस स्थिति के वास्तविक कारण क्या हैं? मेरा मानना है कि कारण जो भी हों उन्हें उन कारणों से मुक्ति पाना चाहिए। देश को स्पष्ट तौर पर बताना चाहिए। देश जानना चाहता है कि सोफिया कुरैशी से लेकर कम वस्त्रों तक जो मानसिकता समाज व सत्तापक्ष में उभरी है वे उसे मिटाना चाहते हैं या बनाए रखना चाहते हैं। क्या उनकी पार्टी सनातन व्यवस्था के नाम पर उस दौर में जाना चाहती है जहां नारी को दोयम दर्जा का माना जाएगा? जहां महिलाएं पुरुषों की दासी बन कर रहें? लक्ष्मी, दुर्गा, सरस्वती, सावित्री, पार्वती ऐसी महान नारियों की पूजा करना यह समता नहीं है जो हाथ पाषाण प्रतिमा को पूजते हैं वही जिंदा तन को पीटते हैं। यह सरकार व समाज सभी की जिम्मेदारी है कि नर नारी को समान समझा जाए।

बंदूक का जवाब पेन से

लालू यादव की छत्रछाया में पले-बढ़े तेजस्वी यादव राजनीति के चतुर सुजान साबित होने लगे हैं। इसिलिए वे आए दिन बिहार की राजनीति में नये वादों के साथ मंच पर नमूदार होतो रहते हैं। अपने काम पर फोकस करने के साथ ही नीतीश कुमार के एक-एक मूवमेंट पर भी ध्यान देकर प्रहार करने लगे हैं। नतीजतन सीएम की दौड में तेजस्वी यादव दिनोदिन सीएम नीतीश कुमार को पछाडते दिखाई देने लगे हैं। जनता की सुविधाओं के वादों का मीनार भी ऊंचा करते जा रहे हैं। मईया सम्मान योजना से वादों का सफर शुरू हुआ, जो अब दूध,अंडे तक जा पहुंचा है। तेजस्वी दिल्ली की आम आदमी पार्टी की उसी सुविधा युक्त योजनाओं के सहारे जीत की राह पकडते दिखाई दे रहे हैं, जिस रप सवार होकर अरविंद केजरीवाल ने दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार बना ली थी। बहरहाल, अपने जिन नए वादों के साथ आए तेजस्वी यादव ने सत्तापक्ष को चुनौती दी है, उनमें सबसे ज्यादा चर्चा है कलम बांटने की। तेजस्वी कलम बांटने की राजनीति से अपने पिता के उस लाठी राज के कलंक को धोना चाहते हैं जिसे लेकर उनके विपक्षी हमेशा उन पर हमलावर रहते हैं। कलम बांटने की बात से राजद एक नया संदेश देता नजर आ रहा है, जो सत्तापक्ष के लिए एक चुनौती से कम नहीं है। पटना के बापू सभागार में राजद के युवा छात्र संसद में तेजस्वी यादव ने यह कहा कि हम नीतीश की बंदूक के सामने आप को कलम बांट रहे हैं। तेजस्वी ने सरकार बनने पर बिहार में 2 हजार एकड़ में वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी बनाने, सभी हाई स्कूलों में डिजिटल लाइब्रेरी खोलने और सभी जाति के बच्चों को मिड डे मील में एक गिलास दूध और दो अंडे देने का वादा भी कर डाला है। नौकरी, रोजगार और पलायन को जब तेजस्वी यादव चुनावी मुद्दा बना रहे थे तो सत्ता पक्ष की तरफ से नौकरी और रोजगार के अवसर को ज्यादा से ज्यादा उपलब्ध करा कर जवाब भी दे दिया है। पहली बार जब महागठबंधन के रणनीतिकारों ने सत्ता पक्ष में जिस निर्णय से खलबली मचा दी थी वह थी मैय्या समान योजना थी। तेजस्वी यादव ने साफ-साफ कहा कि हमारी सरकार बनी तो इस योजना के जरिए बिहार की महिलाओं को 2500 रुपये प्रतिमाह देने का काम किया जाएगा। मकसद है कि महिलाएं इस राशि से छोटा-मोटा व्यापार शुरू कर सकें, साथ ही अपने परिवार का अच्छे से पालन पोषण करके समाज में सम्मानजनक जीवन भी जी सकें। मुफ्तखोरी का सबसे बड़ा डोज तेजस्वी यादव ने यह कहते हुए दिया कि महागठबंधन' की सरकार बनने पर पूरे बिहार में उपभोक्ताओं को '200 यूनिट मुफ्त बिजली दी जाएगी। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी विधानसभा चुनावों से पहले एक 'रोडमैप' तैयार कर रही है। जिसे जनता के सामने रखा जाएगा। राज्य की जनता अत्यधिक बिजली दरों और स्मार्ट प्री-पेड मीटरों द्वारा अनियमित बिलिंग से रोज जूझ रही है। मेरी सरकार आई तो चीजों को सही करना और 200 यूनिट मुफ्त बिजली प्रदान करके लोगों को राहत देना है। तेजस्वी यादव ऐसा कोई वादा नहीं है जिसे व करने से पीछे रहे हों। इसके अलावा युवा आयोग का गठन, बिहार में 100 फीसदी डोमिसाइल नीति लागू, नौकरी के लिए आवेदन फ्री, परीक्षा देने के लिए जाने और घर वापस आने के लिए किराया तक देने का वादा कर गए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर से उभरी भारत की दमदार वैश्विक छवि

संजीव ठाकुर

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के जवाबी हमले से पाकिस्तान के 9 एयरबेस की तबाही और लगभग 100 दुर्दांत आतंकवादी मारे जाने के बाद भारत की छवि विश्व में एक दमदार शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरी है। अब भारत से कई देश से अस्त्र-शस्त्र की खरीदी के लिए कतार में खड़े होते दिखाई दिए हैं । भारत ने जिस तरह ब्रह्मोस मिसाइल और s400 से चीनी तथा टर्किए के 500 से ज्यादा ड्रोन तथा मिसाइल को हवा में ही ध्वस्त किया है वह अपने आप में एक वैश्विक मिसाल है। इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यस्तता का श्रेय लेने की कोशिश में लगे हुए थे किंतु भारत के कठोर रुख के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना बयान बदलकर यू टर्न लेना पड़ा जिससे भारत की छवि और बेहतर हो गई है। भारत ने कूटनीतिक पहलकर पाकिस्तान की आतंकवादी छवि को स्पष्ट करने के लिए लगभग 60 सांसदों को विभिन्न देशों में भेज कर पारदर्शिता का एक अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारत विश्व में अब एक बड़ी राजनीतिक,आर्थिक तथा सामरिक शक्ति बन कर उभरा है। भारत में वर्तमान में अपनी वैश्विक छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुगुना किया है। विदेशों में भारत की स्थिति में निरंतर सुधार हुआ है। भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर बनाने के लिए कूटनीति आर्थिक व्यापारिक समझौते तथा पाकिस्तान को युद्ध में बुरी तरह परास्त करने के बाद एक बड़ी सामरिक शक्ति बनकर उभरने के अलावा इस समय बहुत बड़ा योगदान भारत के हर क्षेत्र के डिजिटलाइजेशन का भी ज्यादा रहा है। भारत में डिजिटलाइजेशन के नए आयामों को छुआ है और विश्व में इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका भी निभा रहा है। इसमें दो मत नही कि वर्तमान के प्रधानमंत्री का बड़ा योगदान और ऊर्जावान, दमदार वैश्विक नेता के रूप में भूमिका रही है । पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विदेश नीति में खुलापन तथा विदेशी निवेशकों को भारत में आमंत्रित किया है उससे इसमें बड़े परिवर्तन की संभावनाओं इजाफा किया है। भारत विश्व का एकमात्र सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। कई वर्षों से ब्रिटिश उपनिवेश में रहने और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात गरीबी, भुखमरी ,बेरोजगारी जैसे बड़े रुकावटी कारकों का से जिस तरह डटकर मुकाबला कर उस से निजात पाने का प्रयास किया है वह अत्यंत उल्लेखनीय है। कोरोना कल में भारत ने अभूतपूर्व तरीके से स्वदेशी दवाइयां का एवं अन्य उपकरणों का निर्माण कर करके एक रिकॉर्ड भी बनाया है और इस पहल के परिणाम स्वरूप भारत में करोन पर प्रभावी नियंत्रण पानी में सफलता पाई थी। इसके अलावा भारत में ऐसे संक्रमण काल में स्वदेशी निर्मित मेडिकल इंजेक्शन दवाईयां तथा उपकरणों को भी विदेशी देशों को मदद पहुंचाई थी।

स्वतंत्रता मिलने के पश्चात भारत में नियोजन की नीति अपनाई तथा वर्ष 1951 में प्रारंभ पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत सभी चुनौतियों का सामना करते हुए सराहनीय प्रगति की है। वर्ष 1951 से लेकर अब तक 12 पंचवर्षीय योजनाएं क्रियान्वित की जा चुकी है। वर्ष 2015 में राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान की स्थापना की गई जो भारत को वैश्विक स्तर पर महाशक्ति बनाने की दिशा में सहयोग कर रहा है। वैश्विक स्तर पर भारत की खेती 1990 के पश्चात निरंतर बढ़ रही है इस दिशा में 1990 के दशक में भारत सरकार द्वारा अपनाई जाने वाली उदारीकरण निजीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति का महत्वपूर्ण योगदान भी माना जा रहा है।

हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाना 'राष्ट्र' के निर्माण का महत्वपूर्ण हिस्सा है

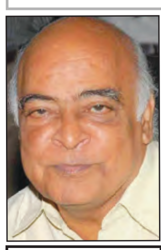

अशोक भाटिया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के दूसरे सरसंघचालक गोलवलकर गुरुजी ने अपनी पुस्तक 'वी ऑर अवर नेशनहुड', 'बंच ऑफ थॉट्स' में संस्कृत, अंग्रेजी और हिंदी पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। आज भाषाओं पर बहस जिस दिशा में जा रही है, ऐसे समय उनके विचारों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

बीसवीं शताब्दी में जिन राष्ट्र-पुरुषों, मनीषियों एवं चिंतकों ने भारत के समग्र विकास एवं उसे शक्तिपुंज बनाने के लिए जो विचार-दर्शन दिया, उनमें महात्मा गांधी के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक श्री माधवराव सदाशिवराव गोलवलकर उपाख्य श्रीगुरुजी का नाम इतिहास में स्वर्णाक्षरों से लिखा है। श्रीगुरुजी के पास हिंदू राष्ट्र, संस्कृति एवं परंपरा की संकल्पना थी तथा हिंदू समाज की एकात्मता एवं संगठन तथा उसके समग्र विकास के लिए पूर्णतः तर्कसंगत विचार-दर्शन था। इस विचार-दर्शन के अनुसार भारत हिंदू राष्ट्र था, और है। उनके राष्ट्र-दर्शन का आधार राष्ट्रीयता थी। इसके लिए वे वाणी और कर्म में एकता चाहते थे, जिससे कार्य को सजीव रूप देकर जीवन की पद्धति को उचित दिशा में मोड़ा जा सके।श्रीगुरुजी ने कोझीकोड के प्रांतीय शिविर में फरवरी,1966 में कहा था, ''हमारे कार्य में कोरी बातों का कोई स्थान नहीं। भाषणों में हमारी रुचि नहीं, लगातार बोलने रहने में हमारा विश्वास नहीं, शब्दों का जाल खड़ा करना हमें भाता नहीं, फिर भी बोलना तो पड़ता ही है पर हम निश्चयपूर्वक बोलते हैं और जो बोलते हैं, उसे अपने कार्य द्वारा सजीव रूप देते हैं। अपने कार्य द्वारा जीवन की पद्धति में मोड़ लाते हैं।''

उनका यह विचारांश महत्वपूर्ण है। इसमें उन्होंने संस्कृत, हिंदी तथा प्रांतीय भाषाओं के उद्भव एवं विकास तथा उनकी महत्ता को रेखांकित किया है। उन्होंने अपने कई व्याख्यानों में हिंदी भाषा के अनेक गुणों का उल्लेख किया है। वे मानते हैं कि संस्कृत से जन्मी हिंदी संस्कृत के बाद सार्वदेशिक भाषा है तथा उसे प्रखर स्वाभिमान की भावना को जागृत करने वाली जगत की सर्वश्रेष्ठ भाषा बनाना है। हिंदी ही इस देश की राजभाषा या राज्य-व्यवहार की भाषा बन सकती है, क्योंकि वह देश में अधिकतर समझी जाती है और दक्षिण में भी थोड़ी मात्रा में समझी जाती है।

अतः हिंदी भाषा को हम सबको मिलकर व्यवहार भाषा के रूप में समृद्ध करना चाहिए। श्रीगुरुजी मराठी भाषी थे, लेकिन उन्हें हिंदी भी अपनी मातृभाषा ही प्रतीत होती थी। उन्होंने दिल्ली में फरवरी, 1965 में कहा था, ''हिंदी को स्वीकार करने में कौन-सी कठिनाई है। मैं तो मराठी भाषी हूं, पर मुझे हिंदी पराई भाषा नहीं लगती। हिंदी मेरे अंतःकरण में उसी धर्म, संस्कृति और राष्ट्रीयता का स्पंदन उत्पन्न करती है जिसका प्रसार मेरी मातृभाषा मराठी द्वारा होता है।'' श्रीगुरुजी इस प्रकार मराठी और हिंदी को समान प्रेम और आदर देते हैं, परंतु हिंदी को एकमात्र राष्ट्रीय भाषा मानने को तैयार नहीं हैं। वे कहते हैं, ''मैं मानता हूं कि अपनी सभी भाषाएं राष्ट्रीय हैं। ये हमारी राष्ट्रीय धरोहर हैं।

हिंदी भी उन्हीं में से एक है, परंतु उसके बोलने वालों की संख्या अधिक होने से उसे राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया है। यह दृष्टिकोण कि हिंदी ही एकमात्र राष्ट्रभाषा है और अन्य भाषाएं प्रांतीय हैं, वास्तविकता के विपरीत और गलत है।'' अतः सभी भाषाएं जो हमारी संस्कृति के विचारों का वहन करती हैं, शत-प्रतिशत राष्ट्रीय हैं। इस प्रकार श्रीगुरुजी हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं को राष्ट्रीय भाषाएं मानकर छोटी-बड़ी भाषा के अहंकार को समाप्त करके श्रेष्ठता के उन्माद एवं हीनता-ग्रंथि को भी नष्ट करते हैं। इसलिए वे हिंदी को अन्य देशी भाषाओं की तुलना में श्रेष्ठ नहीं मानते। वे कहते हैं कि तमिल तो 2,500 वर्ष से एक सुसंस्कृत भाषा के रूप में प्रचलित थी। अतः हिंदी अन्य प्रादेशिक भाषाओं की तुलना में न तो पुरानी है और न ही श्रेष्ठ है, परंतु राष्ट्रीय एकता, संस्कृति की संवाहिका, स्वत्व-बोधक, आत्मसम्मान की रक्षक तथा सार्वदेशिक होने के कारण वे हिंदी के वैशिट्य को स्वीकार करते हैं और उसे ही राजभाषा तथा प्रांतों से संपर्क एवं व्यवहार की भाषा के रूप में स्वीकार करते हैं।

उनका कहना है कि इस देश से अंग्रेजी को पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए और संस्कृत को राष्ट्रभाषा बनाया जाना चाहिए। वे लिखते हैं, भाषाओं की रानी, देववाणी संस्कृत इन सभी भाषाओं की प्रेरणा है। यह भाषा बहुत समृद्ध है और इसकी पवित्रता के कारण, केवल यही भाषा राष्ट्रीय मामलों का माध्यम बन सकती है। (पृ. 104)। जब गृह मंत्री कहते हैं, 'हम एक बार फिर अपने देश की सरकार अपनी भाषा में चलाएंगे', तो उन्हें यह कहने की जरूरत नहीं है कि वह किस भाषा की उम्मीद करते हैं।

जानबूझ कर यह कहने की जरूरत नहीं है कि संस्कृत को इस देश की राष्ट्रभाषा बनाना कितना अव्यावहारिक है। इस बात पर कोई विवाद नहीं है कि भारतीयों की उत्पत्ति संस्कृत से हुई है और इसके लिए संस्कृत के अध्ययन की आवश्यकता है। लेकिन जो भाषा नियमों से बंधी हुई है, जो व्यवहार से पूरी तरह गायब हो चुकी है, अगर वह आकाश में बैठी है तो पृथ्वी पर अनगिनत भारतीय बहुजनों की भाषा कैसे हो सकती है? क्या यह देश मुट्ठी भर संस्कृतवादियों या अरबों लोगों का है? संस्कृत के 'मृत' भाषा बनने या न होने पर क्या होगा, इसका हास्य-व्यंग्य करने के लिए आचार्य अत्रे या पीएल देशपांडे की प्रतिभा की जरूरत होती है।

शायद गुरुजी ने भी संस्कृत के बारे में इस तथ्य पर ध्यान दिया होगा, इसलिए वे लिखते हैं, ...दुर्भाग्य से, आज संस्कृत भाषा दैनिक व्यवहार में नहीं है। जब तक संस्कृत उस स्थान को प्राप्त नहीं कर लेती, तब तक हिंदी को एक सुविधाजनक स्थान के रूप में प्राथमिकता देनी होगी। स्वाभाविक रूप से, हम जो हिंदी चुनते हैं, वह अन्य सभी भारतीय भाषाओं की तरह संस्कृत-व्युत्पन्न होना चाहिए। हिंदी हम में से एक बड़े वर्ग की बोली है और इसे सीखना और बोलना भी सभी भाषाओं की तुलना में आसान है... अतः हमें राष्ट्रीय एकता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए हिन्दी को अपनाना चाहिए... यह विचार कि हिंदी पर अन्य भाषाओं द्वारा आक्रमण किया जा रहा है, घटिया राजनेताओं द्वारा तैयार की गई एक काल्पनिक कहानी है।

अब यह देखा जा सकता है कि महाराष्ट्र में शुरू से ही हिंदी को पाठ्यक्रम में शामिल करने पर जोर क्यों दिया जाता है। हिंदी हिंदू राष्ट्र की राष्ट्रभाषा बनी रहेगी, जो 'हिंदी राष्ट्र' के निर्माण में संघ और भाजपा के महत्वपूर्ण एजेंडे में से एक है। सच तो यह है कि अच्छी अंग्रेजी जानने का बुद्धिमत्ता और उपलब्धियों से कोई लेना-देना नहीं है।

कलम का अपमान पदवी का सम्मान

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

ज्ञानपुर के बीचों-बीच, जर्जर सी, पर भव्य दिखने वाली इमारत, 'ज्ञानपुर साहित्य संगम' का पता देती थी। बाहर से तो उसकी रंगत, दीवारों पर उकेरी गई कविताओं की कंदलें, और नीम के पेड़ के नीचे बैठे कबूतरों का गुटरगूँ, किसी गुरुकुल का भ्रम पैदा कर सकता था। मगर अंदर का हाल पूछिए तो 'गिरा अर्थ जल बीचि सम' वाला तुलसी का प्रेम, किसी 'कोका कोला और भेलपूरी' के संगम में बदल चुका था। यहाँ 'हिंदी' तो बस नाम भर की थी, एक 'ब्रांडिंग' के लिए, जैसे किसी दाल-रोटी के ढाबे पर 'पेंटहाउस' लिखा हो। और 'साहित्य?' अरे, साहित्य तो बेचारा कब का अपना बोरिया-बिस्तर बाँधकर, किसी अनजाने गाँव की कच्ची राह पर निकल चुका था, जहाँ मोबाइल नेटवर्क भी न पहुँच सके। यहाँ तो 'साहित्य निष्कासित कर दिया गया हो-सो हिंदी साहित्य संगम!' यह बहुब्रीहि समास का जीवंत उदाहरण था। कविराज दीनानाथ, जो अपनी कलम को अपनी साँसों से भी पवित्र मानते थे, अक्सर इस संगम के बाहर खड़े होकर एक लंबी आह भरते। उनकी कविताओं में जीवन की पीड़ा, समाज का यथार्थ और मनुष्य की आत्मा की अनकही कहानियाँ गूँजती थीं। पर इस संगम में, उनकी कविताओं के बोल, किसी सरकारी घोषणापत्र के सामने, मच्छर की भिनभिनाहट से भी कम सुनाई पड़ते थे। वे देखते कि कैसे साहित्य के नाम पर, साहित्यकारों का ही नहीं, बल्कि उस सरस्वती का भी अपमान हो रहा है, जिसकी वंदना करके सदियों से ये मंच पवित्र किए जाते थे। उनका हृदय इस विडंबना को देखकर रो उठता था, जैसे कोई बूढ़ा पिता अपने जवान बेटे को गलत राह पर जाते देख कराह उठे। ज्ञानपुर की गलियों में कविराज दीनानाथ के लिए सम्मान था, पर 'ज्ञानपुर साहित्य संगम' में वे बस एक 'फालतू' आदमी थे, जिसकी बात कोई सुनना नहीं चाहता। संगम में एक भव्य 'अभिनंदन समारोह' की घोषणा हुई। शहर में खबर फैलते ही, साहित्य प्रेमियों की आँखें चमक उठीं। वाह! आखिर किसी सच्चे साहित्यकार को सम्मान मिलेगा! कोई बोला। कहीं कविराज दीनानाथ ही तो नहीं? किसी के मुँह से अनायास ही निकल गया। कल्पना कीजिए, एक साहित्यकार, जिसने अपनी पूरी उम्र, अपनी कलम के बल पर, फटेहाली और गुरबत में गुजारी हो, उसे इस उम्र में मान-सम्मान मिल जाए तो उसका हृदय कैसे प्रफुल्लित होगा? दीनानाथ जी के शिष्यों ने भी अपने गुरु की ओर आशा भरी नज़रों से देखा। मगर, हास्य-व्यंग्य के देवता ने एक अदृश्य मुस्कान के साथ अपना पहला 'पंच' जड़ा। मंच पर 'साहित्य शिरोमणि श्री कृपाचंद' जी पधारे, जिनके चेहरे पर चिकनाई और वाणी में मक्खन कुछ इस तरह लिपटा था कि सुनने वालों को शुगर की शिकायत होने लगे। उन्होंने माइक सँभाला, आवाज़ में कृत्रिम गंभीरता भरते हुए बोले, देवियों और सज्जनों! आज ज्ञानपुर साहित्य संगम इतिहास रचने जा रहा है। हम उस महान विभूति का अभिनंदन करने जा रहे हैं, जिन्होंने... यहाँ तक तो सबने सोचा, अब कविराज का नाम आएगा। जिन्होंने अपने अथक प्रयासों से, इस प्रांत के विकास में चार चाँद नहीं, बल्कि पूरे ब्रह्मांड के नक्षत्र जड़ दिए हैं! अब पब्लिक थोड़ी कन्फ्यूज हुई।

अंतर्राष्ट्रीय संसदीय दिवस संसदों के अंतर्मंथन का क्षण

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब हम किसी राष्ट्र की आत्मा को समझने की कोशिश करते हैं, तो सबसे पहले हमारे सामने उसकी संसद की छवि उभरती है—वह पवित्र मंच, जहाँ जनता की आकांक्षाएँ, चिंताएँ और अधिकार एक स्वर में गूंजते हैं। संसद केवल कानूनों का कारखाना नहीं, बल्कि लोकतंत्र का वह जीवंत हृदय है, जो हर नागरिक की धड़कनों को प्रतिबिंबित करता है। इस जीवंतता को वैश्विक स्तर पर और सशक्त करने के लिए हर साल 30 जून को अंतर्राष्ट्रीय संसदीय दिवस मनाया जाता है। यह दिन केवल संसदों की उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि उनके दायित्वों, चुनौतियों और भविष्य की दिशा में गहन चिंतन का अवसर है। यह एक ऐसा आह्वान है, जो संसदों को याद दिलाता है कि वे केवल सत्ता का केंद्र नहीं, बल्कि जनता की आवाज़, विश्वास और उम्मीदों का प्रतीक हैं।

इस महत्वपूर्ण दिवस की शुरुआत 2018 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव के माध्यम से हुई, जब 30 जून को अंतर्राष्ट्रीय संसदीय दिवस के रूप में मान्यता दी गई। यह तारीख संयोगवश 1889 में स्थापित इंटर-पार्लियामेंटरी यूनियन (आईपीयू) की स्थापना की वर्षगांठ से भी जुड़ी है। आईपीयू वह वैश्विक संगठन है, जिसने 136 साल पहले संसदों को एक मंच पर लाकर वैश्विक संवाद, शांति और लोकतंत्र को बढ़ावा देने की नींव रखी। इसका नारा—"लोकतंत्र के लिए, सभी के लिए" और उद्देश्य "संसदों के माध्यम से विश्व शांति और विकास के लिए हर आवाज़ को सुनना" आज भी उतना ही प्रासंगिक है। 2025 में इस दिवस की थीम "संसद और सतत विकास लक्ष्यः लैंगिक समानता और समावेशिता" न केवल समय की मांग है, बल्कि लोकतंत्र की सच्ची आत्मा को उजागर करती है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि कोई भी लोकतंत्र तब तक पूर्ण नहीं हो सकता, जब तक उसमें हर वर्ग—महिलाएँ, युवा, हाशिए पर पड़े समुदाय, और सामाजिक रूप से उपेक्षित लोग—की समान भागीदारी सुनिश्चित न हो।

आज विश्व संयुक्त राष्ट्र के 2030 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की ओर तेज़ी से बढ़ रहा है। इन 17 लक्ष्यों में लैंगिक समानता (एसडीजी-5) और मज़बूत, समावेशी संस्थानों का निर्माण (एसडीजी-16) संसदों के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। आंकड़े बताते हैं कि वैश्विक स्तर पर संसदों में महिलाओं की भागीदारी अभी भी केवल 26% है (आईपीयू, 2023), जबकि भारत में यह आंकड़ा और भी कम, लगभग 14.4% (लोकसभा, 2024) है। यह असंतुलन न केवल लैंगिक समानता के लिए चुनौती है, बल्कि लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर भी सवाल उठाता है। संसदें नीतियां बनाती हैं, संसाधनों का आवंटन करती हैं और सरकार को जवाबदेह बनाती हैं। लेकिन अगर इन नीतियों में आधी आबादी की आवाज़ शामिल नहीं है, तो क्या यह लोकतंत्र वास्तव में "सभी के लिए" है?

भारत, जो विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, इस संदर्भ में एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करता है। भारतीय संसद, लोकसभा और राज्यसभा, करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं का केंद्र है। यह वह मंच है, जहाँ 1.4 अरब लोगों की विविधता को एक स्वर में ढाला जाता है। लेकिन इस विविधता को प्रतिबिंबित करने के लिए संसद को और अधिक समावेशी होना होगा। उदाहरण के लिए, नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के तहत संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण का प्रावधान एक ऐतिहासिक कदम है, लेकिन इसका पूर्ण कार्यान्वयन अभी बाकी है।

इसी तरह, युवाओं और हाशिए पर पड़े समुदायों जैसे आदिवासियों, दलितों, और एलजीबीटीक्यू+ समुदाय को संसद में अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में 65% आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, लेकिन संसद में युवा सांसदों की संख्या केवल 12% के आसपास है। यह असंतुलन न केवल नीतियों को प्रभावित करता है, बल्कि युवाओं के बीच राजनीतिक संस्थानों के प्रति विश्वास को भी कम करता है। अंतर्राष्ट्रीय संसदीय दिवस हमें उन मूलभूत सवालों से रूबरू कराता है, जो अक्सर संसदीय बहसों के शोर में दब जाते हैं।

क्या संसदें जनता के सबसे ज़रूरी मुद्दों को प्राथमिकता दे रही हैं? क्या वे लैंगिक भेदभाव, सामाजिक असमानता और पर्यावरणीय संकट जैसे मुद्दों पर ठोस कदम उठा रही हैं? आईपीयू की 2022 की वैश्विक संसदीय रिपोर्ट के अनुसार, केवल 40% संसदों ने ही सतत विकास लक्ष्यों को अपनी नीतियों में स्पष्ट रूप से शामिल किया है। यह आंकड़ा चेतावनी देता है कि संसदों को अपनी भूमिका को और अधिक सक्रिय और प्रभावी बनाना होगा। भारत में, उदाहरण के लिए, संसद ने जलवायु परिवर्तन (एसडीजी-13) और शिक्षा (एसडीजी-4) जैसे क्षेत्रों में कई नीतियां बनाई हैं, लेकिन उनकी निगरानी और कार्यान्वयन में कमी दिखती है।

सावन के पहले दिन इन 5 जगहों पर जरूर जलाएं दीपक महादेव होंगे प्रसन्न

सावन का हर दिन खास होता है, क्योंकि ये महीना शिव जी को समर्पित है। सावन में दीपक कहां-कहां जलाना चाहिए जान लें, कहते हैं इससे हर कार्य सिद्ध होते हैं। धन-संपन्नता में बढ़ोत्तरी होती है।

किस्मत आपसे रूठ गई है, कार्य में बार बार बाधा आ रही है, व्यापार भी मंद पड़ा है तो सावन को हर रात शिव मंदिर में महुआ तेल में आठ बाती वाला दीपक जलाना है। महुआ तेल भगवान शिव का अति प्रिय माना जाता है। इससे सारे संकट दूर होते है ऐसी मान्यता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सावन के पहले या किसी भी दिन खासकर सावन सोमवार की रात किसी भी शिव मंदिर में जाकर शिवालय के समक्ष दीपक अवश्य जलाना चाहिए। मान्यता है इससे जीवन में छाया आर्थिक तंगी रूपी अंधकार मिट जाता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, सावन के पहले या किसी भी दिन खासकर सावन सोमवार की रात किसी भी शिव मंदिर में जाकर शिवालय के समक्ष दीपक अवश्य जलाना चाहिए। मान्यता है इससे जीवन में छाया आर्थिक तंगी रूपी अंधकार मिट जाता है।

सावन के पहले दिन या सोमवार की शाम के समय बेलपत्र के पौधे के पास भी दीया जलाना चाहिए। इस वृक्ष में शिव जी का वास होता है। ऐसा करने पर धन-धान्य में बढोत्तरी होती है।

सावन माह में शाम को घर के मुख्य द्वार पर मिट्टी का घी का दीपक जलाएं। इस उपाय के प्रभाव से घर में नकारात्मक ऊर्जा प्रवेश नहीं करती है। सुख-शांति स्थापित होती है।

घर के ईशान कोण में देवी-देवता वास करते हैं। वैसे तो यहां हर दिन दीपक जलाना चाहिए लेकिन सालभर ऐसा नहीं कर सकते तो सावन में जरुर करें। कहते हैं इससे धन लक्ष्मी आकर्षित होती है। घर में बरकत का वास होता है।

इस साल सावन 11 जुलाई से शुरू हो रहा है जो पूरा एक महीना रहता है। सावन की समाप्ति 9 अगस्त को सावन पूर्णिमा पर होगी।

दही, साग... सावन में क्यों नहीं खाते ये 4 चीजें?

सावन का महीना हिंदू धर्म में बहुत पवित्र माना जाता है। इस दौरान भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व होता है और व्रत-उपवास रखने से लेकर खानपान तक में खास सावधानी बरती जाती है। खासकर सावन में कुछ चीजें खाने से मना किया जाता है, जैसे दही, हरी पत्तेदार सब्जियां (साग) और बैंगन। लोग इसे धार्मिक मान्यताओं से जोड़ते हैं, लेकिन इसके पीछे वैज्ञानिक कारण भी हैं, जो हमारे स्वास्थ्य से जुड़े हैं। आइए जानते हैं कि आखिर सावन में इन चीजों को क्यों खाने से मना किया जाता है और इससे जुड़ी साइंस क्या कहती है।

दही क्यों नहीं खाते सावन में?

दही वैसे तो पाचन के लिए अच्छा माना जाता है और गर्मियों में शरीर को ठंडक देने के लिए इसका सेवन किया जाता है। लेकिन सावन के समय वातावरण में नमी और उमस बहुत ज्यादा होती है, जिससे बैक्टीरिया तेजी से पनपते हैं। इस मौसम में दही जल्दी खट्टा हो जाता है, और इसमें हानिकारक बैक्टीरिया पनप सकते हैं।

इसे खाने से पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे गैस, अपच, दस्त और फूड पॉइजनिंग हो सकती हैं। आयुर्वेद के अनुसार, सावन में वात दोष बढ़ता है और दही का सेवन इस दोष को और बढ़ा सकता है, जिससे शरीर में असंतुलन हो सकता है। इसलिए इस महीने में दही की बजाय छाछ या मट्ठे का सेवन करना ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

साग क्यों नहीं खाते सावन में?

हरी पत्तेदार सब्जियां जैसे पालक, सरसों, मेथी आदि को भी सावन के महीने में खाने से परहेज किया जाता है। इसका कारण यह है कि इस मौसम में मिट्टी में ज्यादा नमी होती है, जिससे सब्जियों की जड़ों और पत्तियों में कीड़े लगने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अलावा, बारिश का पानी खेतों में जमा हो जाता है जिससे सब्जियों में फंगस और बैक्टीरिया पनप सकते हैं। अगर इस तरह की सब्जियां ठीक से न धोई जाएं, तो यह पेट संक्रमण, दस्त या टाइफाइड जैसी बीमारियों का कारण बन सकती हैं। इसलिए आयुर्वेद और विज्ञान दोनों यही सलाह देते हैं कि सावन में हरी सब्जियों के सेवन से बचना चाहिए या बहुत अच्छे से साफ करके पकाना चाहिए।

बैंगन को लेकर धार्मिक मान्यता है कि यह एक तामसिक भोजन है और भगवान शिव को सात्विक भोजन चढ़ाया जाता है। इसके अलावा, बैंगन को 'गंदगी में उगने वाली सब्जी' माना जाता है क्योंकि इसकी खेती गीली और कीट-पतंगों से भरी मिट्टी में होती है। वैज्ञानिक नजरिए से देखा जाए तो सावन में बैंगन में कीड़ों के अंडे होने की संभावना ज्यादा रहती है, क्योंकि यह सब्जी आसानी से संक्रमित हो सकती है। यह भी एक कारण है कि सावन में बैंगन खाने से मना किया जाता है, ताकि संक्रमण से बचा जा सके।

सावन के महीने में कढ़ी खाना मना किया जाता है क्योंकि यह दही से बनती है, जो इस मौसम में वात और कफ दोष को बढ़ा सकती है। इस समय पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है, ऐसे में खट्टी और भारी चीजें पेट को नुकसान पहुंचा सकती हैं। कढ़ी जल्दी खराब भी हो जाती है जिससे फूड पॉइजनिंग या पेट की समस्याएं हो सकती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, सावन में सात्विक और हल्का भोजन करना शुभ माना गया है। इसलिए कढ़ी, दही और साग जैसी चीजों से परहेज करना बेहतर होता है।

उत्तरमुखी घर को क्यों माना जाता है सबसे शुभ?

वास्तु शास्त्र में घर की दिशा का विशेष महत्व बताया गया है। विशेष रूप से उत्तर दिशा को अत्यंत शुभ माना गया है क्योंकि यह दिशा धन के देवता कुबेर से जुड़ी होती है। ऐसे में उत्तरमुखी घरों को समृद्धि, सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा के स्रोत के रूप में देखा जाता है। आइए जानते हैं क्यों उत्तरमुखी घरों को इतना विशेष माना जाता है और किन उपायों से इनका प्रभाव और बढ़ाया जा सकता है।

उत्तरमुखी घर क्यों होते हैं शुभ?

उत्तरमुखी घरों को वास्तु शास्त्र में अत्यंत लाभकारी बताया गया है। जब किसी मकान का मुख्य द्वार इस प्रकार होता है कि बाहर निकलते समय चेहरा उत्तर दिशा में होता है, तो वह मकान उत्तरमुखी कहलाता है। यह दिशा भगवान कुबेर की मानी जाती है, जो धन और वैभव के प्रतीक हैं। इसलिए उत्तरमुखी मकान को आर्थिक रूप से उन्नति दिलाने वाला माना गया है।

व्यवसाय और वित्त से जुड़े लोगों के लिए उत्तम उत्तरमुखी मकानों को खासतौर पर बैंकिंग, वित्तीय सेवा और प्रॉपर्टी से जुड़े लोगों के लिए फायदेमंद माना गया है। यह दिशा नई संभावनाओं और लाभ के अवसरों को आमंत्रित करती है। यदि व्यापार में स्थिरता और मुनाफा चाहते हैं, तो उत्तरमुखी घर एक बेहतर विकल्प हो सकता है।

उत्तर दिशा की साफ-सफाई और सजावट के उपाय

यदि आप उत्तरमुखी घर के लाभ को और अधिक बढ़ाना चाहते हैं, तो इस दिशा को हमेशा साफ-सुथरा रखें। यहां हरे पौधे लगाना और पीतल की गदा स्थापित करना शुभ माना गया है। इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नए अवसरों का आगमन होता है।

सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बनाए रखता है यह घर

उत्तरमुखी घरों में स्वाभाविक रूप से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है। यह ऊर्जा घर के वातावरण को शांतिपूर्ण और संतुलित बनाए रखती है। इस दिशा में बने घरों में रहने वालों को मानसिक सुकून और शारीरिक स्वास्थ्य में लाभ मिलता है।

भरपूर धूप और रोशनी से ऊर्जा में वृद्धि

उत्तर दिशा से आने वाली सूर्य की रोशनी घर के अंदर तक पहुंचती है, जिससे वातावरण जीवंत और ऊर्जावान बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में सूर्य की रोशनी का प्रवेश बहुत शुभ होता है। यह नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त कर सकारात्मकता को बढ़ावा देती है, जिससे करियर और आर्थिक स्थिति में सुधार होता है।

आर्थिक सफलता और समृद्धि का संकेत

उत्तर दिशा को समृद्धि की दिशा कहा जाता है। उत्तरमुखी मकान में लगातार सकारात्मक ऊर्जा बहती रहती है, जो धन-संपत्ति, सामाजिक प्रतिष्ठा और पारिवारिक सुख-शांति के द्वार खोलती है। यह घर न केवल आर्थिक दृष्टि से, बल्कि जीवन के हर पहलू में शुभ परिणाम देने में सक्षम होता है।

महादेव से मनाइए... सावन में आए सपना और दिख जाए इन 5 में से कोई एक चीज

अगले महीने यानी जुलाई में सावन शुरू होने वाला है। तमाम शिवालयों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। सावन का महीना महादेव को समर्पित है। इस महीने में महादेव की विशेष पूजा होती है। महादेव के भक्तों के लिए भी ये महीना बेहद खास होता है। वहीं, सावन शुरू होने के पहले या सावन में कुछ स्वप्न भी विशेष रूप से भक्तों को दिखते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अगर सावन में या सावन के पहले महादेव से जुड़ी कुछ चीजें सपने में दिखने लगें तो ये बेहद शुभ होता है। 11 जुलाई से सावन शुरू होगा। उज्जैन के ज्योतिष आनंद भारद्वाज ने बताया कि अगर सावन में या उससे पहले कुछ चीजें आपको स्वप्न में दिखें तो मान लीजिए कि पूरा महीना बेहद शुभ होने वाला है या इस सावन में आपकी किस्मत पलटने वाली है।

सावन में सपने में दिख ये चीजें तो...

सावन महीना शुरू होने से पहले या शुरू होने के बाद सपने में कोई शिवलिंग दिखे तो इसे शिव भक्ति का विशेष फल माना जाता है। सपने में शिवलिंग को देखना स्वयं भोलेनाथ को देखने के समान है। ऐसा सपना देखने का मतलब है कि आपको जल्द ही कोई शुभ समाचार मिल सकता है। यदि किसी कन्या को सपने में शिवलिंग दिखाई तो शीघ्र ही विवाह होने वाला है।

सावन के महीने में यदि सपने में डमरू दिखाई दे तो इसे भी बहुत शुभ माना जाता है। ये आपके जीवन में स्थिरता आने का संकेत है। इसका अर्थ होता है कि आपके घर में कोई मांगलिक कार्य जैसे विवाह आदि हो सकता है।

शास्त्रों के अनुसार, नंदी को शिव का गण और महादेव का वाहन माना जाता है। अगर सावन के महीने में सपने में बैल दिख जाए तो समझ जाइए कि शिव जी आपसे प्रसन्न हैं। सपने में नंदी को देखना इस बात का संकेत है कि आपको हर कार्य में सफलता मिलने वाली है।

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, त्रिशूल दिखे तो ये भी बहुत शुभ है। त्रिशूल को रज, तम और सत गुण का प्रतीक माना जाता है। इन्हीं को जोड़कर त्रिशूल बना है। मान्यता के अनुसार, भगवान शिव के त्रिशूल के तीनों शूल काम, क्रोध और लोभ को नष्ट करने हैं। सपने में त्रिशूल का दिखना इस बात का संकेत है कि आपको जल्द ही कष्टों से छुटकारा मिलने वाला है।

सावन में किसी व्यक्ति के सपने में नाग देवता दिख जाएं, तो इसे भी काफी शुभ माना जाता है। नाग देवता का सपने में आना धन वृद्धि का संकेत होता है।

हर बार लगती है मेहनत की वाट? कुंडली में बना है कालसर्प योग

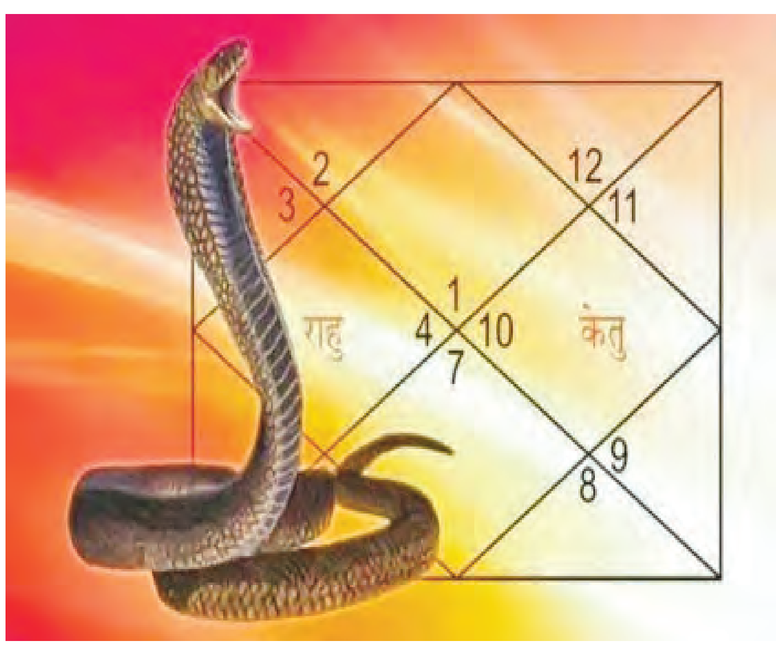

कुंडली मे कैसे बनता है कालसर्प दोष?

शास्त्रों के अनुसार, जब कुंडली में राहु और केतु एक तरफ मौजूद होते हैं और बाकी सभी ग्रह इनके बीच में स्थित हों तब कालसर्प योग या दोष बनता है। ऐसा कहा जाता है कि जिनकी कुंडली में ऐसी स्थिति बनती है उन्हें जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इन लोगों को सफलता पाने में देरी लगती है। कई लोगों के जीवन में इस योग की वजह से अशांति मची रहती है।

कालसर्प दोष होने पर मिलते हैं ये लक्षण

सपनों में बार-बार मृत लोगों को देखना या सपने में सांपों का दिखना।

सपने में यह महसूस होना कि कोई आपका गला दबा रहा है।

साथ ही लगातार मानसिक तनाव और अकेलापन महसूस करना।

कारोबार में बार-बार हानि होना और नौकरी में संघर्ष का सामना करना

नींद में बार-बार जागना या सपनों में झगड़े होते रहना।

साथ ही वैवाहिक जीवन में तनाव और जीवनसाथी से विवाद होना। इस प्रकार अगर जातक को परेशनी हो तो वह कालसर्प दोष हो सकता है।

जानिए कालसर्प दोष के उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिन जातकों की कुंडली में कालसर्प दोष है उन्हें नियमित रूप से भगवान विष्णु की पूजा करना चाहिए।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कालसर्प दोष निवारण के लिए शनिवार के दिन बहते पानी में कोयले के टुकड़े प्रवाहित करें।

कालसर्प दोष निवारण के लिए बहते पानी में मसूर की दाल और साबुत नारियल प्रवाहित करें लाभ होगा।

कालसर्प दोष निवारण के लिए सावन के महीने में महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना और भगवान शिव की प्रतिमा पर नियमित रूप से दूध मिला जल पतली धारा में अर्पित करना लाभकारी माना गया है। इन उपायों से यह कालसर्प दोष शांत होता है।

आपका प्रोडक्ट है बेस्ट? तो ये वास्तु उपाय अपनाइए, पैसा खुद आने लगेगा

हर इंसान की जिंदगी में एक सवाल बार-बार आता है – पैसा क्यों नहीं आता? हम मेहनत भी करते हैं, समय भी लगाते हैं, फिर भी आय का स्रोत स्थिर नहीं बन पाता। इसका कारण सीधा है – जब तक आपका प्रोडक्ट या आपकी सर्विस नहीं बिकेगी, तब तक पैसा नहीं आएगा।

अगर आप कोई प्रोडक्ट बेचते हैं, जैसे कपड़े, किताबें, सजावट का सामान या कोई भी वस्तु – तब पैसा तभी आएगा जब लोग उसे पसंद करेंगे और खरीदेंगे। वहीं अगर आप कोई सर्विस देते हैं, जैसे डॉक्टर, लॉयर, वास्तु एक्सपर्ट, कंसल्टेंट या ट्रेनर – तब भी तब तक पैसा नहीं आएगा जब तक लोग आपकी सर्विस को चुनें और इस्तेमाल करें।

अब सवाल ये उठता है कि सिर्फ मेहनत ही काफी नहीं है, किस्मत का साथ भी जरूरी है। और किस्मत से जुड़ी बातों में वास्तु का बड़ा रोल होता है। खासकर जब बात बिज़नेस, सेल्स या कमाई की हो।

पैसा लाने वाली दिशा – नॉर्थ नॉर्थ-वेस्ट

वास्तु के मुताबिक पैसा और कस्टमर को अट्रैक्ट करने वाली दिशा होती है – नॉर्थ नॉर्थ-वेस्ट, यानी उत्तर और उत्तर-पश्चिम के बीच का हिस्सा। इसे ग्राहक और पैसा खींचने वाला क्षेत्र माना जाता है।

अगर आप चाहते हैं कि आपकी इनकम बढ़े और ग्राहक खुद चलकर आएं, तो आपको बस इतना करना है:

-अपने प्रोडक्ट के कुछ सैंपल (नए या डमी) तैयार करिए और इन्हें अपने घर या ऑफिस में नॉर्थ-नॉर्थ वेस्ट दिशा में रखिए।

-अगर आपकी सर्विस है, जैसे आप डॉक्टर, लॉयर या कंसल्टेंट हैं – तो अपनी सर्विस से जुड़ा कोई कैटलॉग, ब्रोशर, विज़िटिंग कार्ड या रेट कार्ड इसी दिशा में सजाकर रखें।

कैसे काम करता है यह उपाय?

जब आप अपने प्रोडक्ट या सर्विस को इस दिशा में रखते हैं, तो वह अपने आप पोटेंशियल क्लाइंट्स को आकर्षित करने की ऊर्जा पैदा करता है। ये दिशा ऐसे विचार और मौके आपकी ओर खींचने लगती है जो आपके काम को आगे बढ़ा सकते हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑक्सीजन न मिलने से मरीज की मौत, लोगों में आक्रोश

शहडोल, 29 जून (एजेंसियां)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर में ऑक्सीजन की कमी के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई है। घटना से लोगों में काफी नाराजगी है। प्रदेश और जिला प्रशासन लोगों को सही उपचार मिल सके इसको लेकर कई योजनाओं के साथ-साथ व्यवस्थाएं बना रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर हकीकत कुछ और है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयसिंहनगर में स्वास्थ्य सुविधा बेपटरी हो चुकी है। इसका उदाहरण सामने आया, जब ऑक्सीजन की कमी के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई। सांस की तकलीफ होने पर वार्ड क्रमांक 2 निवासी योगेश्वर पाण्डेय 65 वर्ष निवासी जयसिंहनगर को अस्पताल लाया गया। परिजनों के अनुसार दोपहर बाद 3 बजे उन्हें भर्ती कराया गया। मरीज की हालत ठीक थी, परन्तु चार बजे बिजली चली गई। जिससे मरीज को ऑक्सीजन की आपूर्ति बंद हो गई। मरीज की हालत बिगड़ने लगी। परिजनों द्वारा बीएमओ डॉ। केएल दीवान से संपर्क किया गया, परन्तु आधे घंटे तक ऑक्सीजन सिलिंडर की व्यवस्था न होने से मरीज ने दम तोड़ दिया।

हसीना सरकार पर चुनावी धांधली की जांच शुरू यूनुस के सहयोगी बोले- अब होंगे निष्पक्ष चुनाव

ढाका, 29 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश में अगले साल होने वाले आम चुनाव को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। इसी बीच, देश की अंतरिम सरकार ने बड़ा दावा किया है कि यह चुनाव बांग्लादेश के इतिहास में सबसे निष्पक्ष और शांतिपूर्ण होंगे। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने यह बात शनिवार को खुलना शहर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र बहाल करने और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सरकार ने हर जरूरी कदम उठाए हैं। शफीकुल आलम ने साफ किया कि जुलाई 2024 में हुए जनविद्रोह का मुख्य मकसद बांग्लादेश में लोकतंत्र की वापसी था। इसी आंदोलन के बाद शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार को सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इस जनविद्रोह में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया था।

अंततः 5 अगस्त 2024 को हसीना सरकार गिर गई और वह भारत चली गईं। इसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी अंतरिम सरकार ने देश में लोकतांत्रिक माहौल बहाल करने का वादा किया। इसी कड़ी में अंतरिम सरकार ने बीते सप्ताह एक पांच सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। इस समिति का नेतृत्व हाईकोर्ट के पूर्व जज शमीम हसनैन कर रहे हैं। समिति 2014, 2018 और 2024 में हुए आम चुनावों में कथित धांधली, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक हस्तक्षेप की जांच करेगी। आरोप है कि इन चुनावों में सत्ताधारी अवामी लीग ने सत्ता में बने रहने के लिए बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की थी और नागरिकों के वोट देने के अधिकार को छीना गया।

सरकार की ओर से जारी आधिकारिक नोटिफिकेशन के अनुसार, यह समिति 30 सितंबर 2025 तक अपनी रिपोर्ट देगी। रिपोर्ट में न केवल बीते चुनावों में हुई अनियमितताओं की जानकारी दी जाएगी, बल्कि भविष्य में चुनावों को पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के सुझाव भी शामिल होंगे।

सीजफायर होते ही तेजी से अपने मिशन में जुटा ईरान

12 दिन की जंग में तबाह नहीं कर पाए अमेरिका और इजराइल

तेहरान, 29 जून (एजेंसियां)। इजराइल और ईरान के बीच जंग के बाद ईरानी सेना ने जो नई धमकी जारी की है, वो सीधे तौर पर इजरायल और अमेरिका के लिए है। सैटेलाइट तस्वीरों से इस बात की जानकारी सामने आई है कि सीजफायर के 3 दिन बाद ही ईरान ने अपने 3 अंडरग्राउंड एटमी सेंटर पर परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू कर दिया है।

ये जानकारी व्हाइट हाउस तक पहुंची तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बुरी तरह से भड़क गए। ट्रंप ने एक बार फिर से ऐलान कर दिया कि अगर ईरान ने फिर से एटम बम बनाने की कोशिश की, तो उसका वजूद मिटा देंगे। जिस तरह से मध्य पूर्व में तनाव बढ़ता जा रहा है उससे तो यही लग रहा है कि अरब में अब महायुद्ध का आरंभ होने जा रहा है। नए खुलासे के बाद ईरान और इजरायल के बीच सीजफायर के जल्द ही टूटने के आसार लग रहे हैं। कयास यही लगाए जा रहे हैं कि इजरायल और अमेरिका ईरान के एटमी ठिकानों पर फिर से हमला कर सकते हैं।

सीजफायर के 3 दिन बाद ईरान फिर एक्टिव

अगर अगला हमला हुआ तो ये वो हमला बन सकता है, जिससे तीसरे विश्व युद्ध की शुरुआत अरब क्षेत्र में हो सकती है। अरब में महाविनाश की संभावना इसलिए बढ़ गई है क्योंकि सीजफायर के महज तीन दिन बाद ईरान का परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू हो गया है। पिछले संघर्ष में इजरायल और अमेरिका ईरान के संवर्धित यूरेनियम को तबाह नहीं कर पाए। लिहाजा ईरान ने अपने 3 बड़े एटमी सेंटर इस्फहान, फोर्दो और नतांज पर काम शुरू कर दिया है। ईरान के संवर्धित यूरेनियम और ईरान का एटमी कार्यक्रम ही महायुद्ध की वजह बन सकता है।

सैटेलाइट तस्वीरें कर रहीं खुलासा

ईरान का परमाणु मिशन फिर से शुरू हो चुका है, इसके सबूत सैटेलाइट तस्वीरों से मिले हैं। सैटेलाइट तस्वीरें बताती हैं कि इस्फहान न्यूक्लियर सेंटर की में काम शुरू हो गया है। पहली तस्वीर बाईं तरफ वाली 26 जून की है, जबकि दाईं तरफ वाली तस्वीर 27 जून की है। 26 जून तक इस्फहान एटमी सेंटर का एंट्री गेट बंद था, लेकिन 27 जून को ये फिर से खुल गया। इसका मतलब ये हुआ कि इस्फहान सेंटर पर ईरान का परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू हो चुका है।

अब इस सैटेलाइट तस्वीर को देखिए। ये फोर्दो न्यूक्लियर सेंटर की तस्वीर है। इसी फोर्दो सेंटर पर अमेरिका ने बंकर बस्टर बम से हमले किए थे। अब यहां मरम्मत का काम शुरू हो चुका है। तस्वीरों में खुदाई और मरम्मत के लिए बड़ी-बड़ी मशीनें दिख रही हैं।

अमेरिका ने किया था ईरानी परमाणु स्थल पर हमला

फोर्दो न्यूक्लियर सेंटर की सैटेलाइट तस्वीर से पता चलता है कि फोर्दो का ऊपरी हिस्सा बर्बाद नजर आ रहा है। उसके आस-पास कई मशीनें और गाड़ियां नजर आ रही हैं। इसका मतलब ये हुआ कि फोर्दो एटमी सेंटर पर तेजी से मरम्मत का काम चल रहा है। इस बीच 27 फरवरी को इजरायली मीडिया ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि ईरान के नतांज एटमी सेंटर पर भी काम शुरू हो चुका है।

मात्र तीन दिन में ही ईरान का एटमी अभियान इसलिए शुरू हो गया क्योंकि उसके संवर्धित यूरेनियम सुरक्षित हैं। अमेरिका ने माना है कि इस्फहान पर जीबीयू-57 बंकर बस्टर बम से हमला इसलिए नहीं किया क्योंकि जमीन में 200 मीटर नीचे ये बम जाकर विस्फोट करने में कारगर नहीं है।

अमेरिका के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल डेन केन ने अमेरिकी सांसद को बताया कि अमेरिका ने ईरान के इस्फहान सेंटर पर जीबीयू-57 बंकर बस्टर बम से हमला इसलिए नहीं किया क्योंकि वो अंडरग्राउंड एटमी सेंटर तक नहीं पहुंच पाता। अमेरिकी एयरफोर्स ने फोर्दो और नतांज पर ही बी-2 बॉम्बर से जीबीयू-57 बंकर बस्टर गिराए। यहां हमला कर अमेरिका ने अपने जीबीयू-57 बम का टेस्ट भी कर लिया। उधर यूरोपियन यूनियन की इंटेलिजेंस एजेंसियों को जो खुफिया जानकारी मिली है, उसके मुताबिक ईरान के संवर्धित यूरेनियम को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। उसके सभी 408 किलो यूरेनियम सुरक्षित हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप किसी भी सूरत में ईरानी परमाणु केंद्रों की निगरानी करवाना चाहते हैं। ट्रंप ने आईएईए या फिर कोई दूसरी संस्था से ईरानी एटमी ठिकानों की जांच करवाने की मांग की है। लेकिन ईरान इसके लिए तैयार नहीं है।

पाक में सुबह-सुबह कांपी धरती भूकंप की तीव्रता 5.2, लोगों में दहशत

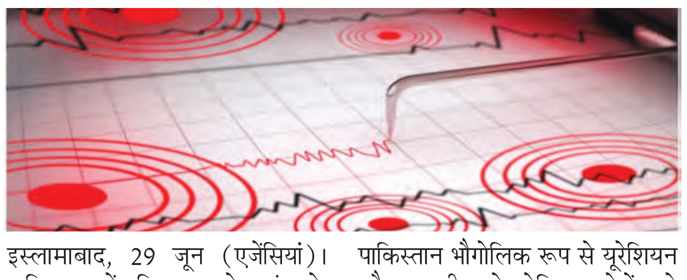

इस्लामाबाद, 29 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान में रविवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई है। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि दहशत की वजह से लोग अपने घरों से बाहर आ गए।

रविवार की सुबह 3:54 बजे पाकिस्तान में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस के अनुसार, भूकंप 150 किलोमीटर की गहराई पर आया था। पाकिस्तान दुनिया के सबसे भूकंपीय रूप से सक्रिय देशों में से एक है। नतीजतन, पाकिस्तान में अक्सर भूकंप आते हैं और विनाशकारी होते हैं। पाकिस्तान भौगोलिक रूप से यूरेशियन और भारतीय टेक्टोनिक प्लेटों को ओवरलैप करता है। बलूचिस्तान, संघ प्रशासित जनजातीय क्षेत्र, खैबर पख्तूनख्वा और गिलगित-बाल्टिस्तान प्रांत ईरानी पठार पर यूरेशियन प्लेट के दक्षिणी किनारे पर स्थित हैं। सिंध, पंजाब और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर प्रांत दक्षिण एशिया में भारतीय प्लेट के उत्तर-पश्चिमी किनारे पर स्थित हैं। हालांकि, यह क्षेत्र हिंसक भूकंपों के लिए जाना जाता है, क्योंकि दो टेक्टोनिक प्लेट आपस में टकराती हैं। अभी तक किसी नुकसान की कोई रिपोर्ट सामने नहीं आई है।

तेहरान की कुख्यात एविन जेल पर इजरायल ने किया था बड़ा हमला

ईरानी अदालत ने कहा-मारे गए 71 लोग

दुबई, 29 जून (एजेंसियां)। ईरान से चल रहे युद्ध के दौरान इजरायल ने तेहरान की कुख्यात एविन जेल पर बहुत भयानक हमला किया था। ईरान की न्यायपालिका ने कहा कि जेल पर गत सोमवार को इजरायल द्वारा किए गए हमले में कम से कम 71 लोग मारे गए थे। इस जेल में कई राजनीतिक कार्यकर्ताओं को रखा गया है।

यह ईरान के ऊपर इजरायल का बहुत बड़ा हमला माना जा रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी 'मिजान' की वेबसाइट पर रविवार को प्रसारित खबर में न्यायपालिका के प्रवक्ता असगर जहांगीर ने कहा कि मारे गए लोगों में कर्मचारी, सैनिक, कैदी और मिलने आए परिवारों के सदस्य शामिल हैं। एविन जेल तेहरान के एविन इलाके में स्थित है। इसलिए इसे एविन जेल कहते हैं। यहां 10 से 15 हजार कैदियों को

रखने की व्यवस्था है। यहां पर प्रमुख रूप से राजनीतिक नजरबंद लोगों, पत्रकारों, अकादमिक लोगों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, दोहरी नागरिकता धारक और विदेशी कैदी रखे जाते हैं। मानवाधिकार समूहों ने इस जेल को यातना का प्रतीक बताते हुए कई बार दोषी ठहराया है, जहां बिटिंग और इलेक्ट्रिक शॉक से लेकर सॉलीट्री प्रभाव, फोर्स्ड कॉन्फेशन, नींद वंचना और यौन शोषण जैसी यातनाएं शामिल हैं। इजरायल के हमले में जेल का मुख्य गेट, प्रशासनिक भवन, चिकित्सा केंद्र और विज़िट हॉल सहित कई हिस्से ध्वस्त हो गए थे।

पाक में मानसून से पहले ही बारिश का कहर 16 बच्चों समेत 34 लोगों की मौत

लाहौर/पेशावर, 29 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कई इलाकों में प्री-मानसून की भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। पिछले 3 दिनों में बारिश से जुड़ी अलग-अलग घटनाओं में कम से कम 34 लोग मारे गए हैं, जिनमें 16 बच्चे शामिल हैं, जबकि 46 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले 48 घंटों में 19 लोगों की जान गई और 6 अन्य घायल हुए। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) के मुताबिक, स्वात, अबोटाबाद, चरसड्डा, मलकंद, शांगला, लोअर डीर और तोरघर जिलों में 6 पुरुष, 5 महिलाएं और 8 बच्चे इस आपदा का शिकार बने। स्वात जिला सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ, जहां 13 लोगों की मौत हुई और 6 घायल हुए। स्वात नदी में अचानक पानी का स्तर बढ़ने से सियालकोट के एक परिवार के 17 लोग, जो पिकनिक के लिए गए थे, बह गए। स्थानीय मीडिया के अनुसार, बचाव प्रयासों के बावजूद कई लोग तेज धारा में बह गए। इसके अलावा, प्रांत में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 56 घरों को भी नुकसान पहुंचा है। पंजाब प्रांत में भी बारिश ने कहर बरपाया। पीडीएमए के अनुसार, पिछले 3 दिनों में 15 लोग, जिनमें 8 बच्चे शामिल हैं, मारे गए और 40 अन्य घायल हुए। लाहौर, ओकारा, बहावलनगर, झेलम, गुजरात, फैसलाबाद, मंडी बहाउद्दीन, साहिवाल, चिन्योट, मुल्तान, शेखूपुरा और ननकाना जिलों में ज्यादातर मौतें दीवार और छत गिरने की घटनाओं में हुईं। पीडीएमए ने बताया कि प्री-मानसून की पहली बारिश का दौर 1 जुलाई तक जारी रहेगा। इस दौरान तेज हवाओं और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। प्राधिकरण ने लोगों से अपील की है कि वे खराब मौसम में गैर-जरूरी यात्रा से बचें। साथ ही, जर्जर मकानों में न रहें, बच्चों को नालियों, बिजली के तारों और खंभों से दूर रखें और बाढ़ग्रस्त इलाकों में सावधानी बरतें।

30 साल में खत्म हो सकते हैं हिमखंड

स्विट्ज़रलैंड, अमेरिका व कनाडा में तेजी से खत्म हो रहे हैं ग्लेशियर

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। पश्चिमी कनाडा, अमेरिका और स्विट्ज़रलैंड के ग्लेशियर बेहद तेज़ी से पिघल रहे हैं। 2021 से 2024 के बीच इन तीन देशों में कुल ग्लेशियर बर्फ का 12 फीसदी हिस्सा खत्म हो चुका है। शोधकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि यही रफ्तार रही, तो जिन ग्लेशियरों के बारे में हम सोचते हैं कि वे 50 वर्षों तक रहेंगे, वे महज 30 वर्षों में ही इतिहास बन सकते हैं। नेचर में प्रकाशित ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के नेतृत्व में हुए एक नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस चौंकाने वाली सच्चाई से पर्दा उठाया है। इस अध्ययन से पता चला है कि 21वीं सदी के पहले दशक की तुलना में 2010 से 2019 के बीच ग्लेशियरों का पिघलना दोगुना हो गया। शोध दिखाता है कि उसके बाद के वर्षों में, ग्लेशियरों का पिघलना खतरनाक रफ्तार से जारी रहा। ग्लेशियरों के इस बड़े नुकसान के पीछे प्रमुख कारण गर्म और शुष्क मौसम को बताया गया है। सिर्फ मौसम ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय प्रदूषण भी इस त्रासदी का कारक बन रहा है। स्विट्ज़रलैंड में सहारा रेगिस्तान से आई धूल और अमेरिका-कनाडा में जंगल की आग से फैली राख ने ग्लेशियरों को काला कर दिया। यह काला रंग सूर्य की गर्मी को अधिक सोखता है और पिघलने की प्रक्रिया को तीव्र बना देता है। ग्लेशियरों के बड़े पैमाने पर नुकसान को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र ने 2025 को अंतरराष्ट्रीय ग्लेशियर संरक्षण वर्ष घोषित किया है। यह पहल यूनेस्को, डब्ल्यूएमओ और 35 देशों के 200 से अधिक संगठनों से समर्थित है। इस वर्ष का सर्वश्रेष्ठ ग्लेशियर पुरस्कार शुरू किया है। इसके पहला विजेता अमेरिका के वॉशिंगटन में स्थित दक्षिण कैस्केड ग्लेशियर बना है।

सर्बिया में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन एक हादसा सरकार के गले की हड्डी बना

बेलग्राड, 29 जून (एजेंसियां)। यूरोपीय देश सर्बिया में अपनी ही सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। शनिवार को भारी संख्या में लोग विरोध प्रदर्शन के लिए राजधानी बेलग्राड में सड़कों पर उतरे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने जमकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि देश में जल्द चुनाव कराए जाएं। हालांकि अभी सर्बियाई सरकार का कार्यकाल 2027 तक है, लेकिन सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं, जिसके चलते लोग नाराज हैं। दरअसल आठ माह पहले सर्बिया में एक ट्रेन स्टेशन की छत गिर गई थी, जिसमें दबकर 16 लोगों की मौत हो गई थी। लोगों का मानना है कि भ्रष्टाचार और लापरवाही के चलते यह हादसा हुआ और सरकार को जिम्मेदारी लेते हुए राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिस को पद छोड़ना चाहिए। हालांकि बीते 12 साल से सर्बिया की सत्ता पर काबिज राष्ट्रपति एलेक्जेंडर वुसिस इस्तीफा देने को तैयार नहीं हैं।

गाजा में भूखे बच्चों का नरसंहार कर रहा इजराइल

जहां बंटता खाना वहीं सैकड़ों मौतें

तेल अवीव, 29 जून (एजेंसियां)। इजराइल की ओर से गाजा पट्टी में हमले का सिलसिला लगातार जारी है। पिछले महीने इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में सीमित मात्रा में राहत सामग्री भेजने की बात कही थी। जिसके लिए इजरायल की ओर से गाजा में राहत केंद्र भी खोले गए। लेकिन अब ये महज छलावा के रूप में सामने आ रहा है। दरअसल, एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इजरायल अब राहत केंद्रों में भूखों बच्चों का नरसंहार कर रहा है गाजा में इजराइल और हमास के बीच छिड़ी जंग के बाद वहां पर खासी तबाही मची है। लाखों की संख्या में लोग बेघर हो गए हैं। जो कुछ वहां बचे हैं वो जिंदगी के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। खाने-पीने और स्वास्थ्य को लेकर संकट लगातार गहराता जा रहा है। गाजा में तपती रेत और तबाही के बीच रह रहे लोगों का अब एक ही लक्ष्य है कि किसी तरह आटा के एक-एक कण को समेट लेने का, ताकि पेट की उस आग को शांत किया जा सके। जो ना जितने कितने दिन या हफ्तों से जल रही है।

वायरल एक वीडियो में 10 साल का बच्चा जमीन पर से आटा उठाने के बाद यह कहते सुना जा सकता है, जो कह रहा है, "मैंने सुबह से कुछ नहीं खाया। ये एक आशीर्वाद है।" जब उससे पूछा जाता है कि उसने ये आटा जमीन से क्यों उठाया, तो उसका कहना कि वह अपने परिवार को खाना खिलाना चाहता है। ये गाजा जंग का वो काला सच है, जिसे इजरायल हमेशा झुठलाता रहा है, लेकिन इस झूठ का पर्दाफाश खुद इजरायली अखबार हारेत्ज़ ने किया है। हारेत्ज ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि जंग के बीच गाजा के बाशिंदे भूख से तड़प रहे हैं। और इजरायल राहत के नाम पर षड्यंत्र रच रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, आईडीएफ ने खाद्य वितरण केंद्रों पर फायरिंग के आदेश दिए थे, ताकि कतार में लगे भूखे लोगों को कंट्रोल किया जा सके।

सहायता केंद्रों के खुलने से पहले और बाद में लोगों को दूर रखने के लिए गोली चलाने के आदेश दिए गए थे। इजरायली सैनिकों ने खाद्य वितरण कैंपों को 'किलिंग फील्ड' बताया है। यही नहीं आईडीएफ ने भीड़ के खिलाफ मशीन गन, टैंक, ग्रेनेड लॉन्चर और मोर्टार का इस्तेमाल किया था। 27 मई के बाद से अब तक खाद्य वितरण केंद्रों के पास 549 मौतें, 4000 से ज्यादा घायल हुए हैं दरअसल, हाल ही में गाजा में राहत कैंपों पर इजरायली सैनिकों की ओर से गोलीबारी की खबरें सामने आई थीं।

पाक आर्मी चीफ मुनीर ने फिर कश्मीर पर उगला जहर

आतंकी गतिविधियों को वैध संघर्ष बताकर किया समर्थन का वादा

इस्लामाबाद, 29 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने एक बार फिर कश्मीर पर जहर उगला है। मुनीर ने कश्मीर में मारे गए आतंकवादियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें शहीद बताया। इतना ही नहीं पाक आर्मी चीफ ने भारत के जम्मू-कश्मीर में चल रही आतंकवादी गतिविधियों को वैध संघर्ष करार दिया और इसके लिए पाकिस्तान की ओर से उनको राजनीतिक, नैतिक और कूटनीतिक समर्थन जारी रखने का वादा किया। अपने भाषण में मुनीर ने दोहरे अर्थों वाली भाषा का इस्तेमाल करते जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में आतंकवाद के लिए पाकिस्तान के अडिग समर्थन को वैध संघर्ष का नाम देकर जायज़ ठहराने की कोशिश की। इतना ही नहीं, उसने प्रॉक्सी विद्रोह के लिए राजनीतिक, नैतिक और कूटनीतिक समर्थन जारी रखने का वादा किया। उसके इस बयान से एक और संकेत है कि इस्लामाबाद अंतरराष्ट्रीय वैधता की आड़ में अशांति फैलाने की अपनी भूमिका को लगातार निभाता रहेगा। आसिम मुनीर को हमेशा से भारत और कश्मीर पर जहर उगलने के लिए जाना जाता है। उसने एक बार फिर कश्मीर मुद्दे को लेकर भारत के खिलाफ उकसाने वाला बयान दिया है। अपने हालिया भाषण में मुनीर ने कहा, "हम कश्मीरी लोगों के अधिकारों और दशकों पुराने विवाद के समाधान के लिए उनके साथ खड़े हैं।

उसने कहा कि भारत जिसे आतंकवाद कहता है, वह वास्तव में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों और कश्मीरी जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप एक वैध संघर्ष है।" इस दौरान उसने यह भी दावा किया कि जब तक कश्मीर मुद्दे का "न्यायसंगत और शांतिपूर्ण समाधान" नहीं निकलता, तब तक दक्षिण एशिया में स्थायी शांति संभव नहीं है। मुनीर ने उन आतंकवादियों को शहीद बताकर श्रद्धांजलि अर्पित की, जो कश्मीर में आतंकवाद फैलाने के लिए मारे गए थे। आतंकवाद का पोषक पाकिस्तान हमेशा से दुनिया को गुमराह करता रहा है। जनरल मुनीर का यह बयान ऐसे वक्त आया है जब पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है और देश के भीतर विशेषकर वज़ीरिस्तान, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी हो रही है।

राजनीतिक अस्थिरता और जनता के असंतोष के बीच, विशेषज्ञ मानते हैं कि पाकिस्तान एक बार फिर 'कश्मीर कार्ड' खेलकर घरेलू समस्याओं से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है। पाकिस्तान अक्सर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के प्रस्तावों का हवाला देता है, लेकिन हकीकत यह है कि 1948 के प्रस्ताव (47) में सबसे पहली शर्त पाकिस्तान पर थी कि वह पीओके से अपने सभी गैरकानूनी लड़ाके और आतंकवादियों को हटाए। मगर यह शर्त आज तक पूरी नहीं की गई। इस कारण से संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर मुद्दा अब निष्क्रिय माना जाता है।

रतलाम डीजल प्रकरण के बाद प्रदेश के सभी पेट्रोल पंपों की होगी जांच, दोषी पंप संचालक पर एफआईआर

भोपाल, 29 जून (एजेंसियां)। प्रदेश में खराब गुणवत्ता वाले डीजल की आपूर्ति के मामले में सख्ती दिखाते हुए खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने प्रदेश के सभी पेट्रोल पंपों की गहन जांच के निर्देश दिए हैं। रतलाम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के काफिले की गाड़ियों में पानी मिला डीजल के मामले को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को हर हाल में उच्च गुणवत्ता का पेट्रोल और डीजल मिलना चाहिए। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को तेल कंपनियों के साथ बैठक कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

रतलाम जिले के डोसीगांव स्थित बीपीसीएल के पेट्रोल पंप 'शक्ति फ्यूल पॉइंट' से डीजल भरवाने के बाद कई वाहनों में खराबी की शिकायतें सामने आईं। प्रारंभिक जांच में डीजल में पानी की मिलावट पाई गई। तत्काल कार्रवाई करते हुए खाद्य विभाग के अधिकारियों ने पंप पर छापा मारा और पेट्रोल व डीजल के नमूने लेकर बीपीसीएल की इंदौर स्थित मांगलिया लैब भेजे।

इजराइल ने जो ईरान में किया ताइवान में वही करने की तैयारी में चीन

बीजिंग, 29 जून (एजेंसियां)। ईरान में हाल ही में की गई इजराइल के खुफिया अभियान ने ताइवान में एक नया खतरा पैदा कर दिया है। दरअसल ताइवान के सुरक्षा खतरों का विश्लेषण करने वालों का मानना है कि इजराइल ने जिस तरह से ईरान में ऑपरेशन को अंजाम दिया है, ठीक वैसा ही चीन ताइवान के साथ कर सकता है। तेहरान में हत्याओं और तोड़फोड़ की घटनाओं के बीच ताइपे के विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि ताइवान में बीजिंग घुसपैठ कर सकता है। यह डर इसलिए भी ज्यादा है तो क्योंकि हाल के कुछ महीनों में जासूसी मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। ऐसा करने वालों में सक्रिय सैन्यकर्मी भी शामिल हैं, इसके अलावा कुछ ऐसे भी हैं जो रिटायर्ड हैं मगर अब चीन के लिए जासूसी कर रहे हैं। चीन पहले ही ताइवान की रक्षा प्रणाली में घुसपैठ कर चुका है, ताइवान इंटरनेशनल स्ट्रेटेजिक स्टडी सोसाइटी के कार्यकारी निदेशक मैक्स लो ने कहा है कि इज़राइल ने ईरान के साथ जो किया है, ठीक वैसा ही बीजिंग दोहराने की कोशिश कर सकता है। अंतर बस इतना है कि इस बार ताइवान शिकार होगा। ताइवान की कमजोरी ही उसके लिए मुख्य खतरा बन गई है, दरअसल ताइवान की चीन से भौगालिक निकटता है, दोनों देशों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में भी है, इससे चीनी खुफिया एजेंसी के एजेंटों को वहां के परिवेश में घुलने मिलने और नए एजेंटों की भर्ती करने में अधिक आसानी होगी। ताइपे स्थित थिंक टैंक चाइनीज काउंसिल ऑफ एडवांस्ड पॉलिसी स्टडीज के सैन्य विश्लेषक ज़िवोन वांग ने कहा कि जिस तरह ईरान को निशाना बनाया गया उसकी तुलना में ताइवान में चीनी घुसपैठ का पता लगाना कठिन हो जाता है।

ताइवान में चीन के खुफिया तंत्रों की जड़ें इतनी गहरी हैं कि वहां के राजनीतिक दलों के सदस्य भी बीजिंग को जानकारियां लीक रहे हैं। हाल ही में डीपीपी यानी डेमोक्रेटिक प्रोग्रसिव पार्टी के चार पूर्व सहयोगियों पर बीजिंग को संवेदनशील जानकारी लीक करने का आरोप है। इसमें ताइवान के नेता विलियम लाइ चिंग-ते से जुड़े सहयोगी, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के महासचिव जोसेफ वू शामिल हैं। चारों में से एक हुआंग चू जंग को पिछले महीने एक एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप के थ्रू उच्च स्तरीय यात्रा और अभियान का डेटा चीन तक पहुंचाने का दोषी ठहराया गया। चीन तक जो डाटा पहुंचा उसमें लाई की अगस्त 2023 तक पैराग्वे की औपचारिक यात्रा का पूरा कार्यक्रम शामिल था, क्योंकि वे इस द्वीप के दूसरे सबसे वरिष्ठ अधिकारी हैं, साथ ही उसी वर्ष के अंत में उनके राष्ट्रपति अभियान के संवेदनशील विवरण भी शामिल थे। जिससे लाई की व्यक्तिगत सुरक्षा पर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई थीं। अभियोजकों ने आरोप लगाया कि बीजिंग को लाई की राजनीतिक सहयोगियों, व्यापारिक नेताओं और प्रमुख प्रभावशाली लोगों के साथ अघोषित बैठकों की जानकारी भी प्राप्त हो गई थी।

एक्टिंग के मामले में पति को सलाह देती हैं कैटरीना लेकिन नहीं करती ये काम, विक्की का खुलासा

विक्की कौशल ने हाल ही में बॉलीवुड इंडस्ट्री में बतौर एक्टर 10 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ से शादी की है। ऐसे में उन्होंने अपनी एक्टिंग और कैटरीना कैफ के बारे में कई बातें शेयर की हैं। विक्की कौशल ने बताया कि उनकी पत्नी कैटरीना उनके काम पर प्रतिक्रिया देती हैं। हालांकि वह अपने काम के बारे में उनकी प्रतिक्रिया नहीं सुनती हैं। करीना कपूर ने इस पर प्रतिक्रिया दी है।

विक्की कौशल ने कैटरीना को लेकर किया खुलासा

हाल ही में विक्की कौशल करीना कपूर के साथ बैठे। दोनों ने कई अनुभव साझा किए। जहां विक्की कौशल ने हाल ही में बॉलीवुड इंडस्ट्री में 10 साल पूरे कर लिए हैं, वहीं करीना कपूर ने भी इस इंडस्ट्री में 25 साल पूरे कर लिए हैं।

विक्की कौशल को सलाह देती हैं कैटरीना

बातचीत में विक्की कौशल ने अभिनेत्री और अपनी पत्नी कैटरीना कैफ के बारे में बताया कि वह उनके काम को लेकर बहुत ही सजग रहती हैं और उनके काम पर सलाह देती हैं। उन्होंने कहा 'वह बहुत ईमानदार हैं। वह बताती हैं कि मेरा काम कैसा है। हालांकि मेरे काम को लेकर वह थोड़ा सावधान होती हैं क्योंकि चाहे जो भी हो इस काम में बहुत मेहनत लगी होती है। हालांकि अकसर वह मेरे काम को लेकर बहुत मुखर होती हैं। जब वह मेरे काम पर प्रतिक्रिया देती हैं तो वह मुझे अच्छा लगता है। वह बताती हैं कि मेरे काम में कहां कमी रह गई और क्या बेहतर हो सकता था।'

कैटरीना कैफ नहीं लेतीं सलाह

इसी बातचीत में करीना कपूर शामिल हुईं। उन्होंने विक्की की बातों को सुनकर कहा कि काश मेरे पति भी ऐसे होते कि मेरे काम पर प्रतिक्रिया दिया करते। इस पर विक्की कौशल ने उनसे कहा कि हालांकि कैटरीन कैफ को यह पसंद नहीं कि मैं उनके काम के बारे में कुछ कहूं। उन्होंने कहा 'बिल्कुल इसी तरह। वह भी नहीं चाहती कि मैं उनके काम पर टिप्पणी करूं। सबसे पहले तो यह होना चाहिए कि हम एक दूसरे का हौसला बढ़ाएं।'

विक्की कौशल हाल ही में लक्ष्मण उतेकर की फिल्म 'छावा' में नजर आए थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था। फिल्म ने पूरी दुनिया में 800 करोड़ रुपये की कमाई की थी। दर्शकों ने फिल्म में विक्की कौशल की अदाकारी की खूब तारीफ की। कैटरीना कैफ को आखिरी बार साल 2024 में फिल्म 'मेरी क्रिसमस' में देखा गया था। फिल्म में विजय सेतुपति भी अहम किरदार में थे।

क्या पारस छाबड़ा ने पहले ही की थी शेफाली की मौत की भविष्यवाणी? पुराना वीडियो देख चौंके फैंस

शेफाली जरीवाला का शुक्रवार 27 जून देर रात निधन हो गया। आज शनिवार को उनका अंतिम संस्कार किया गया। 'कांटा लगा गर्ल' के नाम से मशहूर रहीं शेफाली के निधन की खबर पर यकीन कर पाना हर किसी के लिए मुश्किल है। इस बीच एक पुराना वीडियो सामने आया है। इसमें पारस छाबड़ा शेफाली से उनकी कुंडली पर बात करते दिख रहे हैं।

10 महीने पुराना वीडियो वायरल

शेफाली और पारस का यह वीडियो करीब 10 महीने पुराना है। दरअसल, शेफाली तब पारस के पॉडकास्ट में पहुंची थीं। बातचीत के दौरान शेफाली ने मिर्गी के दौरे पड़ने की बात बताई थी। इसके अलावा अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी कुछ बातें भी कहीं। तब पारस ने शेफाली से पूछा था कि क्या उन्होंने अपनी कुंडली किसी ज्योतिषी को दिखाई? यह न्यूरोलॉजिकल दिक्कत क्यों हुई? इस पर शेफाली ने खुलासा किया कि उनकी कुंडली कभी बनी ही नहीं।

क्या पारस ने किया था आकस्मिक मृत्यु का संकेत?

इसके बाद शेफाली पारस से पूछती हैं कि आप मुझे मेरी कुंडली के बारे में बताओ। इस पर पारस कहते हैं, 'मैंने आपकी जो कुंडली देखी है उसमें आपके आठवें हाउस में चंद्र, केतु और बुध ये तीनों बैठे हुए हैं'। पारस आगे कहते हैं, 'आठवां हाउस नुकसान, आकस्मिक मृत्यु, छुपी हुई चीजें, तांत्रिक चीजों आदि के लिए जाना जाता है'।

पारस छाबड़ा ने न्यूरोलॉजिकल समस्या की बताई थी वजह

पारस कहते हैं, 'चंद्र और केतु का कॉम्बिनेशन सबसे बुरा होता है। आपके लिए चंद्र और केतु का होना तो बुरा है ही और साथ में बैठ गया है बुद्ध। यह चिंता और न्यूरोलॉजिकल संबंधी परेशानियां पैदा करता है'। ऐसे वक्त में जब शेफाली के आकस्मिक निधन की खबर ने सभी को स्तब्ध कर दिया है, तब यह पुराना वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।

गोवा पहुंचीं भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक, बिकनी में दिए खूबसूरत पोज

इन तस्वीरों में नेहा मलिक बेहद हॉट नजर आ रही हैं. उनके ऊपर से फैंस अपनी नजरें नहीं हटा पा रहें है. तस्वीरों पर फैंस इस लुक को हॉट बताते हुए कई कमेंट्स कर रहे हैं. वहीं, फैंस के बीच एक्ट्रेस का यह लुक कुछ ही देर में तेजी से वायरल भी हो रहा है. इस लुक में नेहा पीली बिकिनी पहने समंदर के किनारे बड़े ही रोमांटिक अंदाज में पोज़ दे रही हैं. भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक के लुक्स के चर्चे तो आपने सुने ही होंगे. एक्ट्रेस ने बहुत कम समय में भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है. एक्ट्रेस अक्सर लाइमलाइट में बनी रहती हैं और सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव भी रहती हैं और यही वजह है की एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग भी लंबी होती जा रही है. नेहा अपने चाहने वालों के साथ आए दिन अपना नया लुक शेयर करती हैं. इस बार नेहा मलिक ने बोल्डनेस की सारी रिकार्ड तोड़ते हुए बिकिनी में पोज देते हुए नजर आई है.

मारता था..पीटता था शेफाली जरीवाला का पहला पति? पराग संग शादी के 11 साल तक मां बनने के लिए तड़पती रहीं

'कांटा लगा गर्ल' शेफाली जरीवाला के अचानक निधन से इंडस्ट्री स्तब्ध है. वहीं उनके पति पराग त्यागी का रो-रोकर बुरा हाल है. मुंबई पुलिस को अपना बयान दर्ज कराते हुए अभिनेता और शेफाली के पति ने बताया कि शेफाली लंबे टाइम से हार्ट प्रॉब्लम्स से जूझ रही थीं. पराग संग ये एक्ट्रेस की दूसरी शादी थी. पहली शादी में उनका बहुत बुरा अनुभव रहा था.

पहली शादी से लिया था तलाक

शेफाली ने 2004 में मीत ब्रदर्स के संगीतकार हरमीत सिंह से पहली शादी की थी, लेकिन यह रिश्ता केवल पांच साल चला और 2009 में तलाक के साथ खत्म हुआ. इस दौरान उन्होंने हरमीत पर गंभीर आरोप लगाए थे.

बहुत टार्चर करता था पहला पति?

एक इंटरव्यू में उन्होंने खुलासा किया था कि उनकी पहली शादी में उन्हें रोजाना मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था. उन्होंने कहा, मैं उसके साथ खुश नहीं थी, रोज टॉर्चर किया जाता था. इसके बाद उन्होंने हरमीत से तलाक ले लिया. इस फैसले में उनके पैरेंट्स ने भी बहुत सपोर्ट किया था.

पराग त्यागी से ऐसे हुई मुलाकात

शेफाली के पैरेंट्स को लगता था कि समाज के बारे में सोचने से पहले हमें अपने बारे में सोचना चाहिए. इसी दौरान शेफाली टीवी एक्टर पराग त्यागी को डेट करना शुरू किया था.

बार-बार शादी में आती थी अड़चन

शुरूआती दौर में जब दोनों शादी करना चाहते थे कोई न कोई अड़चन आ जाती. कभी काम के कमिटमेंट को लेकर. कभी पिताजी की तबियत के कारण. शादी का ख्याल छोड़कर दोनों ने लिव इन में रहना शुरू कर दिया.

ऐसे हुई थी शेफाली और पराग की शादी

फिर एक दिन पराग ने शेफाली को सरप्राइज देने का सोचा पराग ने रजिस्टार को घर बुलाया था.. घर पर पेरेंट्स नहीं थे सिर्फ वो दोनों और उनका पेट डॉग था.

सिद्धार्थ शुक्ला से था अफेयर

शेफाली जरीवाला ने हरमीत से शादी के पहले सिद्धार्थ शुक्ला को डेट किया था. उनके दोनों पतियों को इस बात की जानकारी थी. 11-12वीं क्लास में ही उन्हें एक्ट्रेस से प्यार हुआ था.

12 साल की उम्र में बच्चा गोद लेना चाहती थीं

शेफाली जरीवाला ने खुद से 7 साल बड़े पराग त्यादी से शादी की थी. शादी के 11 साल बाद भी वो मां नहीं बन पाईं. एक पॉडकास्ट में उन्होंने बताया था कि जब वो 12 साल की थीं तभी से एक बच्चा गोद लेना चाहती थीं. हालांकि शादी के बाद भी कानूनी अड़चनों के कारण वो ऐसा नहीं कर पाईं.

'इन चक्करों से दूर रहें और करियर पर फोकस करें' बेटी पलक के डेटिंग रूमर्स पर बोले राजा चौधरी

टीवी एक्ट्रेस श्वेता तिवारी के एक्स हसबैंड और पलक तिवारी के पिता राजा चौधरी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में अपनी बेटी को रिश्ते और करियर को लेकर सलाह दी।

एक इंटरव्यू में जब राजा से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम के साथ पलक के डेटिंग रूमर्स को लेकर सवाल पूछा गया था तो उन्होंने कहा- ₹मैं अपने अनुभव से कहूं तो यही सलाह दूंगा कि इन चक्करों से दूर रहे, अपने करियर पर फोकस करें। वही चीज अल्टिमेटली काम आएगी।

राजा ने आगे कहा, मैं मानता हूं कि 30–35 साल से पहले कोई रिलेशनशिप नहीं करनी चाहिए। लोग मैच्योर नहीं होते, बचपने में शादी कर लेते हैं और फिर पछताते हैं।

वहीं पलक तिवारी से बातचीत के सवाल पर राजा ने कहा- ₹पलक से सोशल मीडिया के जरिए कभी-कभी बात होती रहती है। मैं उसे बीच-बीच में लेटर लिखता हूं, अपने बारे में बताता रहता हूं, लेकिन वो अपने करियर को लेकर बिजी है। पलक ने खुद कहा है कि मां से भी ज्यादा नहीं मिल पाती, मेरे पास टाइम ही नहीं है। मुझे कोई प्रॉब्लम नहीं है।"

राजा ने बताया कि वो पलक की सफलता देखकर खुश हैं। उन्होंने कहा- ₹वो बहुत अच्छा कर रही है। मुझे उस पर बहुत प्राउड हूं। गॉड ब्लेस। मैंने उसकी फिल्म देखी थी। ठीक थी और भी बेहतर हो सकती थी, लेकिन उसने अच्छा काम किया।

सलमान खान के साथ पलक की फिल्म को लेकर राजा ने कहा- उसने बताया था कि सलमान खान की फिल्म कर रही है, लेकिन मेरी कभी मुलाकात सलमान से नहीं हुई। जब मैं बिग बॉस में था, तब भी वो होस्ट नहीं थे, उस समय शिल्पा शेट्टी होस्ट थीं। शिल्पा से भी कभी बाद में मुलाकात नहीं हुई।

राजा चौधरी ने मुख्य तौर पर भोजपुरी सिनेमा में काम किया है। 2008 में उन्होंने शो बिग बॉस 2 में हिस्सा लिया, जहां वह फर्स्ट रनर-अप बने। राजा ने भोजपुरी फिल्म 'सइयां हमार हिंदुस्तानी' में विलेन का रोल निभाया था, जिसमें उनकी पूर्व पत्नी श्वेता तिवारी भी थीं। इसके अलावा वह 'जोर का झटका: टोटल वाइप आउट' जैसे रियलिटी शो में भी नजर आए।

टीवी में राजा ने 'योर ऑनर', 'डैडी समझा करो', 'चंद्रमुखी', 'आने वाला पल', 'कहानी चंद्रकांता की' और 'अदालत' जैसे सीरियलों में भी अभिनय किया। 9X चैनल पर 'ब्लैक' नामक सीरियल में भी वो दिखे थे।

फिल्मों में अभिषेक बच्चन ने पूरे किए 25 साल, बिग बी ने दी बधाई

अभिषेक बच्चन इस समय अपनी आगामी फिल्म 'कालीधर लापता' से चर्चा में हैं। अभिनेता ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने करियर की शुरुआत साल 2000 में 'रिफ्यूजी' फिल्म में से किया था। एक्टर को फिल्मों में काम करते हुए 25 साल पूरे हो गए हैं। इस खुशी में उनके पिता और दिग्गज एक्टर अमिताभ बच्चन ने कई ट्वीट्स करते हुए उन्हें बधाई दी है। साथ ही बिग बी ने अभिषेक बच्चन की आगामी फिल्मों पर भी प्रकाश डाला है। चलिए जानते हैं महानायक ने क्या लिखा।

बिग बी ने की तारीफ

अमिताभ बच्चन ने अभिषेक बच्चन को फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल पूरे करने पर बधाइयां दी हैं। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट पर ट्वीट किया, 'इस वैरायटी को मैं प्रणाम करता हूं, और अपने पुत्र की प्रशंसा करता हूं। जी हां, पिता हूं मैं उसका, और मेरे लिए मेरा पुत्र अभिषेक करने योग्य है।'

आगामी फिल्मों के बारे में दी जानकारी

अमिताभ बच्चन ने एक और ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने कहा, 'एक फिल्म कुछ ही दिनों में रिलीज होने वाली है और एक और नई फिल्म की शुरुआत हो गई है। पहले दिन फिल्म 'किंग' की शूटिंग। मेरा आशीर्वाद भय्यू, ढेर सारा प्यार। एक और फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जो जल्द ही आ रही है, मेरी प्रार्थना है।'

अभिषेक बच्चन का वर्कफ्रंट

अभिषेक बच्चन ने साल 2000 में जेपी दत्ता की फिल्म रिफ्यूजी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था जिसमें करीना कपूर, जैकी श्रॉफ, सुनील शेट्टी और अनुपम खेर भी थे। इसके अलावा उनकी आगामी फिल्मों की बात करें, तो अभिनेता 'कालीधर लापता' में नजर आने वाले हैं, जो 4 जुलाई को जी 5 पर रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन मधुमिता द्वारा किया गया है। वहीं अभिषेक, शाहरुख खान अभिनीत 'किंग' में भी नजर आएंगे।

भारत, पाकिस्तान नहीं जो मिलाए हां में हां: ट्रंप भी जान गए हैं ये बात

डील पर निकल रही खिसियाहट से समझिए

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। अमेरिका भारत के साथ एक बड़ा व्यापार समझौता करना चाहता है। लेकिन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के व्यापार नियमों से खुश नहीं हैं। वह चाहते हैं कि अमेरिकी कंपनियों को भारत में आसानी से व्यापार करने की अनुमति मिले। दोनों देशों के अधिकारी इस मुद्दे पर बातचीत कर रहे हैं। डील को लेकर भारत अपनी शर्तों पर बातचीत कर रहा है। वह अमेरिकी मांगों को आंख मूंदकर स्वीकार करने के लिए कतई तैयार नहीं है।

भारत पहले ही साफ कर चुका है कि वह अमेरिका के साथ समझौता करने के लिए उत्सुक है, बेताब नहीं। वह खासकर अमेरिका की उन मांगों को लेकर बहुत सतर्क है जो उसके घरेलू उद्योगों या आर्थिक हितों को नुकसान पहुंचा सकती हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भी इस बात का एहसास हो चुका है कि भारत पाकिस्तान नहीं जिससे हर चीज पर हां में हां करवा ली जाए। भारत के साथ व्यापार वार्ताओं के बीच ट्रंप के बयानों से इस खिसियाहट को समझा जा सकता है। उन्होंने कहा है कि भारत का बाजार 'प्रतिबंधित' है। वहां 'आप चल नहीं सकते, आप इसके बारे में सोच भी नहीं सकते।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने सभी व्यापार बाधाओं को खत्म करने की बात को 'अकल्पनीय' बताया है। लेकिन, साथ ही यह भी कहा है कि वह भारत के साथ व्यापार के लिए सहमत हैं। यह सब 9 जुलाई की टैरिफ डेडलाइन से पहले हो रहा है। इसके बाद भारतीय निर्यात पर 26% टैरिफ लगने की आशंका है। हालांकि, यह डेडलाइन फिक्स नहीं है। यानी इसे बढ़ाया जा सकता है। ट्रंप प्रशासन भारत के साथ एक बड़ा व्यापार समझौता करना चाहता है। लेकिन, वह भारत के व्यापार नियमों से खुश नहीं हैं। उसका मानना है कि भारत में व्यापार करना बहुत मुश्किल है। दूसरी तरफ, भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि दोनों देश एक अच्छा समझौता करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। यह समझौता दोनों देशों के व्यापार को बढ़ावा देगा। ट्रंप की निराशा साफ दिखाती है कि भारत अपनी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं और हितों के अनुसार निर्णय लेगा। वह किसी भी बाहरी दबाव में आसानी से झुकने वाला नहीं है। इससे यह भी पता चलता है कि भारत अपनी व्यापार नीतियों और घरेलू उद्योगों की सुरक्षा के लिए दृढ़ है।

रूस के साथ मिलकर कौन सा बड़ा गेम खेलने वाले हैं मुकेश अंबानी?

जिससे अमेरिका से लेकर चीन तक सब रह जाएंगे हैरान!

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी एक बड़ी डील की तैयारी में हैं, जो सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अमेरिका और चीन जैसे बड़े देशों को भी हैरान कर सकती है. रूस की तेल कंपनी रोजनेफ्ट भारत में अपनी कंपनी नायरा एनर्जी में से लगभग 49% हिस्सेदारी बेचने की सोच रही है.

इस डील के लिए रोजनेफ्ट ने रिलायंस इंडस्ट्रीज से बातचीत शुरू कर दी है. अगर यह सौदा हो जाता है, तो रिलायंस देश की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी कंपनी बन जाएगी और उसे 6,750 पेट्रोल पंपों का बड़ा नेटवर्क भी मिलेगा. इससे अंबानी की कंपनी भारत में तेल बेचने और बाजार पर कब्जा जमाने में बहुत आगे निकल जाएगी.

यह बातचीत अभी शुरुआती दौर में है. डील की कीमत को लेकर सहमति बनना बाकी है और इस बात की कोई गारंटी नहीं कि यह सौदा पक्का हो जाएगा. रोजनेफ्ट पिछले एक साल में कम से कम तीन बार भारत आ चुकी है. कंपनी के बड़े अधिकारी अहमदाबाद और मुंबई में संभावित निवेशकों से मिले हैं. रोजनेफ्ट ये हिस्सेदारी इसलिए बेच रही है क्योंकि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से उसे भारत से पैसे निकालने में परेशानी हो रही है. दूसरी ओर, अंबानी इस मौके का फायदा उठाकर भारत को तेल के खेल में और मजबूत करना चाहते हैं.

इस डील से तेल का ग्लोबल गेम बदल सकता है, और यही वजह है कि अमेरिका और चीन जैसे देश भी इसे गौर से देख रहे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, रिलायंस इस डील के लिए सबसे मजबूत दावेदार है. रिलायंस के पास जामनगर, गुजरात में दो रिफाइनरियां हैं, जिनकी कुल क्षमता 68.2 मिलियन टन प्रति वर्ष है. अगर नायरा की 20 मिलियन टन की रिफाइनरी इसके साथ जुड़ती है तो रिलायंस की कुल रिफाइनिंग क्षमता 88.2 मिलियन टन हो जाएगी. यह इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की 80.8 मिलियन टन की क्षमता से ज्यादा होगी.

इससे रिलायंस देश की नंबर-1 रिफाइनरी कंपनी बन जाएगी.लेकिन रिलायंस के लिए इस डील का सबसे बड़ा फायदा पेट्रोल पंपों का होगा. नायरा के पास देश में 6,750 पेट्रोल पंप हैं, जबकि रिलायंस के पास सिर्फ 1,972 पेट्रोल पंप हैं. देश में कुल 97,366 पेट्रोल पंप हैं और नायरा के पेट्रोल पंप रिलायंस को फ्यूल रिटेलिंग में मजबूत स्थिति देंगे. रोजनेफ्ट ने 2017 में 12.9 अरब डॉलर में एस्सार ऑयल को खरीदा था, जिसे बाद में नायरा एनर्जी नाम दिया गया. लेकिन पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों की वजह से रोजनेफ्ट को अपनी कमाई भारत से बाहर ले जाने में दिक्कत हो रही है.

इसलिए कंपनी ने 2024 में नायरा से बाहर निकलने का फैसला किया. रोजनेफ्ट के साथ-साथ रूस की एक और कंपनी यूसीपी इनवेस्टमेंट ग्रुप भी अपनी 24.5% हिस्सेदारी बेच रही है. नायरा में बाकी हिस्सेदारी ट्रैफिगुरा ग्रुप (24.5%) और कुछ रिटेल शेयरहोल्डर्स के पास है.

अगर यह डील होती है तो ट्रैफिगुरा भी कुछ महीनों में उसी शर्तों पर अपनी हिस्सेदारी बेच सकती है। रोजनेफ्ट ने इस डील के लिए रिलायंस के अलावा अडानी ग्रुप, सऊदी अरामको और सरकारी कंपनियों ओएनजीसी और इंडियन ऑयल के गठजोड़ को भी ऑफर दिया था।

त्योहारी सीजन से पहले ड्राई फ्रूट्स और सेंधा नमक की कीमतों में भारी उछाल

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। सावन जैसे पवित्र महीने से पहले भारतीय बाजारों में सेंधा नमक और ड्राई फ्रूट्स की कीमतों में भारी उछाल देखने को मिल रहा है। आयात पर निर्भर भारत में ड्राई फ्रूट्स और सेंधा नमक की कीमतें आसमान छू रही हैं। मार्केट के जानकारों का मानना है कि आने वाले दिनों में त्योहारी सीजन के चलते इनको दामों में इजाफा देखने को मिल सकता है। पिछले 15 दिनों में इनके दाम 20-25 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। इसके पीछे की मुख्य वजह ईरान-इजराइल वॉर और अटारी बॉर्डर के बंद होने को माना जा रहा है। पश्चिम एशिया से आयात होने वाले ड्राई फ्रूट्स, जैसे बादाम, पिस्ता, किशमिश और अंजीर, की आपूर्ति में कमी आई है। ईरान और अफगानिस्तान जैसे देशों से आने वाले पिस्ता और अंजीर की कीमतों में पिछले कुछ हफ्तों में 300 से 400 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हुई हैदिल्ली के बाजारों में मामरा बादाम की कीमत 2000 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 2400 रुपये और ईरानी पिस्ता 1400 रुपये से 1700 रुपये प्रति किलो हो गया है। इसके अलावा, भारत-पाकिस्तान तनाव के कारण अटारी सीमा बंद होने से अफगानिस्तान से ड्राई फ्रूट्स की आपूर्ति भी प्रभावित हुई है।

सेंधा नमक के बढ रहे हैं दाम

सेंधा नमक की कीमत भी तेजी से बढ़ी है। प्रयागराज और अन्य शहरों में सेंधा नमक का दाम 60 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। इसका कारण भी आयात में रुकावट और स्थानीय स्तर पर मांग में वृद्धि है। सावन और नवरात्र जैसे त्योहारों में सेंधा नमक की मांग बढ़ने से व्यापारी इसका भंडारण कर रहे हैं, जिससे कीमतें और चढ़ रही हैं।

दाम कम होने की भी उम्मीद

हालांकि, कुछ व्यापारियों को उम्मीद है कि ग्लोबल टेंशन के धीरे-धीरे कम होने से कीमतें अगले एक महीने में कम हो सकती हैं। लेकिन तब तक कस्टमर्स को महंगे दामों का बोझ उठाना पड़ सकता है। एक्सपर्ट का कहना है कि ग्लोबल तनाव और घरेलू फसल उत्पादन में कमी के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है। नासिक और केरल में किशमिश की फसल कमजोर होने से भी कीमतों पर असर पड़ा है। इस स्थिति ने नवरात्र और सावन की तैयारियों पर असर डाला है।

चेरी उत्पादन में 50 प्रतिशत गिरावट

मौसम की मार से सबसे ज्यादा मिश्री की फसल प्रभावित

श्रीनगर , 29 जून (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी में बड़े पैमाने पर चेरी का उत्पादन किया जाता है। फल उत्पादकों के अनुसार इस साल चेरी के उत्पादन में करीब 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इसमें सबसे ज़्यादा प्रभाव मिश्री पर पड़ा है। इसकी बाजार में सबसे अधिक मांग रहती है। उत्पादकों के अनुसार अब विदेश की यहां उगाई जाने वाली चेरी की किस्में बाजार में अच्छे दाम प्राप्त कर रही है। उत्पादकों के अनुसार अब धीरे-धीरे किसान चेरी की किस्म की खेती में कमी ला रहे हैं। दक्षिण कश्मीर की शोपियां फ्रूट मंडी के अध्यक्ष और चेरी उत्पादक मोहम्मद अशरफ वानी ने कहा कि इस वर्ष चेरी के उत्पादन में 50 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक प्रभावित चेरी की मिश्री किस्म हुई है। वानी का कहना है कि यह किस्म अपनी गुणवत्ता के चलते सबसे महंगी किस्म है, लेकिन मौसम की मार के चलते इसकी गुणवत्ता पर असर पड़ने से इस बार सबसे काम रेट इसी को मिला। उन्होंने कहा कि इस बार प्रति किलो 80-200 रुपये चेरी बिकी जिसमें सबसे अधिक रेट इटली, हॉलैंड, क्वींसलैंड जैसी किस्मों को प्राप्त हुआ। हाल के वर्षों में मिश्री किस्म का उत्पादन तेजी से कम हुआ है। बागवानों ने इस गिरावट को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों और अधिक उत्पादन (उच्च घनत्व) देने वाली किस्मों से जोड़ा है। दूसरे शब्दों में यह दो कारण जिम्मेदार हैं, जिससे बागवानों ने इस किस्म से दूरी बना ली है। कई चेरी उत्पादक अब दूसरे देशों से आयात की गई अधिक उत्पादन देने वाली और तेजी से चेरी उगाने वाली किस्मों की ओर रुख रहे हैं। अशरफ ने कहा कि मिश्री के काम उत्पादन के पीछे एक और कारण यह भी है की जब पेड़ वर्षों पुराने हो जाते हैं तो वह काम उत्पादन देते हैं। उन्होंने कहा कि ये अब कई चेरी उत्पादक रेजिना, कोर्डिया और अरेको जैसी आयातित किस्मों को पसंद करते हैं। ये किस्में बड़े आकार की चेरी देती हैं और दो साल के अंदर फल देना शुरू कर देती हैं। बागवान इन किस्मों को लाभदायक और तेजी से फल देने की क्षमता को रेखांकित करते हैं। बता दें कि देश के कुल चेरी उत्पादन में 95 फीसदी हिस्सा कश्मीर का है।

अनंत अंबानी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

सालाना मिल सकता है 20 करोड़ तक वेतन; ये खास सुविधाएं भी

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने चेयरमैन मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी को कंपनी का कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया है। इस नई जिम्मेदारी के तहत अब उन्हें सालाना 10 से 20 करोड़ रुपये तक का वेतन, कई तरह के भत्ते और कंपनी के मुनाफे में से कमीशन भी मिलेगा। रिलायंस ने शेयरधारकों को भेजी गई एक नोटिस में बताया है कि अनंत को घर, यात्रा, चिकित्सा, सुरक्षा, और परिवार सहित खर्चों की भरपाई सहित कई सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा उन्हें बिजनेस ट्रिप के दौरान पत्नी व सहायकों के साथ यात्रा और रहने का खर्च भी कंपनी उठाएगी।

पहले थे नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर

बता दें कि 2023 में मुकेश अंबानी ने अपने तीनों बच्चों आकाश, ईशा और अनंत को कंपनी के बोर्ड में नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर के रूप में शामिल किया था। तब उन्हें कोई वेतन नहीं मिलता था, केवल बैठक में शामिल होने का 4 लाख रुपये का शुल्क और करीब 97 लाख रुपये का मुनाफे पर कमीशन दिया गया था। हालांकि अब का य ि का री निदेशक बनने के बाद 30 वर्षीय अनंत को पूरा वेतन मिलेगा। इसको लेकर रिलायंस ने कहा है कि उन्हें ऑयल-टू-केमिकल, न्यू एनर्जी, विनाइल, स्पेशलिटी पॉलिएस्टर, और गिगाफैक्ट्रीज जैसे प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी दी गई है।

दस साल से रिलायंस समूह से जुड़े है

देखा जाए तो अनंत 2015 से रिलायंस समूह से जुड़े हैं। उन्होंने ब्राउन यूनिवर्सिटी से स्नातक किया है और कंपनी के एनर्जी बिजनेस, खासकर सोलर और रिन्युएबल प्रोजेक्ट्स में अहम भूमिका निभा रहे हैं। वे रिलायंस फाउंडेशन और वन्यजीव संरक्षण प्रोजेक्ट वन्तारा से भी जुड़े हैं।गौरतलब है कि रिलायंस के उत्तराधिकार की योजना के तहत तीनों अंबानी बच्चे आकाश, ईशा और अनंत को अलग-अलग बिजनेस यूनिट्स की जिम्मेदारी दी गई है। आकाश अंबानी जियो इंफोकॉम के चेयरमैन हैं।

जिस कंपनी से रतन टाटा ने शुरू किया था करियर

उसे मिला 1007 करोड का जीएसटी नोटिस!

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। देश की जानी-मानी और भरोसेमंद कंपनियों में से एक टाटा स्टील, जिससे रतन टाटा ने अपना करियर शुरू किया था, अब एक बड़े टैक्स विवाद में फंस गई है. टैक्स विभाग ने कंपनी को लगभग 1007 करोड़ रुपये का जीएसटी नोटिस भेजा है. टैक्स अफसरों का कहना है कि 2018-19 से 2022-23 के बीच टाटा स्टील ने गलत तरीके से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का फायदा उठाया. इस नोटिस में टाटा स्टील को 30 दिनों के भीतर जवाब देने को कहा गया है कि आखिर क्यों न 1007.54 करोड़ रुपये का गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) उनसे वसूला जाए. हालांकि, कंपनी ने साफ किया है कि इस नोटिस का उनके फाइनेंशियल या ऑपरेशनल कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा और वे इसका जवाब उचित फोरम में देंगे.

क्या है पूरा मामला?

टाटा स्टील ने रविवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि उन्हें रांची में सेंट्रल टैक्स के कमिश्नर (ऑडिट) कार्यालय से 27 जून को यह नोटिस मिला. नोटिस में कहा गया है कि कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2018-19 से 2022-23 के दौरान 1007,54,83,342 रुपये का इनपुट टैक्स क्रेडिट गलत तरीके से लिया, जो सेंट्रल गुड्स एंड सर्विस टैक्स एक्ट, 2017 (सीजीएसटी) और स्टेट गुड्स एंड सर्विस टैक्स एक्ट, 2017 (एसजीएसटी) के सेक्शन 74(1) के साथ-साथ इंटीग्रेटेड गुड्स एंड सर्विस टैक्स एक्ट, 2017 के सेक्शन 20 का उल्लंघन है.नोटिस में टाटा स्टील से कहा गया है कि वे जमशेदपुर, झारखंड में सेंट्रल जीएसटी और सेंट्रल एक्साइज के एडिशनल/जॉइंट कमिश्नर के सामने 30 दिनों के भीतर जवाब दें कि आखिर क्यों न यह जीएसटी राशि, जो 1007.54 करोड़ रुपये है, उनसे वसूली जाए. कंपनी ने बताया कि उसने सामान्य कारोबारी प्रक्रिया के तहत पहले ही 514.19 करोड़ रुपये का जीएसटी जमा कर दिया है.

कंपनी का क्या है कहना?

टाटा स्टील ने अपनी फाइलिंग में कहा कि नोटिस में प्रस्तावित जीएसटी राशि को समायोजित करने के बाद वास्तविक जीएसटी देनदारी केवल 493.35 करोड़ रुपये रह जाती है. कंपनी का मानना है कि यह नोटिस बिना किसी ठोस आधार के जारी किया गया है. टाटा स्टील ने स्पष्ट किया है कि वे इस नोटिस को गंभीरता से ले रहे हैं, लेकिन उनका मानना है कि इसमें कोई दम नहीं है. कंपनी ने कहा कि वे 30 दिनों की समयसीमा के भीतर टैक्स अथॉरिटीज के सामने अपना जवाब दाखिल करेंगे।

12 दिन में दोगुना हो गया पैसा, बिना तकनीकी ज्ञान के 56 साल के इस शख्स ने कमा डाले 85 हजार करोड रुपये

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। आज जब भी हम किसी अरबपति या बड़ी कमाई वाले शख्स की बात करते हैं तो उनमें ऐसे लोग ज्यादा मिलेंगे तो टेक्नोलॉजी के महारथी हों। लेकिन क्या कभी सोचा है कि कोई शख्स बिना तकनीकी ज्ञान के भी 85 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर सकता है? यह संभव कर दिखाया है कोरवीव कंपनी के को-फाउंडर और सीईओ माइकल इंट्रेटर ने। 56 साल के माइकल की संपत्ति मात्र 12 दिनों में दोगुनी हो गई है। कोरवीव कभी एक छोटी सी एआई क्लाउड स्टार्टअप कंपनी थी। मार्च में यह कंपनी 40 डॉलर प्रति शेयर पर अमेरिकी शेयर मार्केट में लिस्ट हुई थी। लेकिन अचानक कंपनी के स्टॉक की कीमत बढ़ गई। सिर्फ दो महीनों में इसकी कीमत लगभग तीन गुना हो गई। मिंट की खबर के मुताबिक इस उछाल ने न केवल बाजार को आकर्षित किया है, बल्कि इसके शेयरधारकों की किस्मत भी बदल दी है। इसमें माइकल इंट्रेटर भी शामिल हैं। माइकल इंट्रेटर पहले हेड फंड मैनेजर थे। ब्लूमबर्ग के आंकड़ों के अनुसार, उनकी संपत्ति पिछले 12 दिनों में दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। यह 5 अरब डॉलर से बढ़कर 10 अरब डॉलर (करीब 85.49 हजार करोड़ रुपये) हो गई है। कंपनी की शुरुआत बाजार में धीमी रही थी। लेकिन इंट्रेटर को विश्वास था कि कोरवीव आगे चलकर अच्छा प्रदर्शन करेगी। माइकल ने पहले फॉर्च्यून को बताया था, 'मुझे वास्तव में परवाह नहीं है कि यह आज, कल या उसके बाद कहां है। लेकिन मेरा मानना है कि हमारे पास जो बिजनेस मॉडल है, सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन हैं, इसे बनाने और वितरित करने की क्षमता और हमारे सामने जो मांग है, वह समय के साथ हमारे ग्राहकों के लिए बहुत अधिक मूल्य लाएगी।'माइकल अकेले ही स्टॉक की सफलता से लाभान्वित नहीं हो रहे हैं। अन्य को-फाउंडर की संपत्ति में भी काफी वृद्धि हुई है।

ब्लूमबर्ग के अनुसार, कोरवीव के मुख्य रणनीति अधिकारी (सीएसओ) ब्रायन वेंटुरो की संपत्ति अब 6.4 अरब डॉलर है। वहीं कंपनी के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) ब्रैनिन मैकबी की संपत्ति 4.7 अरब डॉलर है।

मई 2025 में सीमेंट उद्योग ने पकड़ी रफ्तार; खपत 9 प्रतिशत बढ़ी, कीमतों में 8 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। सीमेंट उद्योग में मई 2025 में सालाना अधार पर 9 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रेटिंग एजेंसी आईसीआरए की नवीनतम रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार सीमेंट की खपत 39.6 मिलियन मीट्रिक टन (एमटी) हो गई है, जबकि औसत सीमेंट कीमतों में भी करीब 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसमें बताया गया कि कम बिक्री के बाद भी सीमेंट उद्योग ने मई 2025 में 50 किलोग्राम बैग की कीमत 8 प्रतिशत बढ़कर 360 रुपये रही, जबकि वित्त वर्ष 2025 में यह कीमत 340 रुपये थी। यह साल-दर-साल आधार पर 7% कम थी। हालांकि, चालू वित्त वर्ष के पहले दो महीनों (अप्रैल और मई) में कीमतों में 7% की सालाना बढ़ोतरी देखी गई है।इसके अलावा, रिपोर्ट में कहा गया है कि इनपुट लागत में स्थिरता के कारण परिचालन मार्जिन में भी सुधार हुआ है। इसका कारण कोयले और पेटकोक की ऊर्जा कीमतें कम हैं तथा डीजल की कीमतें स्थिर हैं। वहीं, अप्रैल और मई 2025 में कुल बिक्री वॉल्यूम 8 प्रतिशत बढ़कर 78.7 मिलियन मीट्रिक टन रहा, जबकि पूरे एफवाई2025 में यह आंकड़ा 6.3% की वृद्धि के साथ 453 मिलियन मीट्रिक टन पर पहुंचा। आईसीआर को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2026 में सीमेंट की मांग 6 से 7 प्रतिशत बढ़कर 480 से 485 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच सकती है। इसे आवासीय और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों से निरंतर मांग का समर्थन मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि आईसीआर कंपनियों के मार्जिन वित्त वर्ष 2026 में 80 से 150 आधार अंक बढ़कर 16.3% से 17% तक पहुंच सकते हैं। ईंधन लागत की बात करें तो जून 2025 में कोयले की कीमतें 19% घटकर 100 डॉलर प्रति टन और पेटकोक की कीमतें 2% घटकर 10,880 रुपये प्रति टन हो गईं। डीजल की कीमत 88 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर रही। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के दौरान कोयले की कीमतों में 6% कम थीं, पेटकोक में 1% की बढ़ोतरी हुई और डीजल की कीमतें स्थिर रहीं। सीमेंट निर्माता संघ (सीएमए) के अनुसार, भारत में सीमेंट उत्पादन की कुल स्थापित क्षमता 690 मीट्रिक टन है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय 05-49
सूर्यास्त 18-50
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	04-44 बजे
चंद्र-	सिंह में	कर्क...	06-57 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह...	09-08 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या...	11-15 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला...	13-22 बजे
शुक्र-	वृष में	वृश्चिक...	15-30 बजे
शनि-	मीन में	धनु...	17-44 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	19-54 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	21-41 बजे
		मीन...	23-19 बजे
		मेष...	00-55 बजे
		वृष...	03-24 बजे

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- पंचमी 09-24 तक उपरान्त षष्ठी
मास - आषाढ़ शुक्ल , सोमवार 30 June
नक्षत्र - मघा 07-20 तक उपरान्त पूर्वाफाल्गुनी
योग - सिद्धि 17-20 तक उप व्यतिपात
करण- बालव 09-24 तक उप कौलव
विशेष-
व्रत-त्योहार - स्कंदकुमार षष्ठी

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:25 से 09:03 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05:49 - 07:25	शुभ	चंचल	18:50 - 20:15	शुभ
काल	07:25 - 09:03	अशुभ	रोग	20:15 - 21:37	अशुभ
शुभ	09:03 - 10:41	शुभ	काल	21:37 - 22:58	अशुभ
रोग	10:41 - 12:20	अशुभ	लाभ	22:58 - 00:20	शुभ
उत्पात	12:20 - 13:58	अशुभ	उत्पात	00:20 - 01:42	अशुभ
चंचल	13:58 - 15:37	शुभ	शुभ	01:42 - 03:03	शुभ
लाभ	15:37 - 17:15	शुभ	अमृत	03:03 - 04:25	शुभ
अमृत।	17:15 - 18:50	शुभ	चंचल।	04:25 - 05:49	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपके मिलनसार स्वभाव के कारण आपके बहुत सारे दोस्त हैं लेकिन ये सभी विश्वसनीय नही हैं । आज किसी भी दोस्त पर विश्वास करने से पहले उसके बारे में अच्छी तरह से जान लें । आज आप बिलकुल स्पष्ट सोच रहे हैं और आप मुश्किल योजना बनायेंगे और उसे बहुत अच्छी तरह कार्यान्वित भी कर पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
यह सही समय है जबकि आपको अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकलकर अपने आस पास की स्थितियों और अपनी स्थिति को ध्यान से समझना है । आप अपने विभिन्न कर्तव्यों को पूरा करने के लिए बहुत भागदौड़ करते रहे हैं । अब आप अपनी क्षमता भर इन्हें पूरा कर चुके हैं।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज का दिन बदलाव के नाम रहेगा । आपकी मुलाकात ऐसी किसी आदमी से हो सकती है जो आपके जीवन में महत्वपूर्ण बदलावों का या तो खुद कारण बनेगा या बदलाव लाने वाले लोगों से मुलाकात का माध्यम बनेगा । हालाँकि,सभी बदलाव आपके लिए अच्छे नही रहेंगे । इससे पहले कि आप बदलाव को स्वीकार कर आगे बढ़े ,आपको यह भी देखना होगा कि क्या यह बदलाव आपके लिए आने वाले समय में लाभकारी साबित होंगे।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
दिन शांत रहेगा । पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी । आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें । कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा । इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा । अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें । आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आपके मन में कुछ ऐसा चल रहा है जिससे आप परेशानी महसूस कर रहे हैं,आप पिछली कुछ बातों के बारे में सोचकर परेशान हैं । अपने किसी करीबी दोस्त या सम्बन्धी के साथ अपनी भावनाएं बांटिये,आपको काफी अच्छा महसूस होगा । ये सारी घटनाएँ आपको मजबूत बनाने के लिए हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं । कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी । आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी । आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
एक ऐसा व्यक्ति जो काफी लम्बे समय से आपके आस पास है लेकिन उस पर आप अधिक ध्यान नही दे रहे थे,आज से आप उसके बारे में गंभीरता से सोचना शुरू करेंगे । यह महज एक उभरता हुआ रोमांस नही है,बल्कि मन और आत्मा का मिलन है जिससे आप खासे प्रभावित होंगे । इसके बारे में अच्छे से सोच लें क्योंकि अब यह व्यक्ति आपके साथ लम्बे समय तक रहेगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आज का दिन कुछ अजीब सा रहेगा । कोई ऐसी घटना घट सकती है जिसकी आपने कभी कल्पना भी ना की होगी । आप गृहों से मिलने वाली ऊर्जा का ध्यान रखें और यह समझने की कोशिश करें कि वे आपको किस दिशा में ले जाना चाहती हैं । जीवन के इस मोड़ पर आपको सही रास्ता मिलना ही आपका आगे का भविष्य तय करेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपने किसी परियोजना में अपना काफी समय और प्रयास लगाये हैं और आपको अब इसका फल मिलना शुरू हो जाएगा। दूरदृष्टि के साथ साथ आपके दृढ संकल्प और प्रयास भी रंग लाये हैं । आप कुछ नए बदलाव करना चाह रहे हैं ,लेकिन वित्तीय बाधाएं हैं । आज आप सीमित साधनों से ही इन कामों को पूरा करने के सृजनात्मक तरीके खोज लेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

'हमारी सरकार ने डेढ़ साल में जो कर दिखाया वो कांग्रेस 5 साल में नहीं कर पाई' : सीएम भजनलाल

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर के जवाहर नगर में आयोजित राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि हाथ की सफाई, जादूगरी और ईमानदारी से मेहनत करने में बहुत फर्क होता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार जो काम पांच साल में नहीं कर पाई, उसे भाजपा सरकार ने महज डेढ़ साल में पूरा कर दिखाया है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष को निशाने पर लेते हुए कहा कि जब मैं सच्चाई की बात करता हूं तो विपक्ष के नेताओं को दर्द होता है। अब मैं यह दर्द थोड़ा-थोड़ा और बढ़ाना चाहता हूं।

कांग्रेस के कार्यकाल पर सीधा हमला

मुख्यमंत्री शर्मा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की कार्यप्रणाली की तुलना मौजूदा भाजपा सरकार से करते हुए कहा कि पिछली सरकार की निष्क्रियता और वर्तमान सरकार की सक्रियता के बीच जमीन-आसमान का अंतर है। उन्होंने आंकड़ों के आधार पर विपक्ष को घेरा और कहा कि हमारी सरकार ने डेढ़ साल में 88 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों को टैबलेट और लैपटॉप वितरित किए हैं, जबकि पिछली सरकार ने पूरे कार्यकाल में केवल 986 वितरित किए। इससे साफ जाहिर होता है कि किसने शिक्षा को प्राथमिकता दी।

उन्होंने आगे कहा कि पूर्व सरकार ने पांच साल में कुल साढ़े 10 लाख साइकिलें बांटी थीं, जबकि भाजपा सरकार ने मात्र डेढ़ साल में ही 10 लाख 50 हजार से अधिक साइकिलें वितरित कर दी हैं। स्कूटी वितरण में भी भाजपा सरकार कांग्रेस से कहीं आगे निकल चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष को यह अंतर सुनकर कष्ट हो रहा है, लेकिन जनता सच्चाई जानती है। अगर उनके पास जवाब है, तो उन्हें सामने आकर जवाब देना चाहिए।

'राजस्थान शिक्षा में अग्रणी राज्य बन रहा है'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव कर रही है। उन्होंने कहा कि मैं जब दूसरे राज्यों में जाता हूं तो वहां के लोग राजस्थानियों की मेहनत, शिक्षा और समाज सेवा की सराहना करते हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि हम देशभर में अपनी एक सकारात्मक पहचान बना रहे हैं। भामाशाह सम्मान समारोह में उन्होंने कहा कि भामाशाह केवल ऐतिहासिक प्रेरणा ही नहीं हैं, बल्कि आज भी वे राजस्थान के बच्चों के सपनों को उड़ान दे रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के मंत्री, विधायक और सांसद पूरी निष्ठा और मेहनत से काम कर रहे हैं। यही हमारी सरकार की असली पहचान है।

अशोक गहलोत बोले- पता नहीं भजनलाल सीएम रहेंगे या नहीं, बताया- सीएम की रेस में किसका नाम ?

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रदेश की राजनीति में अपने बयानों से अलग तरह की हलचल पैदा कर कर दी है। वे लगातार भारतीय जनता पार्टी पर सीएम भजनलाल को साजिश के तहत हटाने का आरोप मढ़ते आ रहे है। जिसे प्रदेश भाजपा के बड़े नेता काउंटर करने में लगे जुटे है। उन्होंने एक बार फिर भाजपा पर सीएम भजनलाल शर्मा को हटाने का आरोप लगाया है। अशोक गहलोत ने जोधपुर के इंटरनेशनल सेंटर में कांग्रेस की आयोजित संविधान बचाओ रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पता नहीं भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री रहेंगे या नहीं, कौन रहेगा कौन जाने।

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी आरएसएस के कट्टर कार्यकर्ता हैं। हमने सुना है कि उनका नाम भी मुख्यमंत्री की रेस में चल रहा है। अब पता नहीं

भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री रहेंगे या नहीं।

साथ ही उन्होंने कहा कि राज्यपाल से लेकर न्यायपालिका, उपराष्ट्रपति और लोकसभा स्पीकर तक सभी दबाव में हैं। राज्यपाल चुनी हुई सरकारों में दखल दे रहे हैं। संविधान में इन्दिरा गांधी ने समाजवाद व धर्मनिरपेक्षता को जुड़वाया था। अब आरएसएस इसे हटाने की बात कर रही है।

गहलोत पहले भी कर चुके सीएम बदलने का दावा

गौरतलब है कि इससे पहले अशोक गहलोत ने जोधपुर के सर्किट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा था कि वर्तमान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को उनके पद से हटाने की साजिश उनकी ही पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा दिल्ली और जयपुर में रची जा रही है। यह षड्यंत्र पूरी तरह तैयार हो चुका है, लेकिन मुख्यमंत्री इस खतरे को समझ नहीं पा रहे हैं।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष और प्रभारी ने किया खंडन

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने गहलोत के बयान पर कहा था कि 'मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को हटाने का कोई षड्यंत्र नहीं चल रहा है। भाजपा में सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल है। केंद्र-राज्य की डबल इंजन की सरकार अच्छा काम कर रही है।' वहीं, भाजपा प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि 'हम रोज मुख्यमंत्री नहीं बदलते। चुनाव के आधार पर ही बदलाव होता है। आज हमारे मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा हैं, कल भी वही रहेंगे। हम रोज-रोज मुख्यमंत्री नहीं बदलते।'

मिट्टी की ढाय गिरने से लोग दबे
यूपी के 4 लोगों की मौत, 7 को बाहर निकाला

भरतपुर, 29 जून (एजेंसियां)। भरतपुर जिले के रूपवास इलाके में चंबल प्रोजेक्ट की पाइप लाइन डालने के दौरान मिट्टी को निकालने के चक्कर में करीब एक दर्जन महिलाएं व पुरुष दब गए। हादसे में 3 महिला समेत एक युवक की मौत हो गई। हालांकि 7 लोगों को बाहर निकाल लिया गया। मिट्टी की ढाय के नीचे दबने से घायल लोगों को आरबीएम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिला कलक्टर कमर चौधरी अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

अचानक मिट्टी गिर पड़ी, चीख पुकार मची

जानकारी के अनुसार गहनौली थाना इलाके में जंगी का नगला के पास रविवार सुबह चंबल प्रोजेक्ट की पाइपलाइन का काम चल रहा था। यूपी के फतेहपुर सीकरी से आए करीब एक दर्जन महिला व पुरुषों पर अचानक मिट्टी गिर पड़ी। जिसमें सभी दब गए। इसके बाद वहां चीख पुकार मच गई।

मृतकों के शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए

हादसे की सूचना पर जिला प्रशासन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। 7 लोगों को मिट्टी के ढेर से बाहर निकाला गया। इस हादसे में 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान अनुकूल पुत्र विजेंद्र सिंह (24 वर्ष) साल जाट का उत्तु सांवरा फतेहपुर सीकरी, विमला श्रीपति (45 वर्ष) उत्तु सांवरा फतेहपुर सीकरी, योगेश कुमारी (25 वर्ष) पत्नी अमित कुमार व विनोद पत्नी मुंशीलाल (55 वर्ष) के रूप में हुई है। फिलहाल बचाव कार्य चल रहा है। सूचना पर प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। मृतकों के शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं।

उत्तु सांवरा फतेहपुर सीकरी के समीप ही जग्गी का नगला रूपवास में पड़ता है जहां पर चंबल की पाइपलाइन की खुदाई चल रही थी। यह खुदाई करीब 10-12 फीट थी। जिसमें पीली मिट्टी निकाल रही थी।

बॉर्डर के पास युवक-युवती के शव मिले
पाकिस्तानी सिम और आईडी बरामद
प्यास और गर्मी से मौत की आशंका

जैसलमेर, 29 जून (एजेंसियां)। जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में उस समय सनसनी फैल गई, जब भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास युवक और युवती दो शव बरामद हुए। रामगढ़ थाना क्षेत्र के साधेवाला इलाके में रेतीले टीलों पर एक युवक और एक नाबालिग लड़की के शव मिले हैं। दोनों शव 4 से 5 दिन पुराने बताए जा रहे हैं। मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके पर पहुंची पुलिस और बीएसएफ ने घटनास्थल की घेराबंदी की। प्राथमिक जांच में इन शवों के पास से पाकिस्तानी सिम कार्ड और एक आईडी कार्ड मिलने की जानकारी मिली है, जिससे यह अंदेशा जताया जा रहा है कि मृतक युवक और लड़की पाकिस्तान के नागरिक हो सकते हैं। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि दोनों मृतक संभवतः 4-5 दिन पहले बॉर्डर पार करके भारत की सीमा में दाखिल हुए होंगे। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने वैध वीजा के माध्यम से प्रवेश किया या तारबंदी पार कर अवैध रूप से भारत में घुसे। जांच अधिकारियों के अनुसार शुरुआती तौर पर यह आशंका जताई जा रही है कि युवक और नाबालिग लड़की की मौत प्यास और गर्मी से हुई हो सकती है क्योंकि घटनास्थल पर कोई हिंसा या संघर्ष के संकेत नहीं मिले हैं। शवों को फिलहाल रामगढ़ के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है, जहां पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के असली कारणों की पुष्टि हो सकेगी। घटना के बाद से बीएसएफ और जैसलमेर पुलिस मिलकर गहन जांच में जुटी हैं। आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी पूछताछ की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आखिर ये दोनों युवक और युवती कौन थे, भारत कैसे पहुंचे और उनका मकसद क्या था। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां हर संभव एंगल से मामले की जांच कर रही हैं और बॉर्डर क्षेत्र में सतर्कता और बढ़ा दी गई है। जैसलमेर पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम और दस्तावेजी जांच रिपोर्ट के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

टिकट पाते हैं, पद पाते हैं और फिर बीजेपी के नेताओं की जय-जयकार करते हैं : सांसद भजनलाल जाटव
राजनीतिक गलियारों में मची हलचल

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। धौलपुर-करौली से कांग्रेस सांसद भजनलाल जाटव का एक धमाकेदार वीडियो सामने आया है, जिसने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। 23 जून को भरतपुर में वैर की सैनी धर्मशाला में आयोजित संविधान बचाओ रैली में सांसद भजनलाल जाटव ने मंच से अपने दिल की बात बेहद तीखे शब्दों में कही। इसका वीडियो 28 जून को सामने आया, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ है।

भजनलाल जाटव ने मंच से जो कहा वो ना सिर्फ उनके विरोधियों को चुभ सकता है, बल्कि पार्टी के अंदरूनी हलकों में भी चर्चाओं को हवा दे सकता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से बहुत कुछ सीखा है और अब वक्त आ गया है कई लोगों को ठिकाने लगाने का। अपने अंदाज में उन्होंने साफ-साफ कहा कि जो लोग पार्टी का फायदा उठाते हैं, टिकट पाते हैं, पद पाते हैं और फिर बीजेपी के नेताओं की जय-जयकार करते हैं, उन्हें अब सबक सिखाने का वक्त आ गया है। उन्होंने अपने समर्थकों से कहा कि अब माफी केवल ग्राम पंचायत चुनावों में मिलेगी।

जाटव ने खुलकर कहा कि आने वाले पंचायत चुनावों में हर

पंचायत से कांग्रेस का आदमी चुना जाना चाहिए। बीजेपी का कोई भी नेता या समर्थक सरपंच नहीं बनना चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि पूरे इलाके में कांग्रेस समर्थकों की लिस्ट तैयार करें, क्योंकि अब काम उन्हीं के होंगे। उन्होंने ऐलान किया कि जैसे ही पंचायत चुनावों की आचार संहिता लागू होगी, 25 लोगों की एक विशेष कमेटी बनाई जाएगी, जो चुनाव की कमान संभालेगी। उन्होंने कहा कि जो पहले उन्हें गलत बताते थे, अब वो खुद आकर माफी मांग रहे हैं, मगर माफी भी अब इलेक्शन टाइम टेबल के मुताबिक मिलेगी।

सभा में बैठे समर्थकों की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि पांडाल में जो लोग बैठे हैं, वो सब हमारे हैं और अब सिर्फ उनके ही काम होंगे। इस बयान से जाटव ने साफ कर दिया कि अब उनका फोकस अपने-अपने लोगों को मजबूत करना और विरोधियों को किनारे करना है। जाटव के इस बयान ने कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति में मसालेदार बहस छेड़ दी है। जहां एक ओर जाटव अपने कार्यकर्ताओं में जोश भरते दिखे, वहीं विरोधियों को खुली चुनौती भी दे दी कि अब सियासत का खेल नए नियमों से खेला जाएगा।

आरपीसीबी का नया आदेश, कल से राजस्थान में बंद होंगे पांच हजार ईंट भट्टे

भीलवाड़ा, 29 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में चलने वाले ईंट-भट्टे 30 जून बाद बंद हो जाएंगे। इसके बाद जो भी ईंट-भट्टा चलता मिलेगा, उसके खिलाफ राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल तय मापदंड के अनुसार जुर्माना लगाएगा। प्रदेश में करीब 5 हजार तथा भीलवाड़ा जिले में 250 से अधिक ईंट-भट्टे संचालित हैं। ये ईंट-भट्टे अब एक जुलाई से 31 दिसंबर तक बंद रहेंगे। इनका संचालन एक जनवरी 2026 से ही हो सकेगा।

राजस्थान स्टेट पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड आरपीसीबी ने आदेश जारी किया है कि राज्य में ईंट-भट्टों का संचालन अब साल में सिर्फ छह माह तक होगा। संचालन अवधि 1 जनवरी से 30 जून तक होगी। पहले ईंट-भट्टों का संचालन नौ माह होता था। प्रदेश में पांच हजार से अधिक ईंट-भट्टे हैं। इन भट्टों में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश तथा बिहार समेत अन्य राज्यों से हजारों श्रमिक काम करने आते है। नए नियम से श्रमिकों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो जाएगा।

एनजीटी ने 24 जनवरी 2024 को बड़े समूहों में चल रहे ईंट-भट्टों को नियंत्रित करने का आदेश दिया था। इसके बाद ईंट-भट्टा संघों ने खुद प्रदूषण नियंत्रण के लिए फायरिंग अवधि सीमित करने का प्रस्ताव रखा। 22 जनवरी 2025 को राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने आदेश जारी कर 30 जून के बाद भट्टे नहीं चलाने के आदेश दिए।

तेलंगाना से तस्करी कर राजस्थान में बेची गई 10वीं की छात्रा
खरीददार ने किया यौन शोषण, दादी की शिकायत से खुला राज

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। तेलंगाना की नाबालिग लड़की की तस्करी कर राजस्थान में बिक्री करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने 3 आरोपियों को मामले में गिरफ्तार किया है। खरीदने वाले शख्स पर किशोरी का यौन शोषण करने का आरोप लगा है। किशोरी की दादी की शिकायत पर पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। तेलंगाना की आदिलाबाद पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण, तस्करी और यौन शोषण के सिलसिले में महाराष्ट्र के एक दंपति सहित 3 लोगों को गिरफ्तार किया है, अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आदिलाबाद जिला पुलिस के अनुसार, पीड़िता 10वीं की छात्रा थी और अपनी दादी के साथ रह रही थी। आरोपी झूठे बहाने से बहला-फुसलाकर लड़की को राजस्थान ले आए और 10 हजार रुपये में बिक्री कर दिए।

पकड़े गए आरोपी

अधिकारियों ने कहा कि आरोपी दंपति, जिनकी पहचान निर्मला बापुन्या आत्रम (47) और बापुन्या राजाराम आत्रम (49) के रूप में हुई है, दोनों महाराष्ट्र के मूल निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि इन लोगों ने जून महीने की शुरुआत में लड़की को भीमपुर मंडल में उसके रिश्तेदार के घर से ले गए थे।

समारोह में शामिल होने के बहाने ले गए थे साथ

पुलिस अधिकारियों ने बताया, लड़की के माता-पिता अलग-अलग रहते हैं और वह अपनी दादी के साथ रह रही थी। परिवार की स्थिति को जानते हुए, दंपति ने लड़की को एक समारोह में शामिल होने के लिए राजी किया और उसे बस से नागपुर ले गए। इसके बाद लड़की को लेकर राजस्थान आ गए। राजस्थान में ही लड़की को 10 हजार रुपये में बेच दिया गया। इसके बाद खरीदार ने उसका यौन शोषण किया।

दादी की शिकायत पर मामले का खुलासा

यह घटना तब सामने आई जब पीड़िता की दादी ने 22 जून को गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। जिसमें कहा गया कि वह 2 जून से लड़की की तलाश कर रही थी। जांच के दौरान, आत्रम दंपति पर संदेह हुआ। कथित तौर पर आरोपी महिला ने लड़की को वापस लाने के लिए तीन दिन का समय मांगा और उसकी दादी को लौटा भी दिया।

पॉक्सो एक्ट में दर्ज हुआ केस

दादी की शिकायत के आधार पर, पुलिस ने किरण नामक खरीदार सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्तियों पर पीओसीएसओ अधिनियम और मानव तस्करी से संबंधित कानूनों के तहत मामला दर्ज किया गया है। तीनों को न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि जांच जारी है।

15 घंटे चली 25 जेसीबी
फूंका 1200 लीटर डीजल, अवैध बजरी पर पुलिस की स्ट्राइक; माफियाओं में मचा हड़कंप

धौलपुर, 29 जून (एजेंसियां)। धौलपुर शहर से सटी ग्राम पंचायत मौरोली के गांव बड़ा पुरा, बल्लापुरा, देवपुरा समेत अन्य गांवों में चंबल की अवैध बजरी पर पुलिस की हुई स्ट्राइक से बजरी माफिया में हड़कंप है। अवैध बजरी को नष्ट कराने के लिए पुलिस को जिलेभर से करीब 25 जेसीबी मशीनें मंगानी पड़ी और रेता को मिट्टी में मिलाने के लिए करीब 1200 लीटर डीजल जेसीबी मशीनों ने फूंक डाला। जबकि पुलिस थाने के साथ वन, खनिज और राजस्व विभाग के वाहन, जाब्ता और कार्मिक अलग थे।

उधर, अवैध बजरी भंडारण मामले में कोतवाली पुलिस में अलग-अलग पांच एफआइआर दर्ज हुई है। इसमें कुछ में खातेदारों की भूमि पर मिली अवैध बजरी मामले में नामजद मुकदमे दर्ज किए हैं। विशेष बात ये है कि बजरी माफिया के खिलाफ हुई बड़ी कार्रवाई से पहले पुलिस ने लगातार तीन दिन इलाके में अवैध बजरी भंडारण की सही लोकेशन को तलाश किया। इसमें गूगल मैप की भी मदद ली जिससे टीम भटक नहीं जाए। माफिया ने जहां जहां अवैध बजरी भंडारण कर रखा था, पुलिस उसकी रैकी के समय गूगल मैप लोकेशन लेकर कार्रवाई से कुछ घंटे पहले टीम लीडर को दी, जिसके बाद टीम ने बिना समय गवाए सीधे मौके पर छापा मारा।

थाने से 150 मीटर दूर दिनदहाड़े युवक का अपहरण
जमकर मारपीट के बाद गाड़ी में डालकर ले गए

सीकर, 29 जून (एजेंसियां)। कोतवाली थाना सीकर से महज 150 मीटर की दूरी से एक युवक साकिब के साथ मारपीट कर दिनदहाड़े उसका अपहरण कर ले गए। अपहरणकर्ता एक काले रंग की लग्जरी कार लेकर आए थे। उन्होंने पहले युवक के साथ जमकर मारपीट की और फिर उसके बाल पकड़कर खींचकर गाड़ी में डालकर ले गए। एएसपी गजेंद्रसिंह जोधा रुपयों के लेनदेन के मामले को लेकर अपहरण की बात कह रहे हैं। सारा घटनाक्रम कोतवाली रोड स्थित सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हो गया है। लोगों ने अपहरण के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए हैं। एक राहगीर को छोड़कर किसी भी दुकानदार, आमजन व अन्य खड़े लोगों ने पीड़ित को बचाने का प्रयास नहीं किया। जिसके चलते भयमुक्त बदमाश पीड़ित को उठा ले गए। पुलिस मुख्य आरोपियों के पिता से पूछताछ कर रही है। कोतवाली थाना के बाहर करीब 100-150 लोग एकत्रित होकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

सीओ धोद सुरेश कुमार शर्मा ने बताया कि पीड़ित मोहमद गजन्फर अली पुत्र मोहमद युसूफ निवासी मोहल्ला सुल्तानशाह वार्ड नंबर 39 ने मामला दर्ज करवाया है। परिवादी ने बताया कि उसके साथी शाकिब, तौसिफ, फिरोज, हनीफ काम करके पुरानी कोतवाली रोड से घर जा रहे थे। मोहमद गजन्फर अली निर्माण कार्य में बांस बांधने का ठेका लेता है और उसके पास ही ये लड़के मजदूरी करते हैं।

पुलिस और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स की कार्रवाई
2.50 करोड़ के डोडा-पोस्त सप्लायर को दबोचा

नागौर, 29 जून (एजेंसियां)। नागौर सदर थाना पुलिस ने एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स जयपुर के सहयोग से बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए करोड़ों रुपये के डोडा-पोस्त सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 2.50 करोड़ रुपये के अवैध डोडा-पोस्त के सप्लायर और एनडीपीएस एक्ट के तहत 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी अपने साथियों के साथ मिलकर प्लास्टिक के खाली कैरेट की आड़ में 100 कट्टों में 1,655.200 किलो अवैध डोडा-पोस्त से भरा ट्रक ले जा रहा था, जिसे टीम ने जब्त कर लिया। इससे पहले पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए आरोपियों के नाम राजूलाल गुर्जर उर्फ राजू पुत्र श्री नंदा निवासी मोरवन जिला चित्तौड़गढ़, हनुमान राम पुत्र सूरज राम जाट निवासी डेह और नारायण लाल पुत्र बद्रीलाल जाट निवासी बन का खेड़ा, थाना बड़लियास, जिला भीलवाड़ा बताए गए हैं।

इंश्योरेंस कंपनी के मैनेजर और पत्नी फ्लैट में मृत मिले, आत्महत्या या हत्या के फेर में पुलिस

जयपुर, 29 जून (एजेंसियां)। शहर के मुहाना थाना क्षेत्र स्थित दादूदयाल नगर में रहने वाले निजी इंश्योरेंस कंपनी में मैनेजर धर्मेंद्र चौधरी (45) और उनकी पत्नी सुमन चौधरी अपने फ्लैट में फंदे पर मृत मिले। इस घटना को शुरुआती तौर पर आत्महत्या बताया जा रहा है, लेकिन परिस्थितियों के चलते हत्या की आशंका को भी खारिज नहीं किया गया है। पुलिस फिलहाल हर एंगल से जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार धर्मेंद्र और सुमन के शव उनके फ्लैट में संदिग्ध हालत में मृत पाए गए। जब शुक्रवार को धर्मेंद्र ऑफिस नहीं पहुंचे तो उनके सहकर्मियों ने उन्हें कॉल करना शुरू किया लेकिन बार-बार कॉल करने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने धर्मेंद्र के करीबी दोस्त को इसकी जानकारी दी। दोस्त की बेटी फ्लैट पर पहुंची और कई बार गेट खटखटाया लेकिन कोई जवाब न मिलने पर पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा गया, जहां दोनों के शव मिले। पुलिस का मानना है कि घटना रात में ही हो चुकी थी और करीब 12 घंटे बाद इसका पता चला। फ्लैट से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

झूठे निजाम का पर्दाफाश होना चाहिए, गुडूर ने की मांग

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्य वरिष्ठ नेता गुडूर नारायण रेड्डी ने शनिवार को मांग की कि केंद्र और राज्य सरकारें हैदराबाद राज्य के निजाम के एकमात्र उत्तराधिकारी होने का दावा करने वाले अजमत जाह को भारत के सैकड़ों करोड़ रुपये के धन को सफेद करने से रोकें।

मीडिया को दिए गए बयान में गुडूर ने कहा कि अजमत जाह भारत में रहने वाले निजाम के विस्तारित परिवार की विवादित संपत्तियों को बेच रहे हैं और अपने गुर्गों के माध्यम से तुर्की जैसे विदेशी देशों में पैसा भेज रहे है, जो भारत के लिए शत्रुतापूर्ण है। उन्होंने कहा, वह तुर्की जैसे भारत के गैर-मित्र देशों में पैसा भेजकर भारतीय अर्थव्यवस्था को बहुत नुकसान पहुंचा रहे हैं।

उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार अजमत जाह को मुहर्रम जुलूस जैसे बीबी-का-आलम आदि जैसे मुस्लिम धार्मिक समारोहों का नेतृत्व करने का अवसर न दे। उन्हें अंतिम निजाम के उत्तराधिकारी के रूप में लोगों और निजाम के परिवार के सदस्यों को धोखा देने से रोका जाना चाहिए।

केंद्र को अपनी जांच एजेंसियों को अज़मत जाह के गुप्त मामलों की जांच करने का निर्देश देना चाहिए। उनके संदिग्ध मामलों के पीछे के तथ्यों को सामने लाना चाहिए और निजाम के विस्तारित परिवार के सदस्यों और बड़े पैमाने पर भारत के लोगों के साथ न्याय करना चाहिए। उन्होंने कहा कि उनके पास अजमत के गलत कामों के खिलाफ सभी दस्तावेजी सबूत हैं और वह किसी के भी संदेह का जवाब दे सकते हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि निजाम के पंजीकृत परिवार के सदस्य-एक साथ आए हैं और सातवें निजाम द्वारा बनाए जा रहे एक ट्रस्ट में शामिल हो गए हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र सरकार ने 1971 में उपाधियों और प्रिवी पर्स को समाप्त कर दिया था और सभी तत्कालीन शासकों की मान्यता समाप्त कर दी थी। इसलिए उपाधियों के उत्तराधिकार का कोई सवाल ही नहीं है। इसलिए, अज़मत किसी भी उपाधि और विशेषाधिकार का उत्तराधिकारी नहीं है। अज़मत के सौतेले भाई आजम, जो मुकरम जाह से पैदा हुए हैं, ने भी अदालत में अज़मत के दावे को चुनौती दी है।

उन्होंने शरिया के नियमों को लागू करने का भी प्रस्ताव रखा है ताकि उन्हें हिस्सा मिल सके। विडंबना यह है कि ऐसा करते हुए, वे परिवार के बाकी सदस्यों को शरिया द्वारा दिए जा रहे अधिकारों से वंचित कर रहे हैं।

गोलकोंडा बोनालु जात्रा

तेलंगाना आषाढ बोनालु उत्सव : गोलकोंडा के बोनालु में भाग लेते हुए पोतुराजू जो अपने नृत्य का प्रदर्शन कर रहे है साथ ही मां के दर्शन के लिए आई भक्तों की भीड़ का दृश्य।

सरकार ने स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत 16,448 कर्मचारियों का कार्यकाल एक और वर्ष के लिए बढ़ाया

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। स्थायी पदों पर नियुक्ति होने तक सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं और चिकित्सा शिक्षा की निरंतरता बनाए रखने के लिए, राज्य सरकार ने रविवार को चिकित्सा शिक्षा निदेशक (डीएमई) से जुड़े 16,448 पदों को अनुबंध, आउटसोर्सिंग और मानदेय के आधार पर एक और वर्ष के लिए बढ़ाने के आदेश जारी किए।

ये पद नैदानिक और गैर-नैदानिक दोनों सेवाओं को शामिल करते हैं, जिसमें डीएमई के तहत विभिन्न श्रेणियों में 4,772 अनुबंध पद, 8,615 आउटसोर्सिंग पद, 3,056 मानदेय पद और तीन मल्टी-टास्किंग कर्मचारी शामिल हैं। इन 16,448 चिकित्सा सेवा भूमिकाओं का विस्तार एक और वर्ष तक चलेगा।

ये पद तेलंगाना में सरकारी मेडिकल कॉलेज, शिक्षण अस्पताल, साथ ही नर्सिंग और दंत चिकित्सा संस्थानों को शामिल करते हैं।

इसके अतिरिक्त, इसमें प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, सीनियर रेजिडेंट, डॉक्टर, नर्स, पैरामेडिकल कर्मी, डीईओ, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और अन्य संकाय सदस्य शामिल हैं। इस आशय का आदेश वित्त विभाग के प्रधान सचिव संदीपे सुल्तानिया ने जारी किया है।

शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों की जांच के दौरान 454 वाहन चालक पकड़े गए

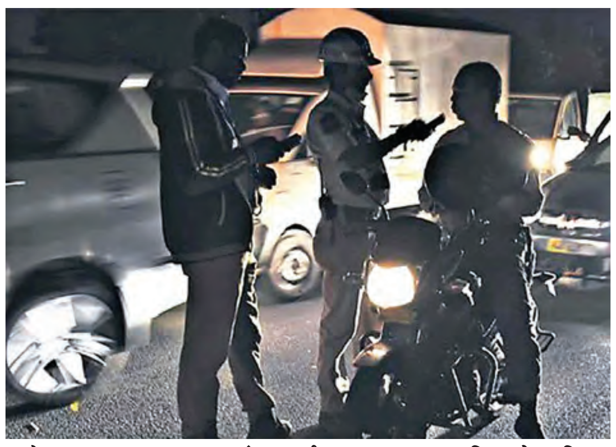

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने शनिवार रात को शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ जांच के दौरान 454 वाहन चालकों को शराब पीकर वाहन चलाने के आरोप में पकड़ा। 372 दोपहिया वाहन, 22 तिपहिया वाहन, 57 चार पहिया वाहन और 3 भारी वाहन के खिलाफ कार्रवाई की गई। कुल अपराधियों में से 17 के रक्त में अल्कोहल सांद्रता (बीएसी) का स्तर 301 मिलीग्राम/100 मिली से अधिक पाया गया, जो खतरनाक रूप से उच्च स्तर है। पुलिस ने सभी अपराधियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

सभी व्यक्तियों को कानूनी प्रक्रिया के अनुसार अदालत में पेश किया जाएगा। सबसे अधिक मामले मियापुर पुलिस (53) द्वारा दर्ज किए गए, उसके बाद अलवाल पुलिस (43) और जीडीमेटला पुलिस (41) का स्थान रहा।

कोलकाता गैंगरेप केस : टीएमसी नेताओं के बिगड़े बोल तो ममता का चला हंटर, विधायक को नोटिस, कल्याण बनर्जी ने बदला सुर

कोलकाता, 29 जून (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कस्बा स्थित कलकत्ता लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ दुष्कर्म के मामले में तृणमूल कांग्रेस नेताओं की विवादित टिप्पणी से राज्य में बवाल मचा हुआ है। पहले सांसद कल्याण बनर्जी और बाद में विधायक और पूर्व मंत्री मदन मित्रा ने विवादास्पद टिप्पणी की थी। पार्टी नेताओं की विवादित टिप्पणी पर ममता बनर्जी ने नाराजगी जताई और ममता बनर्जी के निर्देश पर प्रदेश तृणमूल कांग्रेस के अध्यक्ष सुब्रत बक्शी ने मदन मित्रा को कारण बताओ नोटिस जारी किया। वहीं, कल्याण बनर्जी ने अपना सुर बदलते हुए कहा कि आरोपी को कानून के अनुसार फांसी होगी ही। यदि नहीं तो लैंप पोस्ट से लटका कर उसे गोली मार देनी चाहिए।

कस्बा गैंग रेप मामले पर तृणमूल सांसद कल्याण बनर्जी की टिप्पणी उनकी पिछली टिप्पणियों से 180 डिग्री बदल गई है। श्रीरामपुर में कल्याण बनर्जी ने कहा, जो कोई भी अपनी सहकर्मी के साथ इस तरह बलात्कार कर सकता है, उसे फांसी पर लटका देना चाहिए। फांसी के अलावा कोई जगह नहीं है।

हालांकि कल्याण बनर्जी ने एक दिन पहले कहा था, सुरक्षा ही सबकुछ हैस लेकिन अगर कोई दोस्त अपनी गर्लफ्रेंड के साथ बलात्कार करे तो बताइए सुरक्षाकर्मी क्या करेंगे! क्या कॉलेज के अंदर पुलिस होगी? उनकी टिप्पणियों पर तीखी बहस शुरू हो गयी थी। पार्टी ने एक बयान जारी कर कहा था कि वह किसी भी तरह से इस टिप्पणी का समर्थन नहीं करती है।

उन्होंने नेतृत्व के खिलाफ आवाज उठाते हुए कहा, कुछ गैरजिम्मेदार लोग नेता बनकर बैठे हैं। इसी वजह से महिलाओं पर इस तरह अत्याचार हो रहे हैं और ऊपर बैठे नेताओं को कुछ पता ही नहीं है। ये दोनों लड़के हमें बदनाम कर रहे हैं। अगर कानून है तो इन्हें फांसी पर लटका देना चाहिए। अगर कानून नहीं है तो इन्हें लैंप पोस्ट से बांधकर गोली मार देनी चाहिए। दूसरी ओर, कस्बा गैंगरेप की घटना पर उनकी विवादास्पद टिप्पणी के लिए पार्टी ने पूर्व मंत्री मदन मित्रा के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। रविवार को पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी ने मदन को कारण बताओ पत्र भेजा। उनसे तीन दिन के भीतर जवाब देने को कहा गया है। पत्र में कहा गया है कि कस्बा कांड पर मदन की टिप्पणियों से पार्टी की सार्वजनिक छवि को नुकसान पहुंचा है।

जायसवाल समाज का आठवां सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग पार्षद एवं तेलंगाना जायसवाल सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश जायसवाल ने बताया कि समाज का आठवां अखिल भारतीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें समाज की ओर से राकेश जायसवाल को इस विशेष कार्यक्रम में सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर तेलंगाना के बीसी मंत्री पोन्नम प्रभाकर, अनिल कुमार यादव राज्यसभा सदस्य, रमेश जयसवाल एमएलए मुगलसराय यूपी, मीतू साई कुमार अध्यक्ष, मत्स्य पालन विभाग मनोज जायसवाल अध्यक्ष ऑल इंडिया जायसवाल क्लब, श्रीमती सोनिया जायसवाल, विजंधर जायसवाल श्रीमती नेहा सुहालका और अन्य जयसवाल समाज के लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

अग्रवाल समाज का चुनाव परिणाम घोषित

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज चुनाव परिणाम घोषित कर दिए गए। इस अवसर पर बडी संख्या में समाज के लोग मतगणना स्थल पर मौजूद थे। इसमें अनिरुद्ध गुप्ता अध्यक्ष निर्वाचित किए गए। उपाध्यक्ष रूपेश अग्रवाल, सचिव पद पर विकास कुमार निर्वाचित घोषित किए गए। संयुक्त सचिव सीमा जैन तो कोषाध्यक्ष अचल गुप्ता निर्वाचित हुए।

शेखावाटी के संतों के सानिध्य में होगी भजन संध्या

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शेखावाटी के संतों के सानिध्य में व पीसीसी चीफ लक्ष्मनगढ विधायक के आतिथ्य में हैदराबाद में तृतीय भजन संध्या का आयोजन होगा।

इस आशय का निर्णय श्री सालासर बालाजी नवयुवक मंडल हैदराबाद के अध्यक्ष महेश सैनी की अध्यक्षता में सैनी टावर में आयोजित मीटिंग में लिया गया। यह जानकारी देते हुए मंडल के सचिव विकास शर्मा ने बताया कि आयोजन की तैयारी को लेकर रविवार को आयोजित मीटिंग में निर्णय लिया कि 2 अगस्त को तृतीय विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शेखावाटी के सिद्ध संत कैलाशनाथ महाराज व युवा संत गुलाब नाथ महाराज के सानिध्य में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के आतिथ्य में विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा। मीटिंग में मंडल के उपाध्यक्ष दामोदर तिवाड़ी, सम्पत पारीक, सहसचिव नंदुसिंह राजपुरोहित, कोषाध्यक्ष किशोर शर्मा, सह कोषाध्यक्ष जयप्रकाश शर्मा, आनंद कुमार शर्मा, केदार शर्मा, ओम प्रकाश चौधरी, इंदरपाल सैनी, श्रवण पारीक, मुरली शर्मा, ढगलाराम, केके बन्ना सहित मंडल के पदाधिकारी सदस्य मौजूद थे।

मिरचीवाले का उद्घाटन

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सैनिकपुरी स्थित हाई टेन्शन रोड़ साईंबाबा आफिसर्स कालोनी में आरजे 22 मिरचीवाले कार्यालय का उद्घाटन संपन्न हुआ। इसमें उपस्थित प्रबंधक प्रकाश सीरवी, मांगीलाल सोलंकी, दिनेश (डुगाराम) विनोद, सीरवी, जयराम पंवार, हीरालाल चोयल, नारायण लाल बर्फा, घेवरराम चोयल, हुक्माराम सानपुरा, अचलाराम हाम्बड़, सोहनलाल, नरेश सोलंकी, वेनाराम चोयल, योगा मास्टर रमेश, बाबूलाल काग, जगदीश मालवीया, नंदाराम गेहलोत, कालुराम गेहलोत, पप्पूराम गुजर राजु सोलंकी, सुरेश सोलंकी, हरीश, बी जगदीश सीरवी अन्य उपस्थित थे।

दिल्ली में बंद होगी मुफ्त बिजली की योजना?

अरविंद केजरीवाल ने किया दावा, भाजपा ने दिया जवाब

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। जंतर-मंतर पर आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को दिल्ली की बीजेपी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इसमें पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सीएम रेखा गुप्ता पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हम अच्छी खासी दिल्ली छोड़कर गए थे, 24 घंटे बिजली आती थी, इनकी सरकार में 6-7 घंटे के पॉवर कट लगते हैं। अब ये कह रहे हैं कि एक साल रुक जाओ, दिल्लीवालों की मुफ्त बिजली भी बंद कर देंगे।

दिल्ली में तोड़ी जा रही झुग्गियों के विरोध में आयोजित प्रदर्शन में केजरीवाल ने बीजेपी पर जमकर हल्ला बोला। उन्होंने कहा कि बीजेपी का प्लान दिल्ली की सभी झुग्गियां तोड़ने का है। इनकी गंदी नजर आपके घरों पर टिकी हुई है। दिल्ली में 40 लाख से ज़्यादा झुग्गीवाले हैं, यह सभी इकट्ठे होकर सड़कों पर आकर आंदोलन करेंगे। मैं बीजेपी को चेतावनी देना चाहता हूं कि सुधर जाओ, झुग्गियां तोड़ना बंद करो। अगर झुग्गियां तोड़ना बंद नहीं किया तो तुम्हारा सिंहासन डोलने में वक्त नहीं लगेगा।

उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले मैंने दिल्ली के गरीबों और झुग्गीवालों के लिए वीडियो जारी करके कहा था कि अगर बीजेपी की सरकार आ गई तो यह एक साल में ही झुग्गियां तोड़ देंगे। इन्होंने 2-3 महीनों में झुग्गियां तोड़कर आपके सिर से छत छीन ली है। इन्होंने गरीबों का घर और रोजगार दोनों छीन लिया है। उन्होंने कहा कि ये केवल लूटने का काम करते हैं। दिल्ली की झुग्गियों में 40 लाख लोग रहते हैं, अगर ये इकट्ठे हो गए तो किसी की औकात नहीं है जो आपकी झुग्गी तोड़ने आ जाए।

दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आप की झुग्गीवासियों के नाम पर बुलाई जनसभा पूरी तरह फ्लॉप रही और जब आप नेता बोले तो एक बार फिर उनका अराजक, असंवैधानिक रूप देखने को मिला। पूरी पार्टी बीते एक महीने से बीजेपी पर झूठा आरोप लगा रही है। वह घड़ियाली आंसू बहा रही है।

केजरीवाल को बताना चाहिए कि वह अपने कार्यकाल में कितने झुग्गी वालों को मकान बनाकर दिए हैं। अब जब हम लोगों को मकान दे रहे हैं तो उन्हें अच्छा नहीं लग रहा है।

उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले मैंने दिल्ली के गरीबों और झुग्गीवालों के लिए वीडियो जारी करके कहा था कि अगर बीजेपी की सरकार आ गई तो यह एक साल में ही झुग्गियां तोड़ देंगे। इन्होंने 2-3 महीनों में झुग्गियां तोड़कर आपके सिर से छत छीन ली है।

इन्होंने गरीबों का घर और रोजगार दोनों छीन लिया है। उन्होंने कहा कि ये केवल लूटने का काम करते हैं। दिल्ली की झुग्गियों में 40 लाख लोग रहते हैं, अगर ये इकट्ठे हो गए तो किसी की औकात नहीं है जो आपकी झुग्गी तोड़ने आ जाए।

दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आप की झुग्गीवासियों के नाम पर बुलाई जनसभा पूरी तरह फ्लॉप रही और जब आप नेता बोले तो एक बार फिर उनका अराजक, असंवैधानिक रूप देखने को मिला।

एससीआर 4 जुलाई से नांदेड़ और तिरुपति के बीच चलाएगा 16 विशेष ट्रेनें

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे 4 जुलाई से नांदेड़ और तिरुपति के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। विशेष रेलगाड़ियों में ट्रेन संख्या 107189 नांदेड़-तिरुपति 16.30 (शुक्रवार) से शुरू होकर 12.30 (शनिवार) को गंतव्य पर पहुंचेगी। यह ट्रेन 4 जुलाई से शुरू होकर 25 जुलाई तक चलेगी। ट्रेन संख्या 07190 तिरुपति-नांदेड़ 14.20 (शनिवार) पर चलेगी और 09.30 (रविवार) पर गंतव्य पर पहुंचेगी। यह ट्रेन 5.07.25 जुलाई से 26.07.25 तक चलेगी।

ट्रेन संख्या 07015 नांदेड़-तिरुपति 16.50 (शनिवार) पर चलेगी और 10.10 (रविवार) पर गंतव्य पर पहुंचेगी। यह 5 जुलाई, 25 से 26 जुलाई, 25 तक चलेगी। ट्रेन संख्या 07016 तिरुपति-नांदेड़ 16.40 (रविवार) से शुरू होकर 13.15 (सोमवार) को गंतव्य पर पहुंचेगी। यह 6 जुलाई, 25 से 27.07.25 तक चलेगी।

ट्रेनों के स्टॉपेज :

ट्रेन नंबर 07189/07190 नांदेड़-तिरुपति-नांदेड़ स्पेशल (08 सेवाएं) :

ये विशेष ट्रेनें मुदखेड, धर्माबाद, बसर, निज़ामाबाद, कामारेड्डी, मेडचल, चोलापल्ली, नलगोंडा, मिर्यालगुडा, नादिकुडे, पिदुगुराल्ला, नेमालीपुरी, रोम्पिचेरला, विनुकोंडा, डोनाकोंडा, मार्कापुरम रोड, कम्बम, गिद्दलुर, दिगुवामेट्टा, नंद्याल, जम्मलमाडुगु, येरागुंटला, कडपा, नंदलूर, रज़ामपेटा पर रुकेंगी। दोनों दिशाओं में कोडुरु और रेनिगुंटा स्टेशन। इन विशेष ट्रेनों में 2एसी, 3एसी, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच शामिल होंगे।

ट्रेन नंबर 07015/07016 नांदेड़-तिरुपति-नांदेड़ स्पेशल (08 सेवाएं) :

रास्ते में, ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में मुदखेड़, बसर, निज़ामाबाद, कामारेड्डी, मेडचल, मल्काजगिरी, काचीगुडा, उमदानगर, शादनगर, जडचेरला, महबूबनगर, वानापर्थी रोड, गदवाल, कर्नूल सिटी, धोने, गूटी, ताड़ीपत्री, येरागुंटला, कडप्पा, ओन्टिमिट्टा, रज़ामपेटा और रेनिगुंटा स्टेशनों पर रुकेंगी। इन विशेष ट्रेनों में 1 एसी, 2 एसी, 3 एसी, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच होंगे।

एक्सेलेंसिया ने गार्डियम को हराकर फुटबॉल चैम्पियनशिप जीता

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक्सेलेंसिया इंटरनेशनल स्कूल ने डेक्कन एरिना में एक चौंका देने वाले वर्सिटी फुटबॉल चैंपियनशिप फाइनल में गत चैंपियन गार्डियम को हरा दिया है। खेल की शुरूआत गार्डियम के पूर्ण नियंत्रण के साथ हुई, उसने गेंद पर कब्ज़ा जमाया और एक्सेलेंसिया के बॉक्स पर लगातार हमले किए। लेकिन एक्सेलेंसिया ने अपनी पकड़ बनाए रखी और पहले हाफ के हमले से बचते हुए ब्रेक में 0-0 से बराबरी पर चला गया। दूसरे हाफ में, गार्डियम ने जोश भरा - देवराथ, सुजीत और थंडर्स जैसे सितारों ने शानदार प्रदर्शन किया। लेकिन एक्सेलेंसिया का बचाव अडिग था। 58वें मिनट में, टूर्नामेंट के ब्रेकआउट स्टार निमिश ने 30-यार्ड स्क्रीमर से ऐसा शॉट मारा कि भीड़ में अफरा-तफरी मच गई। इस स्ट्राइक ने 1-0 की जीत सुनिश्चित की, जिससे एक्सेलेंसिया को 2025 वर्सिटी फुटबॉल चैंपियन का ताज पहनाया गया। अंतिम सीटी बजते ही पिच पर सैकड़ों छात्र जश्न मनाने के लिए मैदान पर उमड़ पड़े।

तेरापंथ युवक परिषद की वार्षिक साधारण सभा 6 जुलाई को

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद की कार्यसमिति की बैठक में यह घोषणा की गई कि आगामी वार्षिक साधारण सभा रविवार, 6 जुलाई को सायं 5 बजे सिकंदराबाद के तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी में आयोजित की जाएगी। इस सभा में अध्यक्ष का विधिवत चयन किया जाएगा। कल की बैठक में सर्वसम्मति से मुकेश सुराणा को मुख्य चुनाव अधिकारी और प्रवीण बेंगाणी को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एशिया कप को लेकर सामने आया बड़ा अपडेट
भारत और पाकिस्तान की टीमें लेंगी हिस्सा
सितंबर के दूसरे हफ्ते में हो सकता है आगाज

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो टूर्नामेंट की शुरुआत सितंबर में हो सकती है। दरअसल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम सीमा पर है और ऐसा कहा जा रहा था कि दोनों देश अब क्रिकेट के मैदान पर एक साथ खेलते हुए नहीं दिखेंगे। इस वजह से एशिया कप के आयोजन पर भी सवालिया निशान बना हुआ था। लेकिन अब एशियन क्रिकेट काउंसिल ने टूर्नामेंट का आयोजन करने का मन बना लिया है और सितंबर में इस टूर्नामेंट की शुरुआत हो सकती है।

इस तारीख से हो सकती है एशिया कप की शुरुआत

क्रिकबज की एक रिपोर्ट की मानें तो एसीसी ने इस टूर्नामेंट की तैयारी शुरू कर दी है। सितंबर के दूसरे हफ्ते में इसका आगाज होगा। उम्मीद है कि 6 टीमों के बीच खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट की शुरुआत 10 सितंबर से हो सकती है। एशिया कप 2025 में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान यूएई की टीमें हिस्सा लेंगी। एसीसी ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी तैयारियां धीरे-धीरे शुरू कर दी है।

एसीसी में हो सकता है एशिया कप 2025 का आयोजन

एशिया कप 2025 भारत की मेजबानी में खेला जाना है। लेकिन अब ऐसा कहा जा रहा है कि टूर्नामेंट के सभी मुकाबले यूएई में खेले जाएंगे। एशिया कप का पिछला संस्करण 2023 में खेला गया था, जिसका आयोजन हाइब्रिड मॉडल के तहत किया गया था।

एशिया कप 2023 की मेजबानी पाकिस्तान के पास थी, लेकिन टीम इंडिया ने अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में खेले थे, जिसमें सेमीफाइनल और फाइनल भी शामिल था। भारत ने फाइनल मैच में श्रीलंका को हराकर 2023 एशिया कप का खिताब अपने नाम किया था।

ऐसा ही कुछ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान भी हुआ। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान के पास थी, लेकिन वहां भी टीम इंडिया ने हाइब्रिड मॉडल के तहत अपने सभी मैच यूएई में खेला था। ऐसे में एशिया कप 2025 का आयोजन भी हाइब्रिड मॉडल के तहत किया जाएगा। कुछ ही दिन पहले आईसीसी की ओर से इस साल होने वाले महिला वनडे वर्ल्ड कप और अगले साल होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप का शेड्यूल जारी किया। यह टूर्नामेंट भारत की मेजबानी में खेला जाना है, लेकिन पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगी।

मैं पूरी जिम्मेदारी लेता हूं, लीड्स टेस्ट में खराब प्रदर्शन के बाद प्रसिद्ध कृष्णा का बोल्ड बयान

लंदन, 29 जून (एजेंसियां)। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच में खराब प्रदर्शन के दौरान सही लेंथ से गेंदबाजी करने में नाकाम रहने की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि वह हर समय अपनी गेंदबाजी में संयम बरतने की कोशिश कर रहे थे। लीड्स में श्रृंखला के पहले मैच में 200 से अधिक रन लुटाने के बाद कई पूर्व खिलाड़ियों ने प्रसिद्ध की आलोचना की थी। भारत यह मैच पांच विकेट से हार गया था।

प्रसिद्ध कृष्णा ने अपने बयान में क्या कहा?

प्रसिद्ध ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, '(लीड्स) टेस्ट की पहली पारी में मैंने जरूरत से ज्यादा शॉट गेंद डाली। दूसरी पारी में यह थोड़ा बेहतर रहा और विकेट थोड़ा धीमा था।' उन्होंने कहा, 'मैंने निश्चित रूप से उस लंबाई पर गेंदबाजी नहीं की जो मैं करना चाहता था। मुझे सही लंबाई से सामंजस्य बिठाने में कुछ समय लगा। मुझे हालांकि एक पेशेवर के रूप में ऐसा करने में सक्षम होना चाहिए। मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं और शायद अगली बार इसे बेहतर तरीके से कर पाऊं।'

प्रसिद्ध ने पहली पारी में 20 ओवरों में 6.40 की इकॉनमी से 128 रन दिए, जो एक पारी में कम से कम 20 ओवर गेंदबाजी करने वाले किसी भारतीय गेंदबाज द्वारा सबसे खराब आंकड़ों में से एक है। उन्होंने इस दौरान ओली पोप, हैरी ब्रूक और जेमी स्मिथ के विकेट लिए।

कर्नाटक के इस गेंदबाज ने दूसरी पारी में जैक क्रॉउली और पोप के विकेट जल्दी-जल्दी लेकर भारत को उम्मीद दी, लेकिन उनका इकॉनमी रेट फिर से छह (6.10) से ऊपर रहा। उन्होंने 15 ओवरों में 92 रन दिए।

मेरी कोशिश मेडन डालने की होती है...

प्रसिद्ध ने कहा, 'मैं जब भी गेंदबाजी के लिए आता हूं तो मेरी कोशिश मेडन ओवर डालने की होती है। मैं वास्तव में बल्लेबाजों को आसानी से रन बनाने का मौका देने से बचना चाहता हूं। उस मैदान की आउटफील्ड तेज थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने जिस लंबाई और दिशा में गेंदबाजी की वह ज्यादातर समय सही नहीं थी। इसमें से कुछ ऐसे रन भी थे जो बल्ले के बाहरी या अंदरूनी किनारे से लग कर आये थे।'

उन्होंने कहा, 'मैंने कई बार बाउंसर डालने की कोशिश की लेकिन उस पर रन बन गये। मैं निश्चित रूप से जब गेंदबाजी करने आता हूं तो रन गति पर लगाम लगाकर दबाव बनाने की कोशिश करता हूं।' हेडिंग्ले (लीड्स) में तेज हवा चल रही थी और इसने गेंदबाजों और फील्डर्स का काम मुश्किल कर दिया।

शुभमन गिल को लेकर बड़ी फरमाइश
रवि शास्त्री ने भारतीय कप्तान के लिए मांगे 1095 दिन

खेल डेस्क,, 29 जून (एजेंसियां)। रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन के टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट के बाद शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड में अपनी पहली अग्निपरीक्षा में फेल हो गई है. लीड्स टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने भारत को पांच विकेट से हराकर सीरीज में बढ़त बना ली है. इस हार के बाद शुभमन गिल की कप्तानी पर लोग सवाल उठा रहे हैं, लेकिन टीम इंडिया के पूर्व खिलाड़ी और कमेंटेटर रवि शास्त्री ने उनका बचाव करते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) से खास फरमाइश कर दी है. उन्होंने शुभमन गिल को तीन साल यानी 1095 दिन तक टेस्ट क्रिकेट का कप्तान बनाए रखने की अपील की है. इस दौरान टीम इंडिया दूसरे टेस्ट मैच के लिए मैदान पर खूब पसीना बहा रही है. दूसरा टेस्ट मैच 2 जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा.

रवि शास्त्री ने क्या कहा?

शुभमन गिल ने हार के साथ अपनी टेस्ट कप्तानी की शुरुआत की है, लेकिन रवि शास्त्री का मानना है कि इंग्लैंड में जीत इतनी आसान नहीं है, इसलिए गिल को भरपूर मौका मिलना चाहिए. विजडन से बात करते हुए रवि शास्त्री ने कहा कि शुभमन गिल सहित सभी जानते हैं कि इंग्लैंड में उनका काम आसान नहीं होगा. 5 मैचों की सीरीज के लिए घर से बाहर इंग्लैंड का सामना करना सबसे कठिन कामों में से एक है.

टीम इंडिया के इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि भारत ने 2007 के बाद से इंग्लैंड में कोई टेस्ट सीरीज नहीं जीती है और पिछले 6 महीनों में तीन दिग्गज विराट कोहली, रोहित शर्मा और रविचंद्रन अश्विन टेस्ट क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं.

गिल का करें सपोर्ट

ऐसे में कमेंटेटर रवि शास्त्री को लगता है कि BCCI को अगले कुछ सालों के लिए, गिल पर ही भरोसा दिखाना चाहिए. उन्होंने कहा कि वो काफी मैच्योर हो गए हैं, इसलिए उनको तीन सालों तक मौका देना चाहिए. इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज का नतीजा चाहे जो कुछ भी हो, लेकिन कप्तान को बदलना उचित नहीं होगा. उन्होंने कहा कि बेशक कप्तानी से पहले बल्लेबाजी आती है. अगर वो बल्लेबाज के तौर पर अपनी जगह को सही साबित नहीं कर पाते हैं, तो कप्तानी के लिए उन्हें चुनौती देने का कोई फायदा नहीं है.

अच्छे कप्तान बन सकते हैं शुभमन गिल

भारत के पूर्व कोच को लगता है कि एक कप्तान के तौर पर अपनी क्लास दिखाने के लिए गिल को बस थोड़ा सा सपोर्ट देने की जरूरत है. शास्त्री ने कहा, "अगर गिल आगे नहीं बढ़ पाते हैं, तो मैं निराश हो जाऊंगा. अगर वो अनुभव के साथ सीख सकते हैं और परिस्थितियों के हिसाब से खुद को ढाल सकते हैं, तो मुझे लगता है कि वो एक अच्छे कप्तान बन सकते हैं".'

शिमरोन हेटमायर फिर बने सिएटल ऑर्कस के 'रक्षक', लगातार दिलाई दूसरी जीत

ओकलैंड, 29 जून (एजेंसियां)। मेजर लीग क्रिकेट 2025 के 20वें मुकाबले में लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स का सामना सिएटल ऑर्कास से हुआ। इस मैच सिएटल ऑर्कस ने 5 विकेट से शानदार जीत हासिल की। इस सीजन की ये सिएटल ऑर्कस की लगातार दूसरी जीत है। इस मैच में भी सिएटल ऑर्कस की जीत में विस्फोटक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर ने अहम भूमिका निभाई। जीत के साथ सिएटल ऑर्कस को पॉइंट्स टेबल में भी फायदा पहुंचा है।

पिछले मैच में 28 जून को सिएटल ऑर्कस का सामना एमआई न्यूयॉर्क से हुआ था। इस मैच को हेटमायर ने अकेले दम पर जीता दिया था। इस मैच को हेटमायर ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर जिताया था। अब एकबार फिर से हेटमायर का वही विस्फोटक अंदाज देखने को मिला। इस मैच में शिमरोन हेटमायर ने बल्लेबाजी करते हुए महज 26 गेंदों पर नाबाद 64 रनों की पारी खेली थी। जिसमें 4 चौके और 6 छक्के शामिल थे। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 246 का रहा था। उनके इस शानदार प्रदर्शन के चलते हेटमायर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 202 रन बनाए थे। लॉस एंजिल्स नाइट राइडर्स की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए आंद्रे रसेल ने सबसे ज्यादा 65 रनों की नाबाद पारी खेली थी। इसके अलावा रोवमैन पॉवेल ने 43 और शैफ बदर ने 41 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद सिएटल ऑर्कस ने लक्ष्य को 5 विकेट खोकर 19.5 ओवर में हासिल कर लिया। सिएटल ऑर्कस की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए एरोन जोन्स ने सबसे ज्यादा 73 रनों की पारी खेली थी। जिसमें 10 चौके और 2 छक्के शामिल थे। वहीं शयान जहांगीर ने 31 गेंदों पर 2 चौके और 3 छक्के के साथ 43 रन बनाए थे।

थर्ड अंपयार पर उंगली उठाना वेस्टइंडीज के कोच को पड़ा महंगा, आईसीसी ने कर दी कार्रवाई

किंग्स्टन, 29 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज की टीम इन दिनों घर पर ऑस्ट्रेलिया के साथ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है। जिसका पहला मैच बारबाडोस में खेला गया था, इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने शानदार जीत हासिल करके सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई। वहीं पहले मैच में थर्ड अंपायर के कई फैसलों पर विवाद हुआ। इनमें से ज्यादातर थर्ड अंपायर के फैसले वेस्टइंडीज के खिलाफ ही थी, जिनपर मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने सवाल भी उठाए थे। वहीं अब थर्ड अंपायर के फैसले पर सवाल उठाना डैरेन सैमी को भारी पड़ गया है। आईसीसी ने सैमी को थर्ड अंपायर के फैसलों पर सवाल उठाने के चलते सजा सुनाई है।

पहले टेस्ट मैच में थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक के कई फैसलों पर डैरेन सैमी ने अपनी नाराजगी जताई थी। जिसमें थर्ड अंपायर द्वारा ट्रैविस हेड को नॉटआउट और फिर शाई होप को आउट देना शामिल था। इसके अलावा एल्बीडब्ल्यू में भी ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन को नॉटआउट और वेस्टइंडीज के कप्तान रॉस्टन चेस को आउट दिया गया था। इन सभी फैसलों का जिक्र करते हुए, डैरेन सैमी ने कहा था कि "जो भी तस्वीरें सामने आई है उनको देखकर लगता है कि जो भी फैसले थे वे दोनों टीमों के लिए निष्पक्ष नहीं थे और मैं सिर्फ निष्पक्षता चाहता हूं।" इसके बाद अब आईसीसी ने वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी को आचार संहिता का उल्लंघन करने का दोषी पाया। जिसके चलते आईसीसी ने डैरेन सैमी पर मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया है।

इससे पहले वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज जेडन सील्स पर भी आईसीसी ने मैच फीस का 15 फीसदी जुर्माना लगाया था। पहली पारी में जेडन सील्स ने कमाल की गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट चटकाए थे। इस दौरान उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस का विकेट लेने के बाद उनको ड्रैसिंग रूम की तरफ जाने का इशारा किया था, जिसपर आईसीसी ने एक्शन लिया।

पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी बेहद खराब रही थी। मैच की पहली पारी में टीम ने 190 और दूसरी पारी में महज 141 रन ही बनाए थे। दूसरी पारी में वेस्टइंडीज की पूरी टीम तीसरे दिन पहले सेशन में ही ऑलआउट हो गई थी। जिसके चलते ऑस्ट्रेलिया ने मैच को 159 रनों से जीत लिया था।'

भारतीय महिला हॉकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन
लगातार सातवां मुकाबला गंवाया; चीन ने दी मात

बर्लिन, 29 जून (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा और उसे एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में चीन से 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। यह भारतीय महिला टीम की लगातार सातवीं हार है। खराब प्रदर्शन के बाद महिला टीम टूर्नामेंट के शीर्ष स्तर से बाहर होने की कगार पर है। इस हार के बाद भारत 15 मैचों में 10 अंकों के साथ नौ-टीमों की तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। इंग्लैंड 14 मैचों में 11 अंकों के साथ भारत से एक पायदान ऊपर है।

चीन के लिए चेन यांग (21वें मिनट) और झांग यिंग (26वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल किए, जबकि आनहुल यू (45वें मिनट) ने मैदानी गोल कर भारत के खिलाफ चीन को यादगार जीत दिलाई। भारत ने मुकाबले में अच्छी शुरुआत की और पहले क्वार्टर में चीन के सर्किल में पहुंच कर उसकी रक्षापंक्ति को कड़ी टक्कर दी। बलजीत कौर के पास तीसरे मिनट में मैच का पहला गोल करने का मौका था लेकिन उनका शॉट गोल-पोस्ट से बाहर चला गया। इसके एक मिनट बाद भारत को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन दीपिका ने दोनों मौकों को जाया कर दिया।

चीन के खिलाड़ियों जल्द ही सामंजस्य कायम करते हुए अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने सजगता दिखाते हुए गोल नहीं करने दिया। अनुभवी भारतीय गोलकीपर सविता ने इसके बाद कुछ शानदार बचाव किये जिसमें 13वें मिनट में गुओटिंग हाओ के रिवर्स हिट को रोकना भी शामिल था। पहले क्वार्टर के कुछ सेकेंड शेष रहते चीन को दूसरा पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन वे पुश को रोक नहीं पाए।

फिर चीन का सामना करेगी टीम

चीन ने दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए, लेकिन उन मौकों का फायदा नहीं उठा पाए। चीन को इस क्वार्टर में जोरदार शुरुआत करने का एक और फायदा 21वें मिनट में मिला जब टीम ने भारतीय रक्षापंक्ति पर दबाव बनाकर एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। चेन यांग ने इसे गोल में बदलने को कोई गलती नहीं की। चीन ने भारतीय रक्षापंक्ति पर दबाव बनाए रखा और 26वें मिनट में अपना पांचवां पेनल्टी कॉर्नर प्राप्त किया। इस बार झांग यिंग ने इस पर गोल कर टीम को 2-0 से आगे कर दिया। मध्यांतर से पहले भारतीयों ने कुछ मौके बनाए, लेकिन हमेशा की तरह उसे गोल पोस्ट तक ले जाने में विफल रहे। भारतीय टीम रविवार को अपने आखिरी मैच में एक बार फिर से चीन का सामना करेगी।

पंकज और बृजेश ने बढ़ाया देश का गौरव
मलेशिया को हराकर एशियाई स्नूकर में टीम को स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 29 जून (एजेंसियां)। कई दफा के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी और बृजेश दमानी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने एसीबीएस एशियाई स्नूकर चैंपियनशिप में मजबूत मलेशिया को 3-1 से हराकर टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारत ने पिछली बार दो साल पहले ईरान में स्वर्ण जीता था। इस तरह यह भारत का पांचवां स्वर्ण पदक है। आदित्य मेहता गर्दन की चोट के कारण सेमीफाइनल में नहीं खेल पाए जिसमें भारत ने हांगकांग-1 को 3-2 से हरा दिया जबकि मलेशिया ने अंतिम चार में पाकिस्तान को 3-1 से शिकस्त दी।

फाइनल में दमानी को थोर चुआन लियोंग से 58-68 से हार का सामना करना पड़ा लेकिन आडवाणी ने लिम कोक लियोंग को 66-25 से हराकर वापसी कराई। इसके बाद आडवाणी और दमानी ने मिलकर युगल में थोर चुआन और लिम कोक को हराकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया।

आरसीबी क्रिकेटर यश दयाल पर यौन उत्पीड़न का आरोप
लड़की बोली- दिया शादी का झांसा; पांच साल से था रिलेशनशिप

गाजियाबाद, 29 जून (एजेंसियां)।। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थानाक्षेत्र की रहने वाली एक युवती ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर आईपीएल की टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाड़ी यश दयाल के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए शिकायत की है।

शादी का झांसा देकर किया शारीरिक उत्पीड़न

युवती ने शादी का झांसा देकर शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न करने और विरोध करने पर हिंसा करने का आरोप लगाया है। साथ ही मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई है।

अपने परिवार के सामने बहू बनाकर किया पेश

मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई शिकायत में युवती ने बताया कि वह पांच वर्ष से एक क्रिकेटर के साथ रिश्ते में थी। क्रिकेटर ने उन्हें शादी का झांसा देकर अपने परिवार के सामने बहू के तौर पर पेश किया। इसके बाद उनका शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न किया गया। कुछ समय बाद उन्हें पता चला कि क्रिकेटर अन्य लड़कियों के साथ भी संबंधों में था।

पहले की शिकायत पर नहीं हुई कार्रवाई

आरोप है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तब उनके साथ शारीरिक हिंसा और मानसिक तौर पर प्रताड़ित किया गया। इसके बाद 14 जून 2025 को उन्होंने महिला हेल्पलाइन पर शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

पीड़िता ने पुलिस को सौंपे सबूत

बताया कि वह आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर हैं। यहां तक कि पीड़िता ने पुलिस को क्रिकेटर से व्हाट्सएप, स्क्रीनशॉट, वीडियो कॉल और फोटो के साक्ष्य भी दिए हैं। साथ ही कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

राष्ट्रीय निशानेबाजी ट्रायल में चमके राही, मेहुली और नीरज

देहरादून, 29 जून (एजेंसियां)। ओलंपियन राही सरनोबत, मिश्रित टीम राइफल एशियाई चैंपियन मेहुली घोष और नौसेना के नीरज कुमार ने राष्ट्रीय चयन निशानेबाजी ट्रायल तीन और चार में शानदार प्रदर्शन किया और वे अपने फाइनल में शीर्ष पर रहे।

महिला 25 मीटर पिस्टल टी4 फाइनल में राही ने शानदार प्रदर्शन किया और शीर्ष पर रहीं। उन्होंने फाइनल में 40 हिट लगाए। राही महाराष्ट्र की अभिदन्या अशोक पाटिल से छह अंक आगे रहीं जिन्होंने 34 अंक बनाए। हरियाणा की विभूति भाटिया ने 27 अंक बनाकर पोडियम पर तीसरा स्थान हासिल किया। राही 2018 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता हैं। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में मेहुली ने 253.6 अंक बनाकर टी4 फाइनल जीता। रेलवे की मेघना एम सज्जनार 253.1 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं जबकि सोनम उत्तम मास्कर 231.4 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। नौसेना के निशानेबाज नीरज ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन (3पी) टी3 फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 463.9 अंक हासिल किए और स्टार खिलाड़ियों से सजे लाइन अप में शीर्ष स्थान हासिल किया।

पीएसी की बैठक 4 जुलाई को : महेश कुमार

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) महेश कुमार गौड़ द्वारा घोषित कांग्रेस पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक 4 जुलाई को गांधी भवन में होने वाली है। उसी दिन, टीपीसीसी एक आम सभा आयोजित करेगी, जिसके बाद शाम को एलबी स्टेडियम में स्थानीय नेताओं के साथ एक बड़ी सार्वजनिक सभा होगी। इस कार्यक्रम में लगभग 15,000 लोगों के शामिल होने की उम्मीद है, जो जय बापू जय भीम जय संविधान समिति की बैठक का हिस्सा है। रविवार को पत्रकारों से चर्चा के दौरान, महेश कुमार गौड़ ने संकेत दिया कि अनुशासन समिति वारंगल के नेताओं से संबंधित मुद्दों पर विचार करेगी। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर फासीवादी नीतियों को लागू करने का आरोप लगाया और कहा कि उनके पास कांग्रेस पार्टी की आलोचना करने का अधिकार नहीं है। महेश कुमार गौड़ ने कहा, कांग्रेस के एक प्रमुख नेता स्वर्गीय डी. श्रीनिवास जीवन भर धर्मनिरपेक्षता के लिए प्रतिबद्ध रहे।

यह चिंताजनक है कि उनकी प्रतिमा का अनावरण भाजपा नेता की मौजूदगी में किया जा रहा है, क्योंकि डी.एस. भाजपा और आरएसएस की विचारधाराओं से मेल नहीं खाते थे।

इस तरह का जुड़ाव निस्संदेह उनकी आत्मा को व्यथित करेगा। राज्य सरकार ने डी.एस. की प्रतिमा के लिए एक स्थान आवंटित किया है, लेकिन अफसोस की बात है कि इस कार्यक्रम में किसी भी कांग्रेस नेता को आमंत्रित नहीं किया गया है। डी. श्रीनिवास कभी भी भाजपा से जुड़े नहीं थे, वे केवल विशिष्ट कारणों से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल हुए थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के लिए होने वाले किसी भी आगामी उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी जीत हासिल करने के लिए तैयार है। महेश कुमार गौड़ ने आगे कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने विकास में सहायता करने वाले सभी व्यक्तियों के योगदान को स्वीकार करेगी और भविष्य में उन्हें पदों से पुरस्कृत करेगी। उन्होंने यह भी वचन दिया कि हैदराबाद में शीघ्र ही उपयुक्त स्थान पर कांग्रेस नेता मुकेश गौड़ की प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

टीपीसीसी प्रमुख ने खड़गे की हैदराबाद यात्रा को सफल बनाने का आग्रह किया

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार ने पार्टी नेताओं से 4 जुलाई को एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की हैदराबाद यात्रा की सफलता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। रविवार को गांधी भवन में हैदराबाद कांग्रेस नेताओं के लिए आयोजित समीक्षा बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में, महेश कुमार ने घोषणा की कि कांग्रेस पार्टी के ग्राम स्तर के अध्यक्षों के लिए एक बैठक 4 जुलाई को एलबी स्टेडियम में जय बापू, जय भीम, जय संविधानम कार्यक्रम के साथ होगी, जिसमें मल्लिकार्जुन खड़गे मुख्य अतिथि होंगे। उन्होंने कहा, जय संविधान कार्यक्रम संविधान को बनाए रखने के लिए आयोजित किया जा रहा है और तेलंगाना में इसकी प्रगति अच्छी रही है। इसकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए तेलंगाना के सभी विधानसभा क्षेत्रों के प्रमुख नेताओं का इस कार्यक्रम में भाग लेना आवश्यक है। बैठक में मौजूद मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हैदराबाद के सभी निर्वाचन क्षेत्रों के आवश्यक नेताओं को मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा में भाग लेना चाहिए और स्थानीय नेताओं को बैठक की तैयारियों में सक्रिय रूप से शामिल होना चाहिए।

बंजारा नेताओं ने तेलंगाना मंत्रिमंडल में जगह की मांग की

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा समुदाय के नेताओं ने राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि तेलंगाना मंत्रिमंडल में उनके समुदाय को प्रतिनिधित्व दिया जाए। रविवार को हैदराबाद में बंजारा समुदाय के निर्वाचित प्रतिनिधियों, विद्वानों, कर्मचारियों और सदस्यों ने सामूहिक रूप से कई मांगें रखीं। इनमें समुदाय के विकास को बढ़ावा देने के लिए थांडा विकास निगम की स्थापना और एक विशेष एसआईटी आयोग का गठन शामिल है। उन्होंने तेलंगाना में बंजारा समुदाय को उनकी जनसंख्या के आधार पर विधान परिषद, राज्यसभा और अन्य नियुक्त पदों पर प्रतिनिधित्व देने की भी मांग की। उन्होंने यह भी अनुरोध किया कि भूमिहीन और गरीब आदिवासी व्यक्तियों के लिए 3 एकड़ जमीन अलग रखी जाए और थांडा समुदाय को तेलंगाना राज्य में राजस्व ग्राम पंचायत के रूप में मान्यता दी जाए। बैठक में उपसभापति रामचंद्र नायक, सांसद बलराम नायक और एमएलसी शंकर नायक भी मौजूद थे।

अमित शाह ने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने को कहा

निजामाबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज कहा कि नक्सलियों को तुरंत नरसंहार बंद कर देना चाहिए और उनके सामने आत्मसमर्पण कर देना चाहिए। निजामाबाद में हल्दी बोर्ड के राष्ट्रीय कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने शहर के स्थानीय पॉलिटेक्निक मैदान में आयोजित किसानों की सभा को संबोधित किया।

इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने दावा किया कि हालांकि पाकिस्तान पहलगाम में आतंकवादी हमले से देश को डराना चाहता था, लेकिन उन्होंने ऐसा कहा और दुनिया को पता चला कि भारत की ताकत क्या है? पीएम मोदी का लक्ष्य केवल आतंकवाद को खत्म करना नहीं है, बल्कि देश में नक्सलवाद को भी खत्म करना है।

नक्सलवाद को खत्म किया जाना चाहिए या नहीं? आप खुद ही बताइए कि हम 30 मार्च, 2026 तक देश में नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। नक्सलियों को तुरंत नरसंहार बंद कर देना चाहिए और आत्मसमर्पण कर देना चाहिए। नक्सलियों को जल्दी से जल्दी सार्वजनिक जीवन की मुख्यधारा में वापस आना चाहिए।

पहले ही 10,000 नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। वे सार्वजनिक जीवन की मुख्यधारा में वापस आ गए हैं।

उन्होंने कहा कि तेलंगाना में भाजपा निश्चित रूप से सत्ता में आएगी। उन्होंने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं के उत्साह को देखते हुए यह स्पष्ट है कि भाजपा की जीत निश्चित है।

प्रतिद्वंद्वी बीआरएस पार्टी पर निशाना साधते हुए शाह ने आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने कई क्षेत्रों में भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना को दिल्ली के लिए एटीएम बना दिया है। अमित शाह ने कहा, तेलंगाना में बीआरएस पार्टी चली गई है, लेकिन भ्रष्टाचार खत्म नहीं हुआ है। बैठक में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, बांडी संजय, सांसद धर्मपुरी अरविंद, लक्ष्मण और कई अन्य जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया।

किशनबाग में एक व्यक्ति ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। किशनबाग स्थित अपने घर में शनिवार रात 32 वर्षीय एक व्यक्ति ने आत्महत्या कर ली। बहादुरपुरा पुलिस के अनुसार, श्रीकांत अपने परिवार के साथ किशनबाग के नंदी मुसलाईगुड़ा में रहता था। शनिवार रात को श्रीकांत का अपने रिश्तेदार से किसी बात पर झगड़ा हुआ और फिर वह कमरे में चला गया और अंदर से दरवाजा बंद कर फांसी लगा ली। सूचना पर अत्तापुर और बहादुरपुरा थानों की पुलिस मौके पर पहुंची। क्षेत्राधिकार को लेकर असमंजस की स्थिति बनी रही। बाद में बहादुरपुरा पुलिस ने मामले को अपने हाथ में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए ओजीएच मोर्चरी में ले जाया गया।

स्वेच्छा वोटरकर आत्महत्या मामले में आरोपी ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एंकर स्वेच्छा वोटरकर की आत्महत्या के लिए नामित पूर्ण चंद्र बदावत ने शनिवार रात चिक्कड़पल्ली पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। वकीलों के साथ पूर्ण चंद्र पुलिस स्टेशन पहुंचे और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है। स्वेच्छा के माता-पिता ने आरोप लगाया कि पूर्ण चंद्र बदावत ने ऐसी परिस्थितियां पैदा कीं, जिससे उनकी बेटी को आत्महत्या करने पर मजबूर होना पड़ा। समाचार प्रस्तुतकर्ता ने शुक्रवार रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

कांग्रेस नेता रवि श्रीनिवास 6 साल के लिए पार्टी से निलंबित

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी की अनुशासन समिति ने पार्टी के हितों के खिलाफ गतिविधियों में शामिल होने के आरोपों के कारण आसिफाबाद विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ नेता रवि श्रीनिवास पर छह साल का निलंबन लगाया है। रविवार को अध्यक्ष और सांसद मल्लू रवि के नेतृत्व में समिति ने उन्हें निलंबित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया। यह कार्रवाई कोमरम भीम आसिफाबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विश्व प्रसाद द्वारा पार्टी के सिद्धांतों के विपरीत मानी जाने वाली गतिविधियों के संबंध में प्रस्तुत की गई शिकायत की समीक्षा के बाद की गई।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सेवा में बड़े व्यवधान की आशंका

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के 34 सरकारी शिक्षण अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं और चिकित्सा शिक्षा प्रभावित होने की आशंका है, क्योंकि जूनियर डॉक्टर सोमवार से राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन चिकित्सा हड़ताल शुरू करने वाले हैं। हड़ताल के आह्वान को उस समय बल मिला जब राज्य के शिक्षण अस्पतालों के वरिष्ठ रेजीडेंटों ने रविवार को घोषणा की कि वे 1 जुलाई से राज्यव्यापी अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करेंगे। अपनी मांगों की लगातार उपेक्षा से निराशा जताते हुए तेलंगाना सीनियर रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीएसआरडीए) ने कहा कि उनके पास अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

उधर, तेलंगाना जूनियर डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजेयूडीए) ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा के साथ दो बैठकों सहित अनुवर्ती कार्रवाई और व्यक्तिगत बैठकों के बावजूद , प्रमुख मुद्दे अनसुलझे रह गए। टीजेयूडीए ने कहा कि समय पर वजीफा, उचित बुनियादी ढांचा और सम्मानजनक कामकाजी माहौल प्रदान करना राज्य सरकार का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है।

जूनियर डॉक्टर भारी शारीरिक और मानसिक तनाव में काम करते रहते हैं, अक्सर लगातार 36 घंटे से भी ज़्यादा, लेकिन उन्हें उनका हक नहीं मिलता। इस बीच, टीएसआरडीए सदस्यों ने कहा कि पिछले तीन महीनों से वजीफा न मिलने के कारण वे परेशानी का सामना कर रहे हैं और वरिष्ठ रेजीडेंटों का कार्यकाल अभी तक जारी नहीं किया गया है।

चेर्लापल्ली टकसाल में ढाला गया जैन नेता आचार्य विद्यानंद महाराज का स्मारक सिक्का

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जैन धर्मगुरु आचार्य विद्यानंद महाराज की 100वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिल्ली में जारी किया गया स्मारक सिक्का चेर्लापल्ली स्थित हैदराबाद टकसाल में ढाला गया है। हैदराबाद टकसाल के सूत्रों ने पुष्टि की है कि प्रधानमंत्री द्वारा जारी किए गए 12 स्मारक सिक्के पिछले सप्ताह तैयार करके दिल्ली भेजे गए थे। जैन नेता आचार्य विद्यानंद महाराज के स्मारक सिक्के बिक्री के लिए रखे जाएंगे, लेकिन उन्हें दिल्ली से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। सूत्रों ने बताया कि इन सिक्कों की बिक्री हैदराबाद टकसाल, चेर्लापल्ली के काउंटरों पर की जाएगी।

आसिफाबाद में महिलाओं ने अवैध शराब की बंद कराईं दुकानें

कुमराम भीम आसिफाबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कागजनगर मंडल की महिलाओं ने रविवार को चिंतागुड़ा और कोयावागु गांवों में अवैध शराब की दुकानों के खिलाफ आंदोलन शुरू किया और दुकानें बंद करा दीं। शहर से सटे दो गांवों की हर गली में शराब की दुकानों के बढ़ने से नाराज महिलाओं ने आरोप लगाया कि ये दुकानें उनके पहले से ही संघर्षरत परिवारों पर कहर बरपा रही हैं। उन्होंने कहा कि शराब की आसानी से उपलब्धता के कारण पुरुषों में नशे की लत बढ़ गई है, जो अब अपनी जिम्मेदारियों को नजरअंदाज कर रहे हैं और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि किराना दुकानों में शराब खुलेआम बेची जा रही है, जिससे समस्या और भी गंभीर हो गई है। अधिकारियों से अपील करते हुए महिलाओं ने बेल्ट शॉप और किराना दुकानों के माध्यम से अवैध शराब की बिक्री को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मामूली वेतन पाने वाले पुरुष अपनी आय शराब पर खर्च कर रहे हैं, जिससे उनके परिवार और आजीविका बाधित हो रही है। इससे पहले शुक्रवार को महिलाओं ने कागजनगर में निषेध एवं आबकारी विभाग के कार्यालय के सामने धरना दिया और कोयावागु और चिंतागुडा में अवैध व्यापार को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की। जब पुलिस ने उन्हें प्रदर्शन जारी रखने से रोकने का प्रयास किया तो हल्का तनाव पैदा हो गया, जिससे टकराव की स्थिति पैदा हो गई।

बीआरएस नेता जी श्रीनिवास यादव गिरफ्तार

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जुबली हिल्स पुलिस ने शनिवार रात एक न्यूज चैनल के कार्यालय पर हमले के सिलसिले में भारत राष्ट्र समिति के नेता जी श्रीनिवास यादव को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार दोपहर को, न्यूज चैनल पर पूर्व मुख्यमंत्री और बीआरएस अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव और के टी रामाराव के खिलाफ कुछ अपमानजनक रिपोर्ट के बाद कुछ लोगों ने कार्यालय पर हमला किया और कुछ सामान को क्षतिग्रस्त कर दिया। कार्यालय पर हमला करने वाले लोगों के खिलाफ जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। रात में पुलिस को श्रीनिवास यादव की मौजूदगी का पता चलने पर वे बीआरएस पार्टी कार्यालय तेलंगाना भवन पहुंचे और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। बीआरएस पार्टी कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी की निंदा की और तेलंगाना भवन पर विरोध प्रदर्शन किया, जिससे क्षेत्र में तनाव पैदा हो गया।

कोंडा रेड्डी गांवों के लिए 48.17 लाख रुपये मंजूर

राज्यपाल ने गोद लिया है कोंडा रेड्डी गांव

कोत्तागुडेम, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल के प्रधान सचिव दाना किशोर ने कहा कि कोंडा रेड्डी जनजातियों के विकास के लिए जारी धनराशि का उचित उपयोग किया जाना चाहिए और उनके विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने जिले के दम्मापेट और अश्वरावपेट मंडलों में क्रमश: पूसुकुंटा और गोगुलापुडी गांवों को गोद लिया। उन्होंने बताया कि गांवों में रहने वाले कोंडा रेड्डी जनजातियों के कल्याण के लिए 48.17 लाख रुपये मंजूर किए गए हैं।

राजभवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आईटीडीए परियोजना अधिकारी बी राहुल के साथ समीक्षा बैठक में किशोर ने कहा कि आदिवासी किसानों और बेरोजगार युवाओं के विकास के लिए फंड से बुनियादी ढांचे का विकास किया जाना चाहिए। इसी तरह, भद्राचलम के दूरदराज के इलाकों में आदिवासियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए रेड क्रॉस सोसाइटी को फंड जारी किया गया है।

पीओ ने प्रधान सचिव को बताया कि पूसुकुंटा और गोगुलापुडी गांवों में बेरोजगार युवकों को 10 लाख रुपये की लागत से टेंट हाउस सामग्री की दो इकाइयां प्रदान की गई हैं। किसानों को दो पावर टिलर, 20 सोलर पंप सेट और गुब्बाला मंगम्मा देवस्थानम के लिए 5 केवी जनरेटर 15 दिनों के भीतर प्रदान किए जाएंगे।

गोगुलापुडी गांव में बेरोजगार युवाओं के लिए बांस की कलाकृतियां बनाने के लिए नौ मशीनों, एक अगरबत्ती बनाने की मशीन और एक 'सांबरानी' कप बनाने की मशीन के लिए कार्य आदेश के प्रस्ताव भेजे गए हैं और इन्हें 15 दिनों के भीतर स्थापित कर दिया जाएगा। राहुल ने कहा कि कोंडा रेड्डी गांव की महिलाओं को मधुमक्खी पालन, धूपबत्ती बनाने और बांस से विभिन्न प्रकार की वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है तथा उत्पाद विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ताओं के लिए जल्द ही उपलब्ध होंगी 50 और चार्जिंग इकाइयां

हैदराबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में तीव्र वृद्धि को देखते हुए, शहर भर में विभिन्न स्थानों पर पचास से अधिक ईवी चार्जिंग इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। शहर में मौजूदा ईवी चार्जिंग इकाइयों को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिलने और पूर्ण उपयोग में होने के कारण, जीएचएमसी ने मांग को ध्यान में रखते हुए इन चार्जिंग इकाइयों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है। सुविधा बढ़ाने का निर्णय शहर में इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या में निरंतर वृद्धि और कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने तथा हैदराबाद को शून्य कार्बन शहर बनाने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग पर सरकार के प्रोत्साहन के कारण लिया गया है।

टीजीआरईडीसीओ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि नोडल एजेंसी तेलंगाना राज्य अक्षय ऊर्जा विकास निगम (टीजीआरईडीसीओ) ने ग्रेटर हैदराबाद में चिन्हित स्थानों पर 50 नई इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग इकाइयां स्थापित करने के लिए जीएचएमसी के साथ समझौता किया है।

टीजीआरईडीसीओ के एक अधिकारी के अनुसार, टीजीआरईडीसीओ ने 90 ईवी चार्जिंग सेंटर स्थापित किए हैं और 40 अन्य चार्जिंग सेंटर तैयार हो रहे हैं। हाल ही में, टीजीआरईडीसीओ को शहर में 50 और ईवी चार्जिंग यूनिट स्थापित करने के प्रस्ताव मिले हैं और इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकर्ताओं के लिए 180 ईवी चार्जिंग सेंटर उपलब्ध हो जाएँगे। जीएचएमसी ने इन ईवी चार्जिंग केंद्रों की स्थापना के लिए शॉपिंग मॉल, मल्टीप्लेक्स, वाणिज्यिक परिसरों और अधिक आम लोगों की आवाजाही वाले कुछ प्रमुख क्षेत्रों जैसे सार्वजनिक क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों की पहचान की है।

अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक ईवी चार्जिंग यूनिट में डीसी-001 (15 किलोवाट) क्षमता वाली हाई-स्पीड चार्जिंग और सी (122-150 किलोवाट) क्षमता वाली धीमी चार्जिंग सुविधाएं हैं। इसके लिए हमें 260 वर्ग फीट जगह की जरूरत है, जहां एक बार में दो वाहनों को चार्ज किया जा सके।

सभी ईवी चार्जिंग केंद्र अक्षय ऊर्जा से संचालित होते हैं। इन इकाइयों को जीएचएमसी और टीजीआरईडीसीओ द्वारा आपसी सहमति से राजस्व-साझाकरण मॉडल पर स्थापित किया जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि इन सभी चार्जिंग इकाइयों में जल्द ही चार्जिंग उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निगरानी सुविधाएं होंगी। अधिकारी ने कहा कि हम ईवी चार्जिंग इकाइयों से सामग्री चोरी होने की घटनाओं से चिंतित हैं और हमने पुलिस से इस पर चर्चा की है। उनकी सलाह के अनुसार, हमने चोरी को रोकने के लिए हर ईवी चार्जिंग इकाई में सीसीटीवी लगाने का फैसला किया है।

न्यायालय भवन से कूदने पर महिला की मौत

पति और बेटियां घायल

मेदक, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात को मेदक न्यायालय भवन से कूदकर आत्महत्या करने के प्रयास में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसके पति और दो छोटी बेटियां गंभीर रूप से घायल हो गईं। दम्पति ने पहले कथित तौर पर अपने बच्चों को नीचे फेंका था। मृतक की पहचान सिद्दीपेट जिले के दौलतबाद निवासी राम्या (24) के रूप में हुई है, जिसकी गंभीर रूप से घायल होने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। घटना में उसके पति नवीन गौड़ (30) जो ऑटो चालक थे, और उनकी बेटियां रुथविका (5) और सासविका (2) गंभीर रूप से घायल हो गईं।

पुलिस के अनुसार, रम्या, जिसके माता-पिता मेदक जिले के रामायमपेट मंडल के रुक्मपुर गाँव से हैं, ने 2019 में नवीन से शादी की थी। हालांकि, कथित तौर पर उनकी दूसरी बेटी के जन्म के बाद दंपति के बीच गंभीर मतभेद हो गए। रम्या करीब एक साल पहले रुक्मपुर में अपने पैतृक घर चली गई थी। जब नवीन अपने ससुराल वालों को रम्या को वापस उसके साथ भेजने के लिए मनाने के लिए रुक्मपुर गया, तो वहां बहस हो गई। मना करने पर, उसने कथित तौर पर उस रात पटाखे जलाकर उनके घर पर हमला कर दिया। रम्या के माता-पिता ने शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद नवीन को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। शनिवार को इसी मामले से जुड़ी सुनवाई के लिए दंपत्ति मेदक कोर्ट आए थे। वहां, फिर से बहस हुई, जिसके बाद उन्होंने कथित तौर पर अपनी जान लेने का फैसला किया। नवीन और दोनों बच्चों की हालत गंभीर होने पर उन्हें क्रमशः गांधी अस्पताल और निलोफर अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाजार हाथनूर के पास निजी बस पलटने से 25 यात्री घायल

आदिलाबाद, 29 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात को बाजारहाथनूर मंडल के बाहरी इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर एक निजी ट्रैवलर बस के पलट जाने से लगभग 25 यात्री घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना तब हुई जब चालक ने एक मोड़ पर वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और बस हाईवे की रेलिंग से टकरा गई, जिससे बस पलट गई। बस में सवार 32 यात्रियों में से 25 को मामूली चोटें आईं। सभी घायलों को इलाज के लिए रिम्स-आदिलाबाद ले जाया गया, जहां एक यात्री की हालत गंभीर बताई गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए 108 एंबुलेंस बुलाई। बस विजयवाड़ा से निकली थी और दुर्घटना के समय महाराष्ट्र के अमरावती जा रही थी। मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.